www.deshbandhu.co.in खबरें लगातार...

राष्ट्रीय संस्करण

पत्र नहीं मित्र

देशबन्धु

नई दिल्ली, शनिवार 12 अगस्त, 2023 | वर्ष-16 | अंक -127 | पृष्ठ - 10 | मूल्य - 3.00 रुपए

चुनाव आयोग पर नियंत्रण सुनिश्चित करना चाहती... 02

■ नारायणा के एमसीडी स्कूल में गैस रिसाव से 24 ...
■ लोकसभा की सभी सीटों पर प्रत्याशी उतारेगी आरआईएम 03

■ हवाई में जंगल की आग से मरने वालों की संख्या हुई 53
■ सिंगापुर के प्रधानमंत्री ली सीन लूंग ने वांग यी से ... 07

रानी मुखर्जी का हुआ था मिसकैरेज, पांच महीने... 10

राजद्रोह कानून होगा समाप्त

नई दिल्ली, 11 अगस्त (एजेंसियां)। संसद के मानसून सत्र के आखिरी दिन केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में तीन नए बिल पेश किए। इनमें भारतीय न्याय संहिता 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 और भारतीय साक्ष्य बिल 2023 बिल शामिल हैं। ये बिल अंग्रेजों के समय के इंडियन पीनल कोड (आईपीसी), कोड ऑफ क्रिमिनल प्रोसिजर (सीआरपीसी) और एविडेंस एक्ट की जगह लेंगे। तीनों बिल को जांच के लिए संसदीय कमेटी के पास भेजा जाएगा। इन बिलों में मॉब लिंचिंग और नाबालिग से रेप पर मौत की सजा का प्रावधान रखा गया है। इसके अलावा देशद्रोह से जुड़े मामलों को लेकर भी बदलाव किए गए हैं। अमित शाह ने तीनों बिल पेश करते हुए कहा कि पुराने कानूनों का फोकस ब्रिटिश प्रशासन को मजबूत बनाना और उसकी सुरक्षा करना था। इनके जरिए लोगों को न्याय नहीं सजा दी जाती थी। 1860 से 2023 तक देश का क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम ब्रिटिश कानूनों के हिसाब से था। नए बिलों का उद्देश्य सजा नहीं, बल्कि न्याय देना है।

- **आईपीसी, सीआरपीसी व एविडेंस एक्ट बदला जाएगा**
- **केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में किया बिल पेश**
- **मॉब लिंचिंग व नाबालिग से रेप पर मौत की सजा**

नए कानून की भावना भारतीयों को अधिकार देने की

लोकसभा में बोलते हुए गृहमंत्री ने कहा कि इन तीनों कानूनों को रिप्लेस कर के इनकी जगह तीन नए कानून जो बनेंगे, उनकी भावना भारतीयों को अधिकार देने की होगी। इन कानूनों का उद्देश्य किसी को दंड देना नहीं होगा। इसका उद्देश्य होगा लोगों को न्याय देना। अमित शाह ने कहा कि 18 राज्यों, छह केंद्र शासित प्रदेशों, भारत की सुप्रीम कोर्ट, 22 हाईकोर्ट, न्यायिक संस्थाओं, 142 सासंद और 270 विधायकों के अलावा जनता ने भी इन विधेयकों को लेकर सुझाव दिए हैं। चार साल तक इस पर काफी

चर्चा हुई है। हमने इस पर 158 बैठकें की हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने पिछले 15 अगस्त को लाल किले की प्राचीर से देश के सामने 5 प्रण रखे थे। उनमें से एक प्रण था कि हम गुलामी की सभी निशानियों को समाप्त कर देंगे। आज मैं जो 3 बिल लेकर आया हूं, वह तीनों विधेयक मोदी के लिए गए प्रण में से एक प्रण को पूरा कर रहे हैं।

स्नैचरों पर चलेगा कानून का डंडा

शाह ने कहा कि स्नैचिंग के लिए चाहे महिलाओं की चेन हो या कुछ और कोई प्रावधान नहीं था। बहुत सारे लोग छिप जाते थे क्योंकि वो चोरी नहीं थी। स्नैचिंग का प्रावधान नहीं था। अब स्नैचंग का भी प्रावधान ले आया गया है। 324 में गंभीर चोट के कारण निष्क्रियता की स्थिति हो जाती थी तो महज 7 साल की सजा थी। किसी को थोड़ा लग जाए और वह एक सप्ताह में अस्पताल से बाहर आ जाए तो उसकी सजा को थोड़ा अलग किया गया है। अगर हमेशा के लिए अपंगता आती है तो इसकी सजा 10 साल या आजीवन कारावास। बता दें कि केंद्र सरकार ने आईपीसी, दंड प्रक्रिया संहिता और भारतीय सबूत कानून 1872 में संशोधन के लिए एक आपराधिक कानून संशोधन समिति का गठन किया। इस समिति का प्रमुख दिल्ली स्थित नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी के तत्कालीन वाइस चांसलर डॉ. रणबीर सिंह को बनाया गया। इस समिति के अन्य सदस्यों में नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी दिल्ली के तत्कालीन रजिस्ट्रार डॉ. जीएस बाजपेयी, डीएनएलयू के वाइस चांसलर डॉ. बलराज चौहान और वरिष्ठ वकील महेश जेठमलानी, और दिल्ली डिस्ट्रिक्ट एंड सेशल कोर्ट के पूर्व जज जीपी थरेजा शामिल थे। फरवरी 2022 में इस समिति ने जनता से सुझाव के बावजूद सरकार को अपनी रिपोर्ट सौंपी।

अप्रैल 2022 में कानून मंत्रालय ने राज्य सभा में बताया कि सरकार आपराधिक कानूनों की समीक्षा कर रही है। शाह ने कहा कि डीजीपी को समय नहीं हो या फिर कोई डीजीपी साहब रिटायर हो गया। तो अब उसको बुलाने की जरूरत नहीं है। अब नए कानून के तहत उस समय के एसपी फाइल देखकर कोर्ट को बताएंगे। घोषित अपराधियों की संपत्ति की कुर्की का भी हम प्रावधान जोड़ रहे हैं।

भगोड़ों को सजा देने के लिए किए जाएंगे प्रावधान

दाऊद इब्राहिम काफी समय से भगोड़ा है। अब हमने तय किया है कि सत्र न्यायालय के जज किसी व्यक्ति की अनुपस्थिति में भी केस चला सकती है और फैसला सुना सकती है, फिर चाहे वह दुनिया के किसी भी कोने में हो। उसे सजा से बचना हो तो भारत आए और केस लड़ें। शाह ने कहा कि अपराधियों जो देश छोड़कर भाग जाते थे, उसके विरूद्ध 10 साल की सजा का प्रावधान लाया है। सजा माफी को राजनीतिक यूज करने वाले बहुत किस्से आते थे, अब हमने कह दिया है कि अगर किसी को सजा माफ करनी है मृत्यु की सजा को आजीवन कारावास और आजीवन कारावास की सजा को 7 साल तक ही माफ कर सकते हैं। 7 साल के कारावास को 3 साल ही माफ कर सकते हैं, अभी बिहार में कुछ मामले सामने आए हैं, किसी प्रकार से राजनीतिक रसूख वाले लोगों को छोड़ा नहीं जाएगा उनको भी सजा भुगतनी पड़ेगी।

कुश्ती महासंघ चुनाव पर रोक

चंडीगढ़,11 अगस्त (एजेंसियां)। पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय ने 12 अगस्त को होने वाले भारतीय कुश्ती महासंघ के चुनाव पर रोक लगा दी है। इससे पहले गुवाहटी हाईकोट ने भारतीय कुश्ती महासंघ के चुनाव पर रोक लगा दी थी। हालांकि बाद में सुप्रीम कोर्ट ने इस पर लगी रोक को हटा दिया था। भारतीय ओलंपिक महासंघ के मुताबिक भारतीय कुश्ती महासंघ के चुनाव छह से 11 जुलाई के बीच होने थे। हालांकि बाद में 12 अगस्त की तारीख निर्धारित की गई। अब पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट ने रोक लगा दी। भाजपा सांसद और भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह ने अपने करीबी संजय सिंह को प्रत्याशी बनाया है।

- **पंजाब व हरियाणा हाईकोर्ट ने चुनाव पर लगाई रोक**
- **12 अगस्त को होनी थी वोटिंग**

संजय सिंह का मुकाबला अनीता श्योराण से होगा। अनीता 2010 राष्ट्रमंडल खेलों की चैंपियन हैं। हाल ही में गोंडा की एक रैली में बृजभूषण शरण सिंह ने कहा था कि 25 में से 20 राज्य उनके साथ हैं। वाराणसी के रहने वाले संजय सिंह को उन्होंने प्रत्याशी बनाया है। चुनाव से पहले ही सांसद ने दावा किया कि हमारे गुट का प्रत्याशी ही अध्यक्ष बनेगा। कहा कि कुश्ती को लेकर बहुत मेहनत हुई है, आगे भी इसी तरह प्रयास जारी रहेगा।

सार संक्षेप

देश के 14 राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली। देश के 14 राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। उत्तराखंड के ज्यादातर जिलों के लिए 11-14 अगस्त तक रेड और ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। हिमाचल के ज्यादातर जिलों के लिए यलो अलर्ट जारी किया गया है। हिमाचल प्रदेश के सोलन जिले में शुक्रवार तड़के सुबह लैंडस्लाइड हो गया।

आरोपी चेतन सिंह को 14 दिन की न्यायिक हिरासत

मुंबई। महाराष्ट्र में चलती ट्रेन में तीन यात्रियों की गोली मारकर हत्या करने के आरोपी रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के कॉन्स्टेबल चेतन सिंह को शुक्रवार को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया। इसके अलावा, अदालत ने किसी भी तरह के परीक्षण करने की अनुमति से इनकार कर दिया है। गौरतलब है, 31 जुलाई को 34 वर्षीय चेतन सिंह ने अपने वरिष्ठ अधिकारी सहायक उप-निरीक्षक टीकाराम मीन सहित ट्रेन में यात्रा कर रहे तीन यात्रियों को गोली मार दी थी, जिससे तीनों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

गुजरात में सड़क हादसा, दस की मौत

अहमदाबाद। गुजरात के अहमदाबाद से एक बड़े हादसे की खबर सामने आई है। यहां बावला-बागोदरा हाईवे पर एक मिनी ट्रक की ट्रक से टक्कर हो गई। इस हादसे में 10 लोगों की जान जाने की खबर है। पुलिस ने बताया कि मरने वालों में तीन बच्चे भी शामिल हैं। अहमदाबाद ग्रामीण के एसपी ने इस दुर्घटना में मौतों की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि यह घटना राजकोट-अहमदाबाद राजमार्ग पर बगोदरा गांव के पास उस समय हुई जब लोगों का एक समूह पड़ोसी सुरेंद्रनगर जिले के चोटिला से अहमदाबाद लौट रहा था।

दुर्गा स्टॉलिन ने चढ़ाया 14 लाख का मुकुट

गुरुवायूर। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टॉलिन की पत्नी दुर्गा स्टालिन ने केरल के गुरुवायूर में भगवान श्रीकृष्ण के मंदिर में सोने का मुकुट दान किया। इसकी कीमत 14 लाख रुपए है। यह मुकुट सोने के 32 सिक्कों से बना है।

मणिपुर मुद्दे पर केंद्र पर बरसे राहुल
शांति बहाली नहीं चाहते मोदी

■ विंध्यवासिनी त्रिपाठी

नई दिल्ली, 11 अगस्त (देशबन्धु)। मणिपुर मामले को लेकर मोदी सरकार के खिलाफ आए अविश्वास प्रस्ताव के गिर जाने के दूसरे दिन कांग्रेस नेता राहुल गांधी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमलावर रहे। आरोप लगाया कि मणिपुर जल रहा है। लेकिन प्रधानमंत्री मणिपुर की सुध लेने के बजाय सदन में चुटकुले सुनाकर हस रहे हैं। शुक्रवार को आयोजित संवाददाता सम्मेलन में उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी पर हमला करते हुए कहा,कल संसद में उन्होंने 2 घंटे 13 मिनट का भाषण दिया। लेकिन दो मिनट की खानापूर्ति के अलावा मणिपुर पर कोई समय नहीं दिया। उलटे वे उसका मजाक उड़ा रहे थे। वहां महिलाओं के साथ बलात्कार हुआ। हत्याएं हुई और बच्चों तक को मार दिया गया। अविश्वास प्रस्ताव पर बोलते हुए मणिपुर का जिक्र करने के बजाय सदन में हस रहे थे। चुटकुले सुना रहे थे। प्रधानमंत्री को ऐसा शोभा नहीं देता है। भारत माता की हत्या वाले बयान पर कहा कि उन्होंने सदन में यह यूं ही नहीं कह दिया था कि मोदी व अमित शाह ने भारत माता की हत्या कर दी। मणिपुर दौरे पर उनसे मैतेई इलाके में कहा गया कि अगर उनकी सुरक्षा में कोई कूकी आया तो उसकी हत्या कर देंगे।

- **मणिपुर में हो रहा है रेप, प्रधानमंत्री संसद में हस रहे**

प्रधानमंत्री मणिपुर को जलाना चाहते हैं, बचाना नहीं : राहुल गांधी

दो दिनों में सेना सब रोक सकती

राहुल ने कहा कि प्रधानमंत्री मणिपुर जा नहीं सकते, तो कम से कम बोलें तो सही। मेरा पूरा भरोसा है कि सेना दो दिनों में सब रोक सकती है। लेकिन प्रधानमंत्री मणिपुर को जलाना चाहते हैं,वे आग बुझाना नहीं चाहते। पहली बार संसद में भारत माता शब्द हो हटाया गया। ये अपमान है। अब आप भारत माता शब्द संसद में नहीं बोल सकते।

नफरती भाषण व अपराध स्वीकार्य नहीं : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 11 अगस्त (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने यह देखते हुए कि समुदायों के बीच सद्भाव और सौहार्द होना चाहिए, शुक्रवार को केंद्र से नफरत भरे भाषण के मामलों को देखने के लिए एक समिति गठित करने को कहा। शीर्ष अदालत हरियाणा सहित कई राज्यों में रैलियों के दौरान एक विशेष समुदाय के सदस्यों की हत्या और उनके सामाजिक और आर्थिक बहिष्कार का आह्वान करने वाले कथित घोर घृणास्पद भाषणों पर एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी। हरियाणा में हाल ही में सांप्रदायिक झड़पों में छह लोगों की जान चली गई थी। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति एसवीएन भट्टी की पीठ ने केंद्र की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल केएम नटराज को सरकार से निर्देश लेने और 18 अगस्त तक समिति के बारे में सूचित करने को कहा। पीठ ने कहा, समुदायों के बीच सद्भाव और सौहार्द होना चाहिए। सभी समुदाय जिम्मेदार हैं। नफरत फैलाने वाले भाषणों की समस्या अच्छी नहीं है और कोई भी इसे स्वीकार नहीं कर सकता है। शीर्ष अदालत ने याचिकाकर्ता को वीडियो सहित सभी सामग्री एकत्र करने और उसके 21

अक्टूबर, 2022 के फैसले के अनुसरण में नियुक्त नोडल अधिकारियों को सौंपने का भी निर्देश दिया। पत्रकार शाहीन अब्दुल्ला द्वारा दायर आवेदन में शीर्ष अदालत के दो अगस्त के आदेश का हवाला दिया गया। आदेश में कहा गया है, हम उम्मीद और विश्वास करते हैं कि

- **केंद्र सरकार को ऐसे मामले रोकने के लिए समिति बनाने का दिया आदेश**
- **शीर्ष अदालत ने कहा, समुदायों के बीच सद्भाव व सौहार्द होना चाहिए**

राज्य सरकारें और पुलिस यह सुनिश्चित करेगी कि पहचान के बावजूद किसी भी समुदाय के खिलाफ कोई घृणास्पद भाषण न दिया जाए और कोई शारीरिक हिंसा या संपत्तियों को नुकसान न हो। यह देखते हुए कि नफरत फैलाने वाले भाषण माहौल को खराब करते हैं। शीर्ष अदालत ने कहा था कि जहां भी आवश्यक हो पर्याप्त पुलिस बल या अर्धसैनिक बल तैनात किया जाए।

नूंह हिंसा की सुनवाई हाईकोर्ट चीफ जस्टिस करेंगे

चंडीगढ़,11 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा के नूंह हिंसा मामले में पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट की जस्टिस अरुण पल्ली पर आधारित डिवीजन बेंच ने सुनवाई से इनकार कर दिया है। अब इस मामले की सुनवाई हाईकोर्ट की चीफ जस्टिस कोर्ट में होगी। वहीं हरियाणा सरकार की और से सुनवाई के दौरान एडिशनल ऐजी दीपक सबरवाल पेश हुए। उन्होंने सरकार का पक्ष रखते हुए कहा कि नूंह में जो बुलडोजर की कार्रवाई हुई थी, वह नियमों के तहत हुई थी। हाईकोर्ट ने उस पर कोई रोक नहीं लगाई थी। उन्होंने कहा कि नूंह और गुरुग्राम में बुलडोजर की कार्रवाई सरकार आगे भी जारी रखेगी।

- **जस्टिस अरुण पल्ली की बेंच का इनकार**
- **सरकार बोली, नियमों के तहत बुलडोजर चलाया**

अधीर रंजन, राघव व संजय सिंह सदन से निलंबित

नई दिल्ली, 11 अगस्त (एजेंसियां)। अविश्वास प्रस्ताव पर लोकसभा में चर्चा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बारे में अपशब्दों का इस्तेमाल करने पर सदन में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी को सदन से निलंबित किया गया था। अधीर का मामला भी सदन की प्रिविलेज कमेटी को भेज दिया गया है। वहीं आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा को शुक्रवार को लिए गए एक महत्वपूर्ण निर्णय में राज्यसभा से सस्पेंड कर दिया गया। वहीं आप के पहले से निलंबित राज्यसभा सांसद संजय सिंह का निलंबन भी बढ़ा दिया गया है। राज्यसभा सभापति के मुताबिक दोनों सांसद विशेषाधिकार समिति की रिपोर्ट आने तक निलंबित रहेंगे।

- **मोदी के बारे में अपशब्द बोलने पर अधीर रंजन पर हुई कार्रवाई**

संसद *23 दिनों तक संचालित मानसून सत्र का हुआ समापन*

लोकसभा में 45 व राज्यसभा में 63 प्रतिशत कामकाज

नई दिल्ली, 11 अगस्त (एजेंसियां)। शुक्रवार को संसद के दोनों सदनों को अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दिया गया। इसके साथ ही मानसून सत्र समाप्त हो गया। इसके बाद एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि 23 दिनों तक चले सत्र के दौरान कुल 17 बैठकें हुईं। उन्होंने कहा कि लोकसभा की उत्पादकता करीब 45 फीसदी और राज्यसभा की 63 फीसदी है।

मणिपुर की स्थिति पर चर्चा और सदन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बयान की मांग को लेकर विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण दोपहर के भोजन से पहले के सत्र में उच्च सदन की कार्यवाही दो बार स्थगित की गई।

केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री प्रल्हाद जोशी ने बताया कि लोकसभा में कुल 22 विधेयक पारित किए गए, राज्यसभा में 25 विधेयक और दोनों सदनों में 23 विधेयक पारित किए गए। इसके अलावा आईपीसी (दंड प्रक्रिया संहिता) को बदलने के लिए गृह मंत्रालय के तीन विधेयक (सीआरपीसी), और भारतीय साक्ष्य अधिनियम को संसद की स्थायी समिति को भेजा गया है। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि राजनीतिक कारणों से विपक्ष ने दिल्ली सेवा विधेयक के अलावा किसी भी अन्य बिल पर चर्चा में भाग नहीं लिया।

- **मानसून सत्र के दौरान हुई 17 बैठकें**
- **लोकसभा में 22 व राज्यसभा में हुए 25 विधेयक पारित**

वैसे, राज्यसभा में लगभग सभी विधेयकों पर चर्चा हुई। वहीं, अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा में कुल 60 सदस्यों ने भाग लिया। एनडीए ने लोकसभा में ध्वनि मत से अविश्वास प्रस्ताव को आसानी से मात दी। दरअसल, विपक्ष ने 26 जुलाई को पीएम मोदी सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश किया था, जिसे लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने स्वीकार कर लिया था। अविश्वास प्रस्ताव मणिपुर हिंसा को लेकर लाया गया था, जिसपर सत्ता पक्ष और विपक्षी गठबंधन के बीच तीखी बहस देखी गई। यह दूसरी बार है जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अविश्वास प्रस्ताव का सामना करना पड़ा है।

देश

उवाच “ पूरी दुनिया भारत की उपलब्धियों से आश्चर्यचकित है। प्रत्येक नागरिक को इस पर गर्व होना चाहिए। उन्होंने कहा, राष्ट्र को सर्वप्रथम रखो और देश की उपलब्धियों पर गर्व करो।' ऐसी परिस्थिति में, इतनी बड़ी उपलब्धियां हैं, देश के हर नागरिक के पसीने से वह उपलब्धियां है, उसकी किरकिरी नहीं करनी चाहिए:- **जगदीप धनखड़ उप राष्ट्रपति**

तापमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली	35.4	27.7
मुंबई	31.6	26.2
कोलकाता	34.9	25.8
चेन्नई	33.5	25.2

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने मोदी सरकार पर लगाया आरोप, कहा

चुनाव आयोग पर नियंत्रण सुनिश्चित करना चाहती है सरकार

नई दिल्ली, 11 अगस्त (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि मोदी के नेतृत्व में केंद्र चुनावी वर्ष में चुनाव आयोग पर नियंत्रण सुनिश्चित करना चाहता है। उन्होंने भाजपा नेता एल.के. आडवाणी का एक पत्र साझा किया, जिसमें उन्होंने तत्कालीन प्रधान मंत्री मनमोहन सिंह से कहा कि 'पक्षपात की किसी भी धारणा को दूर करने के लिए संवैधानिक निकायों में नियुक्तियां द्विदलीय तरीके से की जानी चाहिए। कांग्रेस के प्रभारी महासचिव रमेश ने एक ट्वीट में कहा, 'देश में एक राय तेजी से बढ़ रही है, जो मानती है कि चुनाव आयोग जैसे संवैधानिक निकायों में नियुक्तियां द्विदलीय आधार पर की जानी चाहिए।

यह 2 जून 2012 को तत्कालीन प्रधान मंत्री मनमोहन सिंह को लिखे गए आडवाणी के पत्र के दूसरे पैराग्राफ का

एक अंश है। आप यह पत्र अभी भी भाजपा की वेबसाइट पर पा सकते हैं।' सरकार की आलोचना करते हुए, 'सीईसी और चुनाव आयुक्तों का चयन करने के लिए, उन्होंने जिस समिति का प्रस्ताव रखा, उसमें सीजेआई के साथ-साथ संसद के दोनों सदनों के विपक्ष के नेता शामिल थे। मोदी सरकार द्वारा लाया गया सीईसी विधेयक न केवल आडवाणी के प्रस्ताव के खिलाफ है, बल्कि यह 2 मार्च, 2023

'देश में एक राय तेजी से बढ़ रही है, जो मानती है कि चुनाव आयोग जैसे संवैधानिक निकायों में नियुक्तियां द्विदलीय आधार पर की जानी चाहिए। यह 2 जून 2012 को तत्कालीन प्रधान मंत्री मनमोहन सिंह को लिखे गए आडवाणी के पत्र के दूसरे पैराग्राफ का एक अंश है:-जयराम रमेश, कांग्रेस नेता

को पांच न्यायाधीशों की संवैधानिक पीठ के फैसले के विपरीत है, जिसमें कहा गया था, 'एक संवैधानिक निकाय के रूप में चुनाव आयोग के कामकाज में स्वतंत्रता के लिए मुख्य चुनाव आयुक्तों के साथ-साथ अन्य चुनाव आयुक्तों को भी कार्यकारी हस्तक्षेप सेस्वतंत्र होना होगा।' रमेश ने कहा, 'अपने वर्तमान स्वरूप में, सीईसी विधेयक समिति के 2.1 प्रभुत्व से कार्यकारी हस्तक्षेप सुनिश्चित करेगा। चुनावी वर्ष में मोदी सरकार की ओर से यह विचार इस बात को और मजबूत करता है कि मोदी चुनाव आयोग पर नियंत्रण सुनिश्चित करना चाहते हैं।' गौरतलब है कि केंद्र ने गुरुवार को राज्यसभा में एक विवादास्पद विधेयक पेश किया, जिसमें मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों के चयन के लिए पैनल में भारत के मुख्य न्यायाधीश की जगह एक कैबिनेट मंत्री को शामिल करने का प्रावधान है। कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल नए सीईसी विधेयक का विरोध कर रहे हैं।

'मन की बात' तो प्रधानमंत्री करते हैं, मैं तो 'दिल की बात' करता हूं: मल्लिकार्जुन खड़गे

नई दिल्ली। राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ को शुक्रवार को बतौर उप-राष्ट्रपति एक वर्ष पूरा हो गया। इसके लिए उन्हें राज्यसभा सांसदों व नेता सदन पीयूष गोयल ने बधाई दी। इस बीच शुक्रवार को जगदीप धनखड़ और नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बीच 'दिल की बात' और 'मन की बात' को लेकर संक्षिप्त लेकिन दिलचस्प चर्चा हुई। मल्लिकार्जुन खड़गे उन सांसदों की विदाई पर बोलने के लिए खड़े हुए थे, जिन सांसदों का कार्यकाल पूरा हो रहा है। इस दौरान खड़गे ने कहा कि कई सांसदों को अपने क्षेत्र राज्य या फिर 'दिल की बात' कहने का अवसर नहीं मिल पाता। खड़गे को टोकते हुए सभापति ने कहा कि 'दिल की बात' हो या फिर 'मन की बात' दोनों कहने का अवसर मिलना चाहिए। सभापति अपनी बात पूरी कह पाते, इससे पहले ही खड़गे ने कहा कि नहीं साहब 'मन की बात' तो प्रधानमंत्री मोदी करते हैं मैं तो 'दिल की बात' करता हूं। इस पर सभापति ने खड़गे से कहा कि चलो 'मन की बात दिल से, यह मीटिंग राउंड है।' नेता प्रतिपक्ष ने सभापति को तपाक से उत्तर देते हुए कहा, नहीं दिल अलग है और मन अलग है। खड़गे का उत्तर सुनने के बाद सभापति ने मुस्कुराते हुए कहा कभी तो आप मुझे भी पॉइंट्स स्कोर करने का मौका दें। जवाब में खड़गे ने कहा, 'आप तो हमेशा स्कोर करते हैं, बस कभी-कभी मणिपुर जैसे मुद्दे आते हैं तो वह हमको, आपसे जरा अलग कर देते हैं। आप उधर (सत्तापक्ष) की ओर ज्यादा देखते हैं, इधर (विपक्ष की ओर) ज्यादा नहीं देखते।'

वेणुगोपाल ने राजस्थान के नेताओं से एकजुट होकर विधानसभा चुनाव लड़ने की अपील की

जयपुर। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल और वरिष्ठ पर्यवेक्षक मधुसूदन मिस्त्री ने शुक्रवार को विधानसभा चुनाव पर चर्चा के लिए राजस्थान के नेताओं के साथ बैठक की। सूत्रों ने कहा कि राजनीतिक मामलों की समिति की बैठक के दौरान कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने राज्य के नेताओं को एकजुट होकर चुनाव लड़ने और जमीन पर सक्रिय रहने का निर्देश दिया है। वरिष्ठ नेताओं ने चुनाव पर्यवेक्षक समिति के साथ पहली बैठक की और विधानसभा चुनाव की व्यवस्था और तैयारियों पर चर्चा की। सूत्रों ने कहा कि समिति में गहन विचार-विमर्श के बाद निर्णय लिए जाएंगे, जिसमें लगभग 35 नेता शामिल हैं। बैठक की अध्यक्षता प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने की। कमेटी में राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, पीसीसी चीफ गोविंद सिंह रंधावा, पूर्व पीसीसी चीफ सचिन पायलट भी शामिल हैं।

संसद से

मानसून सत्र के दौरान लोकसभा की कार्य उत्पादकता 45 प्रतिशत रहीः ओम बिरला

नई दिल्ली, 11 अगस्त (एजेंसियां)। मानसून सत्र के दौरान विपक्षी दलों के हंगामे और नारेबाजी के कारण लोकसभा में सिर्फ 45 प्रतिशत कामकाज ही हो पाया है। शुक्रवार को सदन की कार्यवाही को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया। सदन की कार्यवाही को अनिश्चित काल के लिए स्थगित करने से पहले सदन में सत्र के दौरान हुए कामकाज की जानकारी देते हुए लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने बताया कि 20 जुलाई से प्रारंभ हुए मानसून सत्र के दौरान लोकसभा में 17 बैठकें हुई, जो लगभग 44 घंटे 15 मिनट तक चली। मानसून सत्र में गौरव गोगोई द्वारा अविश्वास प्रस्ताव पेश किया गया, जिस पर 8, 9 और 10 अगस्त को चर्चा हुई। अविश्वास प्रस्ताव पर सदन में 19 घंटे 59 मिनट तक चर्चा हुई, 60 सदस्यों ने चर्चा में भाग लिया और यह अविश्वास प्रस्ताव अस्वीकृत हुआ। उन्होंने कहा कि सत्र में 20 सरकारी विधेयक पेश किए गए और बहुराज्य सहकारी सोसाइटी (संशोधन) विधेयक -2023, डिजिटल वैयक्तिक डाटा संरक्षण विधेयक-2023, राष्ट्रीय परिचर्या और प्रसूति विद्या आयोग विधेयक -2023, राष्ट्रीय दंत चिकित्सा आयोग विधेयक - 2023, जन विश्वास (उपबंधों का संशोधन) विधेयक -2023, दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी राज्यक्षेत्र शासन (संशोधन) विधेयक -2023 और अंतर-सेना संगठन (कमान, नियंत्रण और अनुशासन) विधेयक- 2023 समेत 22 विधेयक पारित हुए। बिरला ने आगे कहा कि सत्र के दौरान 50 तारांकित प्रश्नों के मौखिक उत्तर दिए गए। शेष तारांकित प्रश्नों के उत्तर सभा पटल पर रखे गए। 9 अगस्त, 2023 को सभी 20 तारांकित प्रश्नों के मौखिक उत्तर दिए गए। नियम 377 के अधीन 369 मामले लिए गए। लोकसभा की विभागों से संबद्ध स्थायी समितियों ने सभा में 65 प्रतिवेदन प्रस्तुत किए। निदेश 73 के अधीन 45 वक्तव्य, सरकारी कार्य के बारे में संसदीय कार्य मंत्री द्वारा 3 वक्तव्य, नियम 372 के अधीन एक 'सुओ मोटो स्टेट्मेंट' तथा उत्तर में शुद्धि करने वाले एक वक्तव्य सहित कुल 50 वक्तव्य दिए गए।

विदेश मंत्री एस जयशंकर समेत राज्यसभा के 9 सांसदों का कार्यकाल पूरा

नई दिल्ली। संसद के ऊपरी सदन यानी राज्यसभा में 9 सांसदों का कार्यकाल समाप्त हो रहा है। शुक्रवार को मानसून सत्र के अंतिम दिन इन सभी नौ सांसदों को राज्यसभा ने विदाई दी। जिन सांसदों का कार्यकाल समाप्त हो रहा है उनमें विदेश मंत्री एस जयशंकर भी शामिल हैं। हालांकि इस कार्यकाल के तुरंत बाद एक नए कार्यकाल के तौर पर उनका राज्यसभा में आना तय है। विदेश मंत्री जयशंकर के अलावा दिनेश चंद्र जेमलभाई अनावादिया और लोखंडवाला जुगलसिंह माथुरजी तीन भाजपा सांसद हैं जिनका कार्यकाल 18 अगस्त को समाप्त हो रहा है। वहीं तृणमूल कांग्रेस के सांसद डेरेक ओ ब्रायन, डोला सेन, सुष्मिता देव, शांता छेत्री और सुखेंदु शेखर रे का भी कार्यकाल समाप्त हो रहा है। इनके अलावा कांग्रेस सांसद प्रदीप भट्टाचार्य का कार्यकाल भी 18 अगस्त को समाप्त हो रहा है। इनमें से विदेश मंत्री एस जयशंकर, तृणमूल सांसद डेरेक ओ ब्रायन, शुभेंदु शेखर रे व डोला सेन का दुबारा राज्यसभा में पहुंचना तय है।

अमित शाह ने आईपीसी, सीआरपीसी और इंडियन एविडेंस एक्ट की जगह लेने वाले तीन विधेयकों को किया पेश

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को लोक सभा में 1860 में बने आईपीसी, 1898 में बने सीआरपीसी और 1872 में बने इंडियन एविडेंस एक्ट को गुलामी की निशानी बताते हुए इन तीनों विधेयकों की जगह लेने वाले तीन नए विधेयकों-भारतीय न्याय संहिता विधेयक-2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता विधेयक-2023 और भारतीय साक्ष्य विधेयक 2023 को पेश किया। शाह के अनुरोध पर तीनों बिलों को स्टैंडिंग कमेटी को भेज दिया गया है। शाह ने इन तीनों बिलों को सदन में पेश करते हुए कहा कि ब्रिटिश काल में अंग्रेजों की संसद द्वारा बनाए गए कानूनों का उद्देश्य दंड देना था जबकि इन तीनों बिलों का उद्देश्य न्याय देना है। उन्होंने कहा कि इसमें राजद्रोह के प्रावधान को खत्म कर दिया गया है, महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा का खास ध्यान रखा गया है, नाम बदल कर यौन शोषण करने वालों के खिलाफ सजा का प्रावधान किया गया है, दोषियों की संपत्ति कुर्की का प्रावधान किया गया है, सजा माफी को लेकर भी नियम बनाया गया है। पुलिस, अदालत और वकीलों की जवाबदेही सुनिश्चित की गई है।

अगर कुछ नहीं हो सकता है तो कम से कम 'सांड सफारी' ही बना लें: अखिलेश यादव

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने विधानसभा में आवारा पशुओं के मुद्दे को उठाया। उन्होंने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि अगर कुछ नहीं हो सकता है तो कम से कम 'सांड सफारी' ही बना लें। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने शुक्रवार को विधानसभा में आवारा पशुओं के मुद्दे पर सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि लायन सफारी को ठीक नहीं कर पाए। आप इस पर काम क्यों नहीं कर रहे हैं। क्या आपके पास बजट की कमी है। उन्होंने कहा कि ऐसा कोई जिला नहीं बचा, जहां पर सांड से किसी की जान न गई होगी। संभल, मुरादाबाद, चंदौसी, हसनपुर और कितने नाम बताऊं आपको, जहां सांड के हमले से जान न गई हो। अगर कुछ नहीं हो सकता है तो कम से कम सांड सफारी ही बना लें।

सार संक्षेप

जो नतीजा बिहार में हुआ, वही देश में होगा : तेजस्वी यादव

पटना। बिहार के उप मुख्यमंत्री और राजद नेता तेजस्वी यादव ने शुक्रवार को भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मणिपुर की घटना पर आड़े हाथों लेते हुए कहा कि ये सभी लोग डरे और घबराए हुए हैं। उन्होंने दावा करते हुए कहा कि जो नतीजा बिहार में हुआ वही पूरे देश में होगा। पटना में पत्रकारों से चर्चा करते हुए तेजस्वी यादव ने कहा कि अविश्वास प्रस्ताव पर गुरुवार को लोकसभा में प्रधानमंत्री ने जो भाषण दिया, उससे लोगों को घोर निराशा हुई है। उन्होंने कहा कि लोगों को आशा थी कि प्रधानमंत्री सही बात करेंगे, लेकिन वे विपक्ष पर ही निशाना साधते रहे।

'कैश फॉर पोस्टिंग' मामले में कलकत्ता हाईकोर्ट ने सीबीआई को जांच जारी रखने का आदेश दिया

कोलकाता। कलकत्ता हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति अभिजीत गंगोपाध्याय की एकल न्यायाधीश पीठ ने शुक्रवार को सीबीआई को निर्देश दिया कि वह प्राथमिक शिक्षकों को उनकी पसंद के राज्य संचालित स्कूलों और उनके मूल जिलों में नियुक्ति सुनिश्चित करने के बदले रुपए देने के आरोपों पर अपनी जांच जारी रखे। पीठ ने मामले में मनी-ट्रेल एंगल का पता लगाने के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को भी जांच में शामिल करने का निर्देश दिया है। न्यायमूर्ति गंगोपाध्याय ने कहा कि यदि आवश्यक हो तो केंद्रीय एजेंसी के अधिकारियों को उन 350 प्राथमिक शिक्षकों को भी एकीकृत करना चाहिए जिनके नाम इस मामले में सामने आए हैं। इससे पहले, उसी एकल-न्यायाधीश पीठ के निर्देश के बाद सीबीआई अधिकारियों ने इस मामले में पश्चिम बंगाल बोर्ड ऑफ प्राइमरी एजुकेशन (डब्ल्यूबीबीपीई) के पूर्व अध्यक्ष माणिक भट्टाचार्य से पूछताछ की थी।

रॉबर्ट वाड्रा ने स्मृति ईरानी पर साधा निशाना, कहा - देश पहले आपकी डिग्रियां देखना चाहता है

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी पर निशाना साधते हुए कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी के पति रॉबर्ट वाड्रा ने कहा है कि उन्हें संसद में उनके नाम का दुरुपयोग करना बंद कर देना चहिए। उन्होंने स्मृति ईरानी पर पलटवार करते हुए कहा कि देश आपकी डिग्रियां और गोवा रेस्तरां मामले में क्या हुआ जानना चाहता है। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी के दामाद रॉबर्ट वाड्रा ने एक फेसबुक पोस्ट में कहा, 'स्मृति ईरानी जी आप संसद में मेरे नाम का दुरुपयोग करना बंद करें। मैं आपको चुनौती देता हूं कि आप मेरे खिलाफ सबूत दें।' वाड्रा ने ईरानी पर निशाना साधते हुए कहा कि मुझ पर उंगली उठाने से आपकी कमियां छिप नहीं सकतीं, याद रखें जब आप ऐसा करते हैं तो आपकी बाकी उंगलियां आपकी तरफ उठती हैं, आपके और आपके परिवार के साथ कई और विवाद जुड़े हुए हैं।

नीतीश का मोदी पर निशाना, कहा संसद का सत्र चलता रहता है और वे बाहर घूमते रहते हैं

पटना, 11 अगस्त (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गुरुवार को लोकसभा में विरोधियों पर निशाना साधे जाने पर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शुक्रवार को पलटवार करते हुए कहा कि संसद का सत्र चलता रहता है और वे बाहर घूमते रहते हैं। केंद्र सरकार पर सियासी हमला बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इनके द्वारा कहीं कुछ काम नहीं हो रहा है, सिर्फ प्रचार प्रसार का काम हो रहा है। पटना में पत्रकारों से चर्चा करते हुए उन्होंने भाजपा का नाम लिए बिना कहा कि इतनी पार्टियां एकजुट हो रही हैं तो अब इनको तो परेशानी होगी ही। उन्होंने कहा कि विपक्ष का अधिकार है अपनी बात रखने का। उन्होंने विपक्षी गठबंधन पर कहा कि पटना से शुरू हुआ है अब इसकी तीसरी बैठक होनी है, जिसमें मिलकर आगे क्या होना चाहिए, किस तरह से इस देश के विकास के लिए काम होना चाहिए, यह तय किया जाएगा। मुंबई की बैठक में कौन कहां से लड़ेंगे, सब कुछ तय हो जाएगा। अब वे परेशान हो रहे तो इसमें हमलोग क्या कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा बिहार से साफ हो जाएगी। उन्होंने दावा करते हुए कहा कि

संसद का सत्र चलता रहता है और वे बाहर घूमते रहते हैं। इनके द्वारा कहीं कुछ काम नहीं हो रहा है, सिर्फ प्रचार प्रसार का काम हो रहा है:- नीतीश कुमार, मुख्यमंत्री बिहार

विपक्षी दलों का गठबंधन देशहित में है। उन्होंने कहा कि हमलोग काम कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने विशेष राज्य का दर्जा का मामला उठाते हुए कहा कि यह मिलता तो और ज्यादा विकास होता। उन्होंने साफ लहजे में कहा कि 2020 में एजेंट को खड़ा कर हमको हरवाया था और आज लोग कह रहे हैं कि तीसरे नंबर को पार्टी बन गई। उन्होंने कहा कि इस बार चुनाव में सब साफ हो जाएगा।

केरल हाईकोर्ट ने राज्य फिल्म पुरस्कारों को चुनौती देने वाली याचिका खारिज की

कोच्चि, 11 अगस्त (एजेंसियां)। केरल हाईकोर्ट ने शुक्रवार को मलयालम फिल्म निर्देशक एमजे लिजीश द्वारा 2022 के केरल राज्य फिल्म पुरस्कारों को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी। अदालत ने याचिका को 'तुच्छ' करार दिया और इसे खारिज कर दिया। अदालत ने यह देखने के बाद याचिका खारिज की कि दलीलें अपर्याप्त थीं और फिल्म निर्देशक द्वारा लगाए गए भाई-भतीजावाद और पूर्वाग्रह के आरोपों को साबित करने के लिए सबूतों की कमी थी। लिजीश मलयालम फिल्म 'आकाशाथिनु थाझें' के निर्देशक हैं, जिसने पुरस्कारों के लिए भी प्रतिस्पर्धा की थी। उन्होंने दावा किया कि भाई-भतीजावाद और जूरी के पक्षपात के कारण उन्होंने फिल्म के लिए कोई पुरस्कार नहीं जीता। उनकी याचिका में यह भी बताया गया कि इसी तरह के आरोप एक अन्य फिल्म निर्देशक विजयन ने भी लगाए थे, जिन्होंने कहा था कि उनके पास राज्य पुरस्कारों के जूरी सदस्यों के खिलाफ सबूत हैं जो उनकी

अदालत ने याचिका को 'तुच्छ' करार दिया

ओर से पक्षपात और भाई-भतीजावाद साबित कर सकते हैं। याचिकाकर्ता ने दावा किया कि उनकी फिल्म को नजरअंदाज करके चलचित्र अकादमी ने संविधान के अनुच्छेद 14 के तहत प्रदत्त उनके समानता के अधिकार का उल्लंघन किया है। इसलिए, उन्होंने 2022 के पुरस्कारों को रद्द करने के लिए हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया।

उन्होंने अदालत से राज्य सरकार और केरल राज्य पुलिस प्रमुख को जांच करने और फिल्म निर्देशक रंजीत बालाकृष्णन, जो केरल चलचित्रा अकादमी के वर्तमान अध्यक्ष हैं, के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश देने की भी मांग की थी।

'कर्नाटक में ठेकेदार बनाम कांग्रेस सरकार' सिद्दारमैया ने कहा, हम लिटमस टेस्ट करेंगे पास

बेंगलुरु, 11 अगस्त (एजेंसियां)। कर्नाटक में ठेकेदारों और कांग्रेस सरकार के बीच रस्साकशी बढ़ती जा रही है। सरकार ने पिछली भाजपा सरकार के दौरान बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच होने तक ठेकेदारों के बिलों को रोकने का फैसला किया है। मुख्यमंत्री सिद्दारमैया ने शुक्रवार को कहा कि उनकी सरकार अग्निपरीक्षा में सफल होगी। मुख्यमंत्री ने एक्स पर लिखा, 'हम अपने ऊपर लगे आरोपों को चुनौती के तौर पर लेंगे। हम यह लिटमस टेस्ट जीतेंगे और लोगों के सामने साबित करेंगे कि हमारी सरकार न केवल एक अच्छी सरकार है, बल्कि पारदर्शी, जन-समर्थक और उत्कृष्ट सरकार है।' सिद्दारमैया ने बताया कि चुनाव से पहले पार्टी ने राज्य की पिछली बीजेपी सरकार के भ्रष्टाचार और घोटालों की जांच कराने का आश्वासन दिया था। राज्य की जनता ने वादे पर भरोसा जताया और भाजपा के

भाजपा सरकार के कार्यकाल में बिना काम कराए बिल ले लिए गए या फिर पुराने काम या फिर आधे-अधूरे काम के भी बिल ले लिए गए। न्यायिक जांच हो रही है:-सिद्दारमैया, मुख्यमंत्री कर्नाटक

भ्रष्टाचार, कमीशनखोरी और टैक्स के पैसे की लूट के खिलाफ वोट दिया और कांग्रेस के 135 उम्मीदवारों को जीत दिलाई। उन्होंने कहा, 'अपनी बात रखना हमारा कर्तव्य है और भाजपा के 40 फीसदी कमीशन घोटाले की न्यायिक जांच सेवानिवृत्त न्यायाधीश बी. वीरप्पा को सौंपी गई है।' उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में बिना काम कराए बिल ले लिए गए या फिर पुराने काम या फिर आधे-अधूरे काम के भी बिल ले लिए गए। न्यायिक जांच हो रही है। जांच रिपोर्ट से पहले बिल जारी करना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि ठेकेदारों को डरने की जरूरत नहीं है।

कर्नाटक के डिप्टी सीएम ने पूछा, 'बीजेपी ने ठेकेदारों के बिल क्यों नहीं चुकाए?'

बेंगलुरु। ठेकेदारों के बिल जारी करने को लेकर विवाद के बाद कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने शुक्रवार को भाजपा नेताओं से पूछा कि जब वे राज्य में सत्ता में थे तो उन्होंने उनके बिलों का भुगतान क्यों नहीं किया। भाजपा ठेकेदारों का भुगतान जारी करने के लिए सरकार के खिलाफ उनका समर्थन कर रही है। उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने कहा, 'पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई और पूर्व मंत्री आर. अशोक ने राज्य में सत्ता में रहते हुए बिल को मंजूरी क्यों नहीं दी? उन्हें भुगतान देने से किसने रोका? क्या उनके पास धन नहीं था? या फिर काम घटिया था? उन्हें इन सवालों का जवाब देने दीजिए और हम ठेकेदारों को जवाब देंगे।' उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार के सत्ता में आने के बाद राज्य ठेकेदार संघ के अध्यक्ष डी. केम्पन्ना के आरोपों के बाद सीएम ने किए गए कार्यों का पता लगाने को कहा है। उन्होंने कहा, बीजेपी नेताओं ने भी जांच की गुहार लगाई थी।

दर्द *24 साल बाद भी साल रहा है दर्द करगिलवासियों को अनफूटे गोलों का*

कश्मीर में भी 16 सालों में 350 से अधिक की जान ले चुके हैं अनफूटे विस्फोटक

सुरेश एस डुग्गर

जम्मू, 11 अगस्त (देशबन्धु)। करीब 24 साल पहले हुए करगिल युद्ध के दौरान पाकिस्तान द्वारा जब करगिल कस्बे को बमों की बौछार से पाट दिया गया था तो उनसे बचने की खातिर करगिलवासियों ने कस्बे को खाली कर दिया था। तब दागे गए और अनफूटे बम अब भी करगिलवासियों को दर्द दे रहे हैं।

इस साल 16 अप्रैल को ऐसे ही एक बम के विस्फोट से एक 13 साल के बच्चे की मौत हो गई थी और दो जख्मी हो गए थे। इस घटना के बाद भी इन अनफूटे बमों का डर इसलिए कम नहीं हो पाया है क्योंकि दो दिनों में 7 ऐसे जिन्दा और अनफूटे बमों की 24 साल के बाद बरामदगी ने दहशत फैला दी है।

दरअसल 16 अप्रैल को करगिल के कुरबाथांग एस्ट्रोटर्फ फुटबाल मैदान के पास एक अनफूटे मोर्टार के विस्फोट में

24 सालों के बाद सात ऐसे अनुफूटे गोले मिलने से करगिलवासियों में अब दहशत का माहौल है क्योंकि उन्हें लगता है कि अभी भी कई इलाकों में ऐसे सैंकड़ों अनफूटे गोले हो सकते हैं

एक बच्चे की मौत के बाद लद्दाख के उपराज्यपाल बीडी मिश्रा द्वारा आदेश दिए जाने के उपरांत इलाके में खोज का कार्य चला तो अभी तक 17 अनफूटे गोले बरामद कर उन्हें नष्ट कर दिया गया था। करगिल युद्ध के 24 सालों के बाद सात ऐसे अनुफूटे गोले मिलने से करगिलवासियों में अब दहशत का माहौल है क्योंकि उन्हें लगता है कि अभी भी कई इलाकों में ऐसे सैंकड़ों अनफूटे गोले हो सकते हैं।

दरअसल करगिल कस्बा पाक सेना की मारक दृष्टि में है। कस्बा नीचे है और पहाड़ी पर पाक सेना काबिज है। ऐसे में 1999 के युद्ध में उसने करगिल को शमशान बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी थी। ऐसे में एक बार फिर करगिल के उन क्षेत्रों में सेना के साथ मिल कर नागरिक प्रशासन तलाशी अभियान चलाने वाला है जहां पाक सेना द्वारा दागे गए गोलों के मिलने की संभावना है और जो इन 24 सालों में फूटे नहीं हैं। यही नहीं कश्मीर वादी में भी मुठभेड़स्थलों पर भी ऐसे अनफूटे विस्फोटक कश्मीरियों की जान के दुश्मन बने हुए हैं जो पिछले 16 सालों में 350 से अधिक की जान ले चुके हैं। अधिकारियों ने इसे माना है कि कश्मीर में भी आतंकियों के साथ होने वाली मुठभेड़ों के बाद पीछे छूटे गोला-बारूद को एकत्र करने की होड़ में मासूम कश्मीरी भी मारे जा रहे हैं। पिछले 16 सालों के भीतर ऐसे गोला-बारूद में हुए विस्फोट 350 जानें ले चुके हैं जबकि कई जख्मी हो चुके हैं और कई जिन्दगी और मौत से जूझ रहे हैं।

16 सालों के अरसे के भीतर ऐसे विस्फोटों में मरने वाले अधिकतर बच्चे ही थे। कुछेक युवक और महिलाएं भी इसलिए मारी गईं क्योंकि बच्चे मुठभेड़ स्थलों से उठा कर लाए गए बमों को तोड़ने का असफल प्रयास घरों के भीतर कर रहे थे। ऐसे विस्फोटों ने न सिर्फ मासूमों को लील लिया बल्कि कई आज भी उस दिन को याद कर सिंहर उठते हैं जब उनके द्वारा उठा कर लाए गए बमों ने उन्हें अपंग बना दिया था।

लड़की : अगर मैं मर जाऊ तो तुम क्या करोगे?
लड़का : मैं भी मर जाऊंगा।
लड़की : पर क्यू?
लड़का : तेरे चक्कर में उधारी इतनी हो गई है कि अब जीना मुश्किल है।

नारायणा के एमसीडी स्कूल में गैस रिसाव से 24 छात्र बीमार

नई दिल्ली, 11 अगस्त (देशबन्धु)। राजधानी दिल्ली के नारायणा इलाके में स्थित एक दिल्ली नगर निगम एमसीडी स्कूल के पास गैस रिसाव की एक घटना के कारण स्कूल के 24 छात्र बीमार पड़ गए। सभी छात्रों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एमसीडी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि 19 छात्रों को राम मनोहर लोहिया आरएमएल अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जबकि बाकी छात्रों को आचार्य श्री भिक्षु अस्पताल भेजा गया। उन्होंने बताया कि स्कूल के पास हुई गैस रिसाव की घटना के कारण छात्र बीमार पड़ गए। सभी छात्र ठीक हैं, दो अस्पतालों में चिकित्सक उनकी देखभाल कर रहे हैं। अधिकारी ने बताया कि नगर निगम के स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी अस्पताल और स्कूल पहुंचे, उनके साथ नगर निगम के शिक्षा विभाग के अफसर भी मौजूद रहे। वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि हम अपने स्तर से भी जांच करेंगे कि यह घटना किस वजह से हुई। बाद में जारी एक बयान में एमसीडी ने कहा कि गैस रिसाव पास के रेलवे ट्रैक पर हुआ था। इसमें कहा गया है कि एमसीडी के स्वास्थ्य विभाग के चिकित्सकों की एक टीम और शिक्षा विभाग के अधिकारी भी स्थिति पर नजर रखे हुए है। उधर, पुलिस ने इस मामले में बताया कि उन्हें इंद्रपुरी स्थित निगम प्रतिभा विद्यालय के कुछ छात्रों के बीमार पड़ने और उल्टी होने की सूचना मिली थी। पश्चिमी दिल्ली पुलिस उपायुक्त विचित्र वीर ने कहा कि अब तक उपलब्ध जानकारी के अनुसार, 24 बच्चों को अस्पताल भेजा गया है। अस्पतालों से नियमित जानकारी ली जा रही है। सभी छात्र अब ठीक महसूस कर रहे हैं। शुरुआती जांच के अनुसार, गैस की गंध कुछ कक्षाओं में फैल गई, जिससे बच्चों को अपनी तबीयत खराब लगने लगी। पुलिस उपायुक्त ने कहा कि गैस की गंध कम हो गई है, लेकिन एहतियातन सभी कक्षाएं खाली करा दी गई हैं। वीर ने कहा कि गंध के स्रोत का पता लगाने के लिए परिसर की आगे की जांच की जा रही है। पास में एक रेलवे ट्रैक है। हालांकि, अभी तक यह पता नहीं चल पाया है कि गंध कहां से आ रही थी। भाजपा दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने आरएमएल अस्पताल में छात्रों से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि न तो छात्र और न ही शिक्षक बता पा रहे हैं कि यह घटना किस कारण से हुई। सचदेवा ने कहा कि एमसीडी को इस मामले की जांच करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अस्पताल में 16 छात्र थे और वे ठीक थे। भाजपा नेता के मुताबिक कि छात्रों ने कहा कि वे अपनी कक्षा में बैठे थे तभी उन्हें बहुत तेज गंध आई जिससे उल्टी हुई और वे बेहोश हो गए।

■ दो अस्पतालों में कराया गया भर्ती

गैस लीक के चलते आरएमएल अस्पताल में भर्ती छात्रों का मेयर ने जाना हलचाल

नई दिल्ली। दिल्ली की मेयर डॉ शैली ओबरॉय ने शुक्रवार को गैस लीक के कारण राम मनोहर लोहिया अस्पताल में भर्ती निगम के 15 विद्यार्थियों का अस्पताल पहुंचकर हाल चाल जाना। अस्पताल प्रबंधन को बेहतर इलाज मुहैया कराने के निर्देश दिए। इसके साथ ही अधिकारियों को मामले की जांच करने के लिए कहा गया है। दिल्ली के नारायणा में रेलवे ट्रैक के पास गैस लीक होने के कारण निगम विद्यालय नारायणा के 24 छात्रों की तबीयत बिगड़ गई थी। इसके बाद उन्हें स्कूल प्रशासन द्वारा राम मनोहर लोहिया अस्पताल व आचार्य भिक्षु अस्पताल में भर्ती कराया गया था। आरएमएल अस्पताल में 15 छात्रों और आचार्य भिक्षुक अस्पताल में 9 छात्रों को भर्ती कराया गया है। मेयर डॉ शैली ओबेरॉय आरएमएल अस्पताल में भर्ती बच्चों से मिलने के लिए अचानक पहुंची। प्रत्येक बच्चे से व्यक्तिगत मुलाकात कर हालचाल जाना। अस्पताल से बाहर आकर मेयर डॉ शैली ओबरॉय ने कहा कि सभी बच्चे स्वस्थ हैं। दो बच्चों को ऑक्सीजन की जरूरत पड़ी थी, लेकिन अब वह भी पूरी तरह से ठीक हैं। उन्होंने कहा कि छात्रों को अचानक से अजीब गंध आयी और मन खराब होने लगा। कुछ बच्चों को उल्टी होने लगी तो तत्काल उन्हें अस्पताल लाया गया। छात्रों की बेहतर देखभाल के लिए अभी अस्पताल में रखा गया है। निगम प्रशासन सभी बच्चों व उनके अभिभावकों के साथ खड़ा है। निगम स्वास्थ्य विभाग के डॉक्टरों की टीम और शिक्षा विभाग के अधिकारी भी स्थिति पर नजर रखने के लिए अस्पताल में मौजूद हैं। गैस लीकेज क्यों हुआ, कहां से हुआ, इसपर व्यापक जांच के निर्देश दिए जा चुके हैं।

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने अस्पताल में भर्ती एमसीडी स्कूल के छात्रों का हाल चाल जाना

नई दिल्ली। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने शुक्रवार को राम मनोहर लोहिया अस्पताल का दौरा किया और एमसीडी प्राइमरी स्कूल, इंद्रपुरी के छात्रों से मुलाकात की, जिनकी स्कूल में अचानक तबीयत खराब हो गई थी। एमसीडी में विपक्ष के नेता सरदार राजा इकबाल सिंह और दिल्ली भाजपा उपाध्यक्ष योगिता सिंह भी प्रदेश अध्यक्ष के साथ उपस्थित थे। राष्ट्रीय प्रवक्ता सरदार आर.पी. सिंह आचार्य भिक्षु अस्पताल में भर्ती कुछ अन्य बीमार छात्रों से मिले। बीमार छात्रों से मिलने के बाद वीरेंद्र सचदेवा ने आरएमएल अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक से बात की और छात्रों को सर्वोत्तम उपचार उपलब्ध कराने का अनुरोध किया। दिल्ली बीजेपी अध्यक्ष ने कहा है कि यह निंदनीय है कि आम आदमी पार्टी शासित दिलली नगर निगम यह कहकर बीमार छात्रों के परिवारों और दिल्लीवासियों को गुमराह करने की कोशिश कर रहा है कि वे किसी गैस रिसाव से प्रभावित हुए हैं। श्री सचदेवा ने कहा है कि छात्रों का मेडिकल परीक्षण कराया गया है और उसके बाद बीमारी का वास्तविक कारण सामने आएगा लेकिन जाहिर तौर पर ऐसा प्रतीत होता है कि जिस बर्तन में एक विशेष कक्षा के छात्रों को मध्याह्न भोजन परोसा गया था वह दूषित था।

निगम विद्यालय में हुई घटना की निष्पक्ष जांच होः राजा इकबाल सिंह

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम में नेता विपक्ष व पूर्व महापौर राजा इक़बाल सिंह ने निगम विद्यालय नारायणा में हुई घटना पर अफ़सोस प्रकट करते हुए निगम प्रशासन से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच करवाने की मांग की। उन्होंने आम आदमी पार्टी की महापौर पर निगम विद्यालय में हुई घटना को गैस रिसाव का नाम देकर गुमराह करने का आरोप लगाया। उन्होंने महापौर पर आरोप लगाते हुए कहा कि हम जानते थे कि आम आदमी पार्टी चुनाव जीतने के लिए नागरिकों से झूठे वादे करती है मगर आज यह देखने में आया कि आम आदमी पार्टी किसी घटना को भी एक झूठा रूप दे सकती है।

सार संक्षेप

सारथी ने धोखाधड़ी के लिए क्लासप्लस को अदालत में घसीटा

नई दिल्ली। सारथी ने मुकदमा और पुलिस में शिकायत दर्ज करके क्लासप्लस एक सास स्टार्टअप के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू की है। मुकदमे में गंभीर आरोपों जिसमें धोखाधड़ी, जबरन वसूली, आपराधिक विश्वासघात, मानसिक उत्पीड़न, मानहानि, अचल संपत्ति की चोरी, धन का दुरुपयोग और बहुत कुछ शामिल है। गंभीर अपराधों की एक विस्तृत शृंखला से जुड़े ये आरोप, दोनों कंपनियों के बीच व्यापारिक लेनदेन की अखंडता के बारे में चिंता पैदा करते हैं। इन आरोपों में धोखाधड़ी, जबरन वसूली, आपराधिक विश्वासघात, मानसिक उत्पीड़न, आपराधिक धमकी, मानहानि, अचल संपत्ति की चोरी, आपराधिक साजिश और धन का दुरुपयोग शामिल है। संस्थापक ने यह भी कहा कि अपने पद पर बने रहने के बावजूद, उन्हें दैनिक कार्यों में लगातार अपमान का सामना करना पड़ा। इसमें एक बिजनेस वर्टिकल का माइक्रोमैनेजमेंट शामिल था, जो अब क्लासप्लस के तहत है, जिसमें उनकी सहमति के बिना महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए थे।

स्नैपडील ने की फ्रीडम स्पेशल सेल की घोषणा

नई दिल्ली। जाने-माने वैल्यू ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म स्नैपडील ने अपनी आगामी फ्रीडम स्पेशल तूफानी सेल की घोषणा की है, जिसका आयोजन 11 से 14 अगस्त 2023 के बीच होगा। यह ज़बरदस्त सेल विभिन्न कैटेगरीज़ में शानदार डील्स के साथ खरीददारों को शॉपिंग का बेजोड़ अनुभव प्रदान करेगी। सेल के दौरान खरीददार फैशन, होम एण्ड लिविंग, ब्यूटी, हेल्थ, फुटवियर, इलेक्ट्रॉनिक्स एक्सेसरीज़ एवं ऑटोमोटिव आइटमों की व्यापक रेंज पर 50 से 80 फीसदी तक की छूट का लाभ उठा सकेंगे। सेल की घोषणा करते हुए स्नैपडील के प्रवक्ता ने कहा की स्नैपडील फ्रीडम तूफानी सेल की घोषणा करते हुए हमें बेहद खुशी का अनुभव हो रहा है। विभिन्न श्रेणियों के प्रोडक्ट्स पर ज़बरदस्त छूट के ऑफर्स के साथ यह सेल आज़ादी का जश्न मनाएगी और उपभोक्ता बेहिचक सर्वश्रेष्ठ प्रोडक्ट्स की खरीददारी कर सकेंगे।'

हीरो वायर्ड ने पेश किया एक्सआर सर्टिफिकेशन प्रोग्राम

नई दिल्ली। पेशेवरों एवं उच्च शिक्षा पाने की इच्छा रखने वाले उम्मीदवारों के लिए भारत की प्रीमियम लर्न टेक कंपनी हीरो वायर्ड ने एक्सटेंडेड रिएल्टी में सर्टिफिकेशन प्रोग्राम के लॉन्च की घोषणा की है। यह प्रोग्राम छात्रों को आधुनिक तकनीकों जैसे ऑगमेंटेड रिएल्टी एआर और वर्चुअल रिएल्टी वीआर में व्यवहारिक ज्ञान एवं कौशल प्रदान करेगा। हीरो वायर्ड अपने सफल गेमिंग एवं ईस्पोर्ट्स प्रोग्राम के अलावा भावी-टेक कोर्सेज़ जैसे एक्सआर टेक्नोलॉजी में भी प्रमुख कंपनी के रूप में उभरी है।

लोकसभा की सभी सीटों पर प्रत्यासी उतारेगी आरआईएम

नई दिल्ली, 11 अगस्त (देशबन्धु)। राइट इंडिया मूवमेंट (आरआईएम) पार्टी ने राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देने के साथ जनता के हितों को प्राथमिकता देने के लिए पूरे भारत में चुनाव लड़ने की घोषणा की है। पार्टी के अध्यक्ष डा. पाइडी वी एल नायडु और पार्टी के उपाध्यक्ष पुजारी श्रीनिवास राव ने प्रेस क्लब ऑफ इंडिया में प्रेस कांफ्रेंस कर इसकी घोषणा की। संयुक्त रूप से दोनों पदाधिकारियों ने कहा कि भारत एक लोकतांत्रिक देश है और लोकतंत्र में जनता सर्वोपरि है। राइट इंडिया मूवमेंट पार्टी पूरे भारत में चुनाव लड़ने जा रही है और हम 31 दिसंबर 2023 तक उम्मीदवारों की सूची की घोषणा करने जा रहे हैं। उन्होंने एमपी व एमएलए के पदों पर चुनाव लड़ने के लिए 4450 पदों पर आवेदन मांग रहे हैं। उन्होंने कहा कि जो लोग इन पदों के लिए आवेदन करना चाहते हैं वह 31 अक्टूबर तक आवेदन कर सकते हैं। पार्टी के अध्यक्ष डा.पाइडी वी एल नायडु ने कहा कि आरआईएम पहला राजनीतिक दल है जो खुले तौर पर सभी पंचायतों, नगर पालिकाओं, विधायकों, सांसद स्तर के उम्मीदवारों से आवेदन आमंत्रित करता है। जिनका अतीत में इतिहास रहा है, उन्हें शिक्षित, गैर-स्वार्थी, देशभक्त, अत्यधिक प्रतिभाशाली और अनुशासित होना चाहिए। उन्होंने कहा कि आरआईएम पहली राजनीतिक पार्टी है जो भारत के प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों और नौकरियों में कार्यरत उच्च शिक्षित और प्रतिभाशाली लोगों को वर्तमान राजनीति में खुले तौर पर आमंत्रित कर रही है। आरआईएम पार्टी के पदाधिकारियों ने अपने एजेंडे के बारे में विस्तृत बातचीत करते हुए हर भारतीय के लिए स्वास्थ्य और शिक्षा के अधिकार के रूप में भारत में रहने वाले सभी भारतीयों के लिए अस्पताल और शिक्षा संस्थान पूरी तरह से निःशुल्क करने की बात कही। उन्होंने कहा कि आरआईएम करदाताओं सहित सभी भारतीयों को सभी लाभ प्रदान करने वाली पहली राजनीतिक पार्टी है।

चुनाव लड़ने के लिए समाज के प्रतिष्ठित लोगों को किया आमंत्रित

सरकार ने मिलिंग क्षमता बढ़ाने समिति नियुक्त करने संबंधी जारी किया आदेश

नई दिल्ली, 11 अगस्त (देशबन्धु)। तेलंगाना की करोड़ों एकड़ भूमि के लिए सिंचाई जल सुविधा, 24 घंटे मुफ्त बिजली, कृषि में निवेश के लिए किसानों को सहायता, किसान ऋण माफी और किसान बीमा जैसे कार्यक्रमों के कारण अनाज की उपज 3 करोड़ टन तक पहुंच गई है। राज्य में करोड़ों एकड़ में धान उत्पादन हो रहा है। सरकार ने मिलिंग क्षमता को तुरंत बढ़ाने के लिए कैबिनेट के निर्णय के अनुसार एक समिति नियुक्त करने का आदेश जारी किया है। सरकार ने ज्ञापन में कहा कि इस समिति में वित्त विभाग के विशेष मुख्य सचिव अध्यक्ष होंगे और चार अन्य को सदस्य नियुक्त किया जायेगा। सरकार ने कहा कि उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के विशेष सचिव, मुख्यमंत्री कार्यालय के सचिव, टीएसआईआईसी के प्रबंध निदेशक और नागरिक आपूर्ति आयुक्त समिति के सदस्य होंगे।

इस समिति को 2022-23 मानसून सीजन के लिए यासांगी में अनाज की पैदावार को पूरा करने के लिए मिलिंग क्षमता बढ़ाने और अनाज की नीलामी करने के लिए आवश्यक सिफारिशें करने का कार्य सौंपा गया है। सरकार ने आदेश में कहा कि यह निर्णय राज्य चावल मिलर्स एसोसिएशन के प्रतिनिधियों के अनुरोध पर नागरिक आपूर्ति आयुक्त के प्रस्तावों के अनुसार लिया गया है। सरकार ने सुझाव दिया है कि पांच सदस्यीय समिति को इस क्षेत्र में उद्योगों को प्रोत्साहित करने के लिए प्रक्रियाएं तैयार करनी चाहिए और आवश्यक कदम उठाने चाहिए। राज्य सरकार के आदेश में कहा गया है कि राज्य में उन क्षेत्रों की पहचान करना है जहां मिलिंग कम है। अनाज की पैदावार कितनी है, समिति को कितनी मिलिंग क्षमता की आवश्यकता है, इसका विवरण एकत्र करना चाहिए।

तेलंगाना में सिंचाई और 24 घंटे मुफ्त बिजली के कारण अनाज की उपज तीन करोड़ टन पहुंच गई है

दिल्ली नगर निगम में हिंदी भाषा को प्रोत्साहित करने के लिए कार्यक्रम का आयोजन

नई दिल्ली, 11 अगस्त (देशबन्धु)। दिल्ली नगर निगम द्वारा सिविक सेंटर स्थित निगम मुख्यालय में हिंदी भाषा को प्रोत्साहित करने के उद्देशीय से आज़ादी का अमृत महोत्सव के तहत मेरी माटी-मेरा देश कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में संगोष्ठी तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर दिल्ली नगर निगम के अतिरिक्त आयुक्त, सुनील भादू उपस्थित थे। उनके अलावा निगम के वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी भी मौजूद थे। इस मौके पर हिंदी भाषा के व्यावहारिक प्रयोग करने के उद्देश्य से कार्यशाला, संगोष्ठी तथा एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें काफी संख्या में निगम कर्मचारियों और अधिकारियों ने भाग लिया। निगम कर्मचारियों ने इस अवसर पर संवाद, कविताएं, दोहे व देशभक्ति से सराबोर गायन सुना कर जमकर तालियां बटोरी और अपनी नृत्य प्रस्तुति के माध्यम से हिन्दी भाषा के मान सम्मान करने के लिए सभी निगम कर्मियों को प्रेरित किया गया। इस मौके पर अतिरिक्त आयुक्त सुनील भादू ने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों से हिन्दी के प्रचार-प्रसार में अपना सृजनात्मक सहयोग करने की अपील की। उन्होंने कहा कि हिन्दी केवल बोलचाल की भाषा ही नहीं अपितु कामकाज की भी भाषा होनी चाहिए। उन्होंने निगम कर्मचारियों से अपील की कि वे अपना प्रशासनिक कार्य हिन्दी माध्यम से करें। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी और कर्मचारी हिन्दी भाषा में कार्य करें और दूसरों को भी हिन्दी भाषा में कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करें। उन्होंने कहा कि हिन्दी भाषा का ज्ञान होना प्रत्येक भारतीय का कर्तव्य ही नहीं, अधिकार भी है।

मोरारी बापू के रामायण व्याख्यान का कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय में ऐतिहासिक कार्यक्रम

नई दिल्ली, 11 अगस्त (देशबन्धु)। मोरारी बापू के रामायण परम्परा के अद्वितीय व्याख्यान की उपलब्धि के साथ ही, कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय में एक महत्वपूर्ण कथा प्रसंग का आयोजन हो रहा है। 12 से 20 अगस्त, 9 दिनों तक। यह एक ऐतिहासिक पल है, क्योंकि यह पहली बार है जब एक हिन्दू आध्यात्मिक घटना एक ऐतिहासिक संस्थान के परिसर में आयोजित हो रही है, जो दुनिया के सबसे प्राचीन और प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में से एक है। राम कथा का आयोजन कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय के जीसस कॉलेज में हो रहा है। यह कार्यक्रम अनुमानित रूप से भारतीय और अंग्रेजी सभ्यताओं के दीर्घकालिक संबंधों का उत्सव है। कैम्ब्रिज एक प्रेरणास्त्रोत नगर है, जो इतिहास, संस्कृति, और विश्व को बदलने वाली खोजों से भरपूर है। यहाँ दुनिया का तीसरा सबसे प्राचीन विश्वविद्यालय कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय स्थित है और किसी अन्य नगर के मुकाबले, सबसे ज्यादा नोबेल पुरस्कार विजेता यहाँ रहते हैं।

कार्यालय नगर पालिक निगम, भिलाई (छ.ग.)

क्रमांक /भ.स./न.नि./2023/259/251 भिलाई दिनांक 8/8/2023

E-Procurement Tender Notice

Main Portal: https://eproc.cgstate.gov.in

आयुक्त, नगर पालिक निगम भिलाई की ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु ई.निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्रं.	कार्य का विवरण	सिस्टम नं.	निविदा लागत राशि	निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि
1	निगम की सम्मपत्ति की सुरक्षा हेतु सुरक्षा गार्ड उपलब्ध कराने का कार्य। (द्वितीय निविदा)	143743	171.32 लाख	21.08.2023

निविदा हेतु आवश्यक दस्तावेज आनलाईन जमा की जाये। उक्त कार्य हेतु दी जाने वाली दरे आनलाईन (Online) दी जावें। उपरोक्त कार्य हेतु निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी https://cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता
भवन संधारण

गाज़ियाबाद विकास प्राधिकरण
विकास पथ, गाज़ियाबाद
(I.S.O. 9001:2015 एवं I.S.O. 14001:2015 प्रमाणित संस्था)

सार्वजनिक सूचना

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि खसरा सं॰-1316 व 1320 ग्राम मोरटा गाजियाबाद की 2525.48 वर्गमी॰ भूमि पर श्री कृष्ण कुमार मित्तल एवं श्रीमती चारू मित्तल द्वारा वर्कशॉप/सर्विस स्टेशन का ऑनलाईन मानचित्र सं॰- GDA/BP/22-23/1623 स्वीकृति हेतु प्रस्तुत किया गया है। अवगत कराना है कि ग्राम मोरटा के खसरा सं॰-1316 व 1320 की भूमि गाजियाबाद महायोजना-2021 के अनुसार 75 मी॰ चौड़े महायोजना मार्गाधिकार को छोड़ने के उपरान्त, शेष भाग विस्तृत एवं मध्यम उद्योग, भू-उपयोग के अन्तर्गत प्रदर्शित है। महायोजना के प्राविधानों के अनुसार प्रमुख भू-उपयोग जोन्स में मूल क्रिया से इतर क्रिया अनुमन्य किये जाने पर जोनिंग रेगुलेशन में दिये गये प्राविधानों के अन्तर्गत इस निर्माण की अनुज्ञा हेतु एक माह की समयावधि प्रदान करते हुए जनता से आपत्ति/सुझाव उचित माध्यमों से आमंत्रित किये जाते हैं। यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को उपरोक्त के सम्बन्ध में कोई आपत्ति/सुझाव देना है तो वे अपनी आपत्ति/सुझाव दो प्रतियों में मुख्य नगर नियोजक, गा॰वि॰प्रा॰ के कार्यालय में इस सूचना के प्रकाशन की दिनाँक से 30 दिन के अन्दर प्रस्तुत कर सकते हैं। केवल निर्धारित अवधि के अन्दर प्राप्त आपत्ति/सुझाव पर विचार किया जाना सम्भव हो सकेगा।

उपाध्यक्ष

ई-मेल : helplinegda@gmail.com, : @Gda Ghaziabad, : gdagzb
हेल्पलाईन नं0: 0120-4418384, व्हाट्सएप: 9990988004, वेबसाईट: www.gdaghaziabad.in

एक सुन्दर शहर........हमारा संकल्प

500 किलोवॉट से ज़्यादा बिजली इस्तेमाल करने वाले दिल्ली के सरकारी भवनों का होगा 'एनर्जी ऑडिट'

नई दिल्ली, 11 अगस्त (देशबन्धु)। बिजली की खपत कम करने और ऊर्जा दक्षता को बढ़ावा देने के लिए केजरीवाल सरकार अपनी इमारतों, कार्यालयों और स्ट्रीटलाइट्स का 'एनर्जी ऑडिट' करवाएगी। इस एनर्जी ऑडिट का उद्देश्य बिजली के अधिक इस्तेमाल करने वाले स्थानों का पता लगाना और वहां स्मार्ट तरीकों से बिजली की खपत को कम करने की रणनीति तैयार करना है। राजधानी भर में सरकारी भवनों और स्ट्रीटलाइट्स के एनर्जी ऑडिट के विषय में साझा करते हुए ऊर्जा मंत्री आतिशी ने कहा, 'केजरीवाल सरकार बिजली की हर यूनिट के संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है। इस दिशा में सरकार अपने उन सभी सरकारी भवनों का एनर्जी ऑडिट करवायेगी जहां बिजली की खपत 500 किलोवॉट से ज़्यादा है।

उन्होंने कहा कि, इस प्रक्रिया में इमारतों के भीतर विभिन्न उपकरणों और उपकरणों की वास्तविक ऊर्जा खपत को मापना, उसका आवश्यक अनुमानित न्यूनतम ऊर्जा के साथ तुलना करना और फिर बिजली की बचत के लिए आर्थिक और तकनीकी रूप से व्यावहारिक तरीकों की पहचान करना शामिल है।' उन्होंने आगे कहा कि, एनर्जी ऑडिट से बिजली उपयोग को अनुकूलित करने के लिए भी सुझाव मिलेगा जिसके परिणामस्वरूप बिजली और पैसे दोनों की बचत होगी।

बिजली मंत्री ने कहा कि माना जाता है कि यदि कोई उपभोक्ता बिजली की एक यूनिट की बचत करता है, वो बिजली संयंत्र में उत्पादित 2 यूनिट के बराबर होता है। ऐसे में इन ऑडिट से प्राप्त ऊर्जा-बचत उपायों से दिल्ली की समग्र बिजली मांग को स्थिर करने में मदद मिलेगी। इसके अलावा, एनर्जी ऑडिट से न केवल सरकारी भवनों में ऊर्जा की खपत को कम करने के तरीकों का पता चलेगा बल्कि इससे सरकार का वित्तीय बोझ भी कम होगा। साथ ही, यह पहल सीओ 2 उत्सर्जन को कम करने में मददगार साबित होगा। बता दें कि, सरकारी इमारतों के अलावा, दिल्ली सरकार अपनी स्ट्रीट लाइटों के लिए भी एनर्जी ऑडिट करवायेगी। वर्तमान में, दिल्ली में स्ट्रीटलाइट का रखरखाव मुख्य रूप से एमसीडी, एनडीएमसी और पीडब्ल्यूडी द्वारा किया जाता है। जहां विभाग अपनी स्ट्रीट लाइटों को कम बिजली की खपत वाले एलईडी स्ट्रीट लाइटों से बदल रहे है।

उत्तर रेलवे

आज़ादी का अमृत महोत्सव | G20

निविदा सूचना

ई-निविदा (ई-प्रोक्योरमेंट सिस्टम) के माध्यम से निविदा आमंत्रण

	एन आई टी	16-A & B-2023-24-डब्ल्यू-5
1	**काम का नाम (स्थान के साथ):** **क्रमांक: A)** सहायक मंडल अभियंता/हज़रत निज़ामुद्दीन के अधीन एस.एस.ई./पी.वे./हज़रत निज़ामुद्दीन के अनुभाग में ग्लूड जॉइंट और स्विच एक्सपेंशन जॉइंट का प्रतिस्थापन कार्य। **B)** सहायक मंडल अभियंता/तुगलकाबाद के अधीन एस.एस.ई./पी.वे./फरीदाबाद के अनुभाग में ग्लूड जॉइंट और स्विच एक्सपेंशन जॉइंट का प्रतिस्थापन कार्य।	
2	**काम की अनुमानित लागत (रुपये): A)** रुपये 45,81,113.44, **B)** रुपये 45,85,605.83	
3	**अग्रिम राशि (रुपये):** (यह नेट बैंकिंग के रूप में होना चाहिए या केवल भुगतान गेटवे द्वारा।) (नोट:- रेलवे बोर्डों के पत्र संख्या 2015/ सीई-आई/सीटी/5/1 दिनांक 31.08.2016 के अनुसार जो टेंडर आई आर ई पी एस पर आमंत्रित किया गया है उसमें एफडीआर को निविदा के लिए, ईएमडी के रूप में, स्वीकार नहीं किया जाएगा।) A) रुपये 91,600.00, B) रुपये 91,700.00	
4	**काम की समाप्ति अवधि:** A) 05 महीने, B) 05 महीने	
5	**निविदा प्रस्तुत करने और निविदा खोलने के लिए दिनांक और समय:** 05.09.2023 को 15.00 बजे तक तथा 05.09.2023 को 15.00 बजे निविदा खुलना है।	
6	**वेबसाइट के विवरण का नोटिस बोर्ड स्थान निविदा का पूरा विवरण देखा जा सकता है:** यह निविदा आई.आर.ई.पी.एस. वेबसाइट अर्थात **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है।	

सं.: 128-W/280/OET/2023-24/W-V/16-A & B दिनांक: 11.08.2023 **2503/2023**

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

आज़ादी का अमृत महोत्सव | G20

खुली निविदा सूचना

पत्र संख्या: 128-डब्लू/280/निविदा सूचना/23-24/डब्लू-I (NIT-32-33) दिनांक 10.08.2023

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल अभियंता/प्रथम, उत्तर रेलवे, नई दिल्ली दवारा निम्न कार्य के लिए ई-टेंडर के माध्यम से निविदाएं आमंत्रित की जाती है।

कार्य का नाम	(1) एडीईएन/पीएनपी के तहत सोनीपत में कुल 250 केएलडी, पानीपत में 250 केएलडी और गन्नौर रेलवे स्टेशनों पर 100 केएलडी सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट की आपूर्ति, निर्माण, निर्माण, परीक्षण और कमीशनिंग। (2) एडीईएन/केयूएन के तहत करनाल में कुल 200 केएलडी और केकेडीई स्टेशन पर 200 केएलडी सीवेज उपचार संयंत्र की आपूर्ति, निर्माण, निर्माण, परीक्षण और कमीशन।
अनुमानित लागत	(1) रू. 5,56,60,395.60/- (2) रू. 3,71,06,930.40/-
धरोहर राशि	(1) रू. 4,28,300/- (2) रू. 3,35,500/- यह नेट बैंकिंग या केवल भुगतान gate way के रूप में होना चाहिए। नोट : एफ.डी.आर या डिमांड ड्राफ्ट के रूप में ई.एम.डी. स्वीकार नहीं की जाएगी (रेलवे बोर्ड के पत्र संख्या 2015/सीई-1/सीटी/5/1 दिनांक 31.08.2016) के अनुसार आई.आर.ई.पी.एस. पर आमंत्रित निविदा के लिए।
समापन अवधि	06 महीने
ई-निविदा खोलने और प्रस्तुत करने के लिए दिनांक और समय	01.09.2023 को 15.00 बजे तक प्रस्तुत करने तथा निविदा खुलने का समय दिनांक 01.09.2023 को 15.00 बजे
निविदा की वेब साइट जहां निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकता है	www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है
सामान प्रकार के कार्य	सीवेज उपचार संयंत्र या अपशिष्ट उपचार संयंत्र की आपूर्ति, डिजाइन, निर्माण आयोग।

नोट : शपथ पत्र संलग्नक XXIV अनिवार्य रूप के रूप में निविदा शर्तों के साथ संलग्न नए प्रारूप में प्रस्तुत किया जाना चाहिए। और सभी संलग्न दस्तावेज निविदाकर्ता दवारा स्वयं सत्यापित किया जाना चाहिए। **2485/23**

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

कैपिटल ज़ोन

उवाच

नेशनल ऑब्जर्वर ने जिले में अपने तीन दिन के प्रवास के दौरान यूनिसेफ, डब्ल्यूएचओ और स्वास्थ्य विभाग की टीमों द्वारा उन परिवारों की काउंसलिंग करने का तरीका देखा जो टीकाकरण कराने में आनाकानी कर रहे थे।

डॉ. नीरज कुमार अग्रवाल, जिला प्रतिरक्षण अधिकारी (डीआईओ)

कल रात से 15 अगस्त तक रहेगा डायवर्जन

■ परेड रिहर्सल के लिए दिल्ली में मालवाहक वाहनों पर प्रतिबंध, जारी किया हैल्पलाइन नंबर

नोएडा, 11 अगस्त (देशबन्धु)। दिल्ली में स्वतंत्रता दिवस फुल ड्रेस परेड रिहर्सल व स्वतंत्रता दिवस परेड के अवसर पर 12 अगस्त 2023 की रात दस बजे से 13 अगस्त 2023 में कार्यक्रम समाप्ति तक और 14 अगस्त 2023 की रात 10 से 15 अगस्त में कार्यक्रम समाप्ति तक कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर से दिल्ली राज्य में प्रवेश कर अन्यत्र जाने वाले मालवाहक (भारी, मध्यम व हल्के) वाहनों का दिल्ली राज्य में प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। ये सभी वाहन वैकल्पिक मार्गों का प्रयोग कर अपने गंतव्य तक जा सकेंगे। यातायात असुविधा होने पर यातायात हेल्प लाइन नंबर 9971009001 पर सम्पर्क किया जा सकता है।

इन मार्गों का किया जाए प्रयोग

चिल्ला रेड लाइट (बॉर्डर) से दिल्ली राज्य प्रवेश कर अन्यत्र जाने वाले वाहन चिल्ला रेड लाइट से यू-टर्न लेकर नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे से ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे होकर अपने गंतव्य की ओर जा सकेंगे। डीएनडी (बॉर्डर) से दिल्ली राज्य में प्रवेश कर अन्यत्र जाने वाले वाहन डीएनडी टोन प्लाजा से यू-टर्न लेकर नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे से ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे होकर अपने गंतव्य की ओर जा सकेंगे। कालिन्दी कुंज यमुना (बॉर्डर) से दिल्ली राज्य में प्रवेश कर अन्यत्र जाने वाले वाहन यमुना नदी से पहले अंडरपास तिराहा से डायवर्ट किये जाएंगे, जो नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे से ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे होकर अपने गंतव्य की ओर जा सकेंगे।

किसानों के दो संगठनों ने किया प्रदर्शन

■ टिकैत समूह ने निकाली तिरंगा यात्रा
■ दूसरे ने प्राधिकरण का घेराव कर की परिक्रमा

नोएडा, 11 अगस्त (देशबन्धु)। मांगों को लेकर शहर में दो स्थानों पर किसानों के अलग-अलग प्रदर्शन हुए। पहला प्रदर्शन भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) के तत्वाधान में किया गया। सैकड़ों की संख्या में किसानों ने महामाया फ्लाईओवर से सेक्टर-19 सिटी मजिस्ट्रेट कार्यालय तक तिरंगा यात्रा निकली। इसके बाद मांगों को लेकर कार्यालय पर धरना दिया। किसानों की तिरंगा यात्रा के दौरान जाम की स्थिति बनी रही, महामाया फ्लाईओवर से सेक्टर-19 सिटी मजिस्ट्रेट कार्यालय तक कई किलोमीटर जाम रहा। ये यात्रा जिला अध्यक्ष अशोक भाटी के नेतृत्व में की गई। इसके बाद सिटी मजिस्ट्रेट को ज्ञापन सौंपा गया। बातचीत में सहमति बनी कि 18 अगस्त को कलेक्ट्रेट में जिला अधिकारी के साथ बैठक होगी।

महामाया से लगा रहा जाम

तिरंगा यात्रा के दौरान महामाया फ्लाईओवर से लेकर सिटी मजिस्ट्रेट कार्यालय तक वाहन चालकों को जाम झेलना पड़ा। यात्रा का असर नोएडा के डीएससी रोड और एक्सप्रेस पर दिखा। यहां वाहन चालकों को जाम मिला। हालांकि यात्रा के बाद जाम खुल गया।

भारतीय किसान परिषद ने नोएडा प्राधिकरण के चारों ओर की परिक्रमा

दूसरी और भारतीय किसान परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखबीर खलीफा के नेतृत्व में हजारों की संख्या में किसानों ने नोएडा प्राधिकरण के बाहर प्रदर्शन किया। हालांकि ये किसान यहां काफी लंबे से बैठे है। शुक्रवार को इन्होंने नोएडा प्राधिकरण की तालाबंदी करने का निर्णय लिया था।

तालाबंदी नहीं करते हुए किसानों ने प्राधिकरण की परिक्रमा की। इस दौरान जमकर नारेबाजी की। सुखवीर खलीफा ने कहा कि किसानों को बढ़ी दर यानी 64.7 प्रतिशत की दर से मुआवजा और 10 प्रतिशत विकसित भूमि दी जाए।

बता दे पहले भी किसानों के प्राधिकरण अधिकारियों की वार्ता हो चुकी है। लेकिन वो वार्ता विफल रही।

भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) की मांग

सरकार ने किसानों से सिंचाई की मुफ्त बिजली का वायदा किया। जिसकी घोषणा बजट पेश करते हुए भी की गई। लेकिन अभी तक किसानों को सिंचाई की मुफ्त बिजली नहीं मिली। निजी नलकूपों में मीटर लगवाने की प्रक्रिया को तत्काल प्रभाव से रोका जाए। पिछले चार सालों में गन्ने पर मात्र 25 रुपए प्रति कुंतल बढ़ाकर किसानों को और गरीब बनाने का काम किया गया है। गन्ने की खेती प्रदेश सरकार 500 रुपए प्रति कुंतल गन्ने का भाव घोषित करे। कई चीनी मिलों पर आज भी करोड़ों रुपए गन्ना का भुगतान बाकी है। उसे दिलवाया जाए। एमएसपी गारंटी कानून बनाने के मामले में केंद्र सरकार पहल करे और कानून बनाया जाए। एनजीटी के नियमों में किसानों को ढील देने का काम किया जाए। देश में भूमि अधिग्रहण की नीति किसानों के अनुकूल बनाई जाए। बाजार भाव से जमीनों के मुआवजे के भुगतान की व्यवस्था की जाए। लखीमपुर कांड के दोषी को कड़ी सजा दी जाए। सलारपुर खादर परबगना में जहां आबादी बनी है उसे यथावत रखा जाए।

सार संक्षेप

सावन मास के महीने में हरि का नाम लेने से सब दुख दूर हो जाते हैं : प्रदीप गोयल

बुलंदशहर। नगर के शीतल गंज स्थित लक्ष्मी नारायण मंदिर प्रांगण में श्रावण मास मल्हार महोत्सव बहुत ही हर्षोल्लास के साथ श्री हरि नाम संकीर्तन मंडल सेवा समिति के तत्वाधान में मनाया गया। कोतवाली नगर क्षेत्र के लक्ष्मी नारायण मंदिर में सावन मास के चलते हरि नाम संकीर्तन मंडल द्वारा संकीर्तन का आयोजन किया गया। संकीर्तन में नगर क्षेत्र की कीर्तन मंडलियों ने आकर भाग लिया। भगवान श्री कृष्ण राधा रानी के भजन गाए, गए मल्हार गए गए। हरि नाम संकीर्तन मंडल के संचालक प्रदीप गोयल ने जानकारी देते हो बताया कि यह कार्यक्रम 11 तारीख से 15 तारीख तक चलेगा। जिसमें आर सी गोयल, बृज मोहन गुप्ता सुरेश चंद्र लोधी, ओम प्रकाश दिवाकर राजेंद्र प्रसाद शर्मा प्रधानाचार्य, राम अवतार सैनी, हरि बोल, पंडित नीलू शर्मा समेत अन्य आदि सदस्यों ने बढ़कर भाग लिया।

हर घर तिरंगा कार्यक्रम आयोजित

नोएडा। आईएमएस नोएडा में आजादी के अमृत महोत्सव के तहत हर घर तिरंगा कार्यक्रम का आयोजन हुआ। शुक्रवार को सेक्टर-62 स्थित संस्थान परिसर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान छात्राओं ने आजादी के गुमनाम नायकों की चर्चा की। वहीं कार्यक्रम के दौरान बतौर अतिथि कारगिल हीरो कैप्टन अखिलेश सक्सेना ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। शुक्रवार को कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए आईएमएस की निदेशिका डॉ. कुलनीत सूरी ने कहा कि आज के कार्यक्रम में छात्रों ने स्वतंत्रता दिवस की थीम पर मनमोहक प्रस्तुती दी। कार्यक्रम के दौरान डॉ. सूरी ने कहा कि देश के लिए अपने प्राण का बलिदान देने वाले वीरो के त्याग से प्रेरणा ग्रहण कर हम सभी देश के प्रति अपनी नैतिक जिम्मेदारी एवं कर्तव्यों का पालन कर सकते हैं।

मेट्रो के निक नेम के लिए 26 अगस्त तक दे सुझाव

नोएडा। नोएडा मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (एनएमआरसी) का अपना निक नेम होगा। इसके लिए शहरवासी अपना सुझाव 26 अगस्त तक दे सकते है। प्रक्रिया में भाग लेने के लिए एनएमआरसी की वेबसाइट पर जाना होगा। एनएमआरसी की आधिकारिक वेबसाइट के साथ-साथ विभिन्न मीडिया प्लेटफार्मों पर एक व्यापक प्रश्नावली उपलब्ध कराई गई है। अधिकारियों ने बताया कि समुदाय को शामिल करके, एनएमआरसी का लक्ष्य नोएडा मेट्रो के वास्तविक सार और भावना को पकड़ना है, जो इस क्षेत्र के महत्व को दर्शाता है। विशिष्ट उपनाम और शुभंकर न केवल नोएडा मेट्रो की पहचान बढ़ाएगा बल्कि निवासियों के बीच गर्व की भावना को मजबूत करने में भी योगदान देगा।

अरबों के सृजन घोटाले की आरोपी रजनी प्रिया गाजियाबाद से गिरफ्तार

■ सीबीआई ने की छापेमारी, ट्रांजिट रिमांड पर लेकर पटना के लिए रवाना

गाजियाबाद, 11 अगस्त (देशबन्धु)। सीबीआई ने एक हजार करोड़ के सृजन घोटाले की आरोपी मनोरमा देवी की बहू रजनी प्रिया को साहिबाबाद के राजेंद्र नगर से गुरुवार को गिरफ्तार कर लिया है। रजनी को गाजियाबाद सीबीआई कोर्ट में पेश किया गया और दो दिन की ट्रांजिट रिमांड पर बिहार ले जाया गया है। रजनी यहां पहचान बदल कर रही थी।

सीबीआई ने रजनी प्रिया को गिरफ्तार करने पहुंची, उस वक्त वह अपने बंगले से निकल कर कहीं जा रही थी। रजनी की गिरफ्तारी के दौरान उसके बंगले में रहने वाले दो स्टाफ से भी सीबीआई ने पूछताछ की। हालांकि, बाद में दोनों को छोड़ दिया। पटना स्थित सीबीआई की विशेष अदालत ने 28 फरवरी को भागलपुर से पूर्व जिलाधिकारी केपी रमैया और घोटाले की मुख्य

आरोपी मनोरमा देवी के बेटे अमित कुमार और बहू रजनी प्रिया की गिरफ्तारी के लिए वारंट जारी किया था। अरबों रुपये के इस घोटाले में 27 आरोपित हैं, इनमें से 12 आरोपी जेल में हैं। सीबीआई कोर्ट ने तीन आरोपियों केपी रमैया, अमित कुमार और रजनी प्रिया के खिलाफ कुर्की वारंट भी जारी किया था। इसके बाद, सीबीआई ने अमित और रजनी प्रिया की 13 चल व अचल संपत्ति की कुर्की भी कर चुकी है।

बस व ट्रक की भीषण टक्कर में चार लोगों की मौत

बुलंदशहर, 11 अगस्त (देशबन्धु)। कोतवाली देहात क्षेत्र में हुआ दर्दनाक हादसा हादसे में 4 लोगों की मौत आधा दर्जन से अधिक गंभीर रूप से कोई घायल कोतवाली देहात क्षेत्र के अड़ौली तिराहे पर एक बेकाबू ट्रक ने साहिबाबाद डिपो की रोडवेज बस को जोरदार टक्कर मार दी। इस दर्दनाक हादसे में दो महिलाओं समेत चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि 9 लोग घायल हो गए। हादसे के बाद बुलंदशहर डीएम सीपी सिंह, एसपी सिटी, एएसपी समेत पुलिस और प्रशासन के तमाम आला अधिकारी मौके पहुंचे, जबकि सभी घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। वहीं, पंचायतनामा की कार्रवाई के बाद चारों शवों को भी पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया गया। बुलंदशहर डीएम सीपी सिंह ने बताया कि साहिबाबाद डिपो की बस बदायूं से यात्रियों को सवार करके दिल्ली जा रही थी, इस दौरान अलीगढ़ की ओर जा रहे नागालैंड नंबर ट्रक ने बुलंदशहर देहात के अड़ौली तिराहे पर बस को ज़ोरदार टक्कर मार दी। दर्दनाक हादसे में जिन चार लोगों ने जान गंवाई है वह सभी बदायूं के निवासी हैं जबकि घायलों में भी अधिकतर लोग बदायूं के ही रहने वाले बताये जा रहे हैं।

■ 9 लोग गंभीर रूप से घायल, उपचार जारी

ठेली लगाने वाले पर हमला, गंभीर रूप से घायल

नोएडा, 11 अगस्त (देशबन्धु)। सोरखा गांव में शराब के ठेके के सामने अंडे की ठेली लगाने वाले दो लोगों पर एक व्यक्ति ने हमला कर दिया। उसने एक पीड़ित पर कांच की बोतल से वार किए। हमले में दोनों पीड़ितों को गंभीर चोट आई। आरोपी ने उनकी ठेली को भी गिरा दिया, जिससे उस पर रखे अंडे टूट गए। पीड़ितों ने सेक्टर-113 थाने में केस दर्ज कराया है। परमवीर सिंह शालू ने थाने में शिकायत दी कि वह सोरखा गांव में शराब के ठेके के पास अंडे की ठेली लगाते हैं। शराब के ठेके से गुरुवार शाम एक युवक ने शराब खरीदी। इसके बाद वह उनकी दुकान पर आकर अंडे खाने लगा। जब उन्होंने रुपए मांगे तो उसने गाली गलौज कर मारपीट करनी शुरू कर दी। उसने परमवीर के भाई के सिर पर कांच की बोतल से वार किया। इस घटना में उसके भाई का सिर फट गया। उसका निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़ित की दी शिकायत के आधार पर दर्ज कर लिया गया है।

इंफोर्समेंट सेल और यातायात के लिए आएगी सलाहकार कंपनी, न्यू नोएडा के मास्टर प्लान को मिलेगी हरी झंडी

नोएडा, 11 अगस्त (देशबन्धु)। नोएडा प्राधिकरण की 210वीं बोर्ड बैठक चेयरमैन मनोज कुमार सिंह की अध्यक्षता में 13 अगस्त को होगी। नवनियुक्त मुख्य कार्यपालक अधिकारी डॉ. लोकेश एम पहली बार बोर्ड बैठक में शामिल होंगे। इस बार कुल 18 प्रस्ताव बोर्ड में शामिल किए जा रहे है। जिसमें वित्त विभाग के दो प्रस्ताव, वाणिज्यिक विभाग का एक, संस्थागत के दो और नियोजन विभाग के छह, कार्मिक के दो, जल विभाग के एक और सर्किल यानी सिविल से दो प्रस्तावों को शमिल किया गया है। बैठक रविवार को सुबह 11 बजे होगी। बैठक में 1 अप्रैल 2023 से 31 जुलाई 2023 में परियोजनाओं की वित्तीय और भौतिक प्रगति को भीर देखा जाएगा।

बोर्ड में रखे जाने वाले प्रस्ताव

भंगेल एलिवेटेड

नोएडा के डीएससी रोड पर निर्माणाधीन भंगेल एलिवेटेड का कार्य। ये रोड 5.5 किमी और 6 लेन की बनाई जा रही है। ये नोएडा के बरौला, भंगेल, सेक्टर-42,48,49,47,101,107 और डीएससी रोड को कवर करेगा। 150 करोड़ रुपए की लागत बढ़ाने से इन दिनों एलिवेटेड रोड का काम बंद पड़ा हुआ है। अभी तक इस एलिवेटेड रोड का बजट 468 करोड़ रुपए है।

दो राज्यों को जोड़ने वाली चिल्ला एलिवेटेड

चिल्ला रेगुलेटर दिल्ली से सेक्टर-14ए से एमपी-3 को जोड़ने वाली शाहदरा ड्रेन के समानांतर छह लेन के एलिवेटेड रोड का निर्माण प्रस्तावित है। इसके निर्माण में 801 करोड़ खर्च किए जाने है। इसका 50 प्रतिशत रकम केंद्र सरकार खर्च करेगी। 13 प्रतिशत एलिवेटेड का काम पूरा हो चुका है। अब मामला पेमेंट मोड पर इस प्रस्ताव को रखा जाएगा।

अवैध निर्माण को रोकने के लिए बनेगा इंफोर्समेंट सेल

नोएडा में अवैध निर्माण को रोकने के लिए नियोजन विभाग में इंफोर्समेंट सेल बनाया जाएगा। इसके लिए प्रबंधक और सहायक प्रबंधक की भर्ती आउटसोर्सिंग के जरिए की जाएगी। जिनका काम निगरानी करते हुए अवैध निर्माण को रोकना होगा। इस प्रस्ताव को बोर्ड में रखा जाएगा।

न्यू नोएडा (डीएनजीआईआर) ड्राफ्ट को मिलेगी हरी झंडी

वेस्ट यूपी में निवेश का केंद्र अब डीएनजीआईआर (दादरी नोएडा गाजियाबाद इनवेस्टमेंट रीजन) होगा। डीएनजीआईआर नोएडा, बुलंदशहर और दादरी के 88 गांवों की जमीन अधिग्रहीत कर बसाया जाएगा। इसका मास्टर प्लान 2041 बनाया जा रहा है। इसकी जिम्मेदारी एसपीए (स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्ट) को दी गई है। 210वीं बोर्ड बैठक में इसे पास किया जाएगा। करीब 21 हजार हेक्टेयर (203 वर्गकिमी) में बसाया जाएगा। पहले फेज में 50 हजार लोगों को रोजगार देगा। बोर्ड में इसके मास्टर प्लान को पास किया जाएगा।

शहर के यातायात के लिए बनाया जाएगा रीजनल प्लान

■ बोर्ड में 18 एजेंडों को किया जाएगा शामिल
■ सबसे ज्यादा प्लानिंग से 6 प्रस्ताव होंगे शामिल

पूरे शहर के यातायात को व्यवस्थित करने के लिए एक रीजनल प्लान तैयार किया जाएगा। इसके लिए एक सलाहकार कंपनी का चयन किया जाना है। इस प्लान को ऐसे बनाया जाएगा जिससे नोएडा से जुड़े अन्य राज्यों या शहरों से इकनॉमिक निवेश में बढ़ोतरी हो। प्रस्ताव के पास होने के साथ आरएफपी जारी की जाएगी।

6 लाख लोगों तक पहुंचेगा गंगाजल

26 सेक्टरों के 6 लाख लोगों को मई से मीठा जल (गंगाजल) मिलने लगेगा। इसके लिए तीसरे फेज 37.50 क्यूसेक गंगाजल (90 एमएलडी) परियोजना का 94.50 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। ये काम उप्र जल निगम कर रही है। परियोजना पर 304.18 करोड़ रुपए खर्च किए जा रहे है। इसमें 228.14 करोड़ रुपए प्राधिकरण खर्च कर रहा है। यहां करीब 84 मीटर का एक पैच फंसा हुआ है जिसे बोर्ड में रखा जाएगा।

अप्रत्याशित बोली लगाने वालों की ईएमडी होगी जब्त

वाणिज्यिक विभाग में ई ऑक्शन में हिस्सा लेने के लिए अब ईएसमडी जमा करानी होगी। दरअसल ई ऑक्शन में कुछ लोग अप्रत्याशित रूप से ऊंची बोली लगाकर बिडिंग प्रक्रिया में गड़बड़ करते थे। इसे रोकने के लिए ये प्रस्ताव बोर्ड लाया जाएगा। जिसमें अप्रत्याशित बोली लगाने वालों की 100 प्रतिशत ईएमडी जब्त कर ली जाएगी।

इन प्रस्तावों पर भी लगेगी मुहर

प्राधिकरण के संस्थागत विभाग द्वारा आबंटित आईटी/आईटीईएस भूखंडों व कॉरपोरेट ऑफिस उपयोग के भूखंडों को किराए पर दिए जाने वाले एफएआर के संबंध में प्रस्ताव रखा जाएगा।

उत्तराखंड पब्लिक स्कूल की देयता का मामला भी बोर्ड में प्रस्तावित है। सेक्टर-42 के संशोधित ले आउट प्लान को प्रस्ताव में शामिल किया गया इसके अलावा नक्शा पास कराने की फीस को 15 से बढ़ाकर 25 और सीसी की प्रोसेसिंग फीस 15 से बढ़ाकर 35 रुपए प्रतिवर्गमीटर करने का प्रस्ताव बोर्ड में रखा जाएगा। सेक्टर-163 से व सेक्टर-164 के बीच ग्रीन बेल्ट के भू उपयोग के परिवर्तन किया जाएगा।

पश्चिमी उप्र होगा पहला औद्योगिक हब

पश्चिमी उप्र के इकोनोमिक क्षेत्र ग्रोथ सेंटर के रूप में विकसित करने के लिए एक रीजनल कनेक्टिविटी प्लान तैयार किया जाएगा। इस प्लान को तैयार करने के लिए एक 'थिंक टैंक' बनाया जाएगा। जिसमें अर्बन प्लानिंग, एनवायरमेंटल इंजीनियरिंग, ट्रांसपोर्ट प्लानिंग और शहरी अर्थशास्त्र क्षेत्र के एक्सपर्ट शामिल होंगे।

इस 'थिंक टैंक' को रिजनल कनेक्टिविटी प्लान तैयार करने का काम सौंपा जाएगा। दरअसल, नोएडा, ग्रेटरनोएडा, यमुला एक्सप्रेस वे और डीएनजीआईआर औद्योगिक टाउनशिप रूप में विकसित किए जा रहे है। वेस्ट यूपी के अन्य प्राधिकरण जिसमें गाजियाबाद विकास प्राधिकरण, बुलंदशहर विकास प्राधिकरण, मेरठ, मोदीनगर, हापुड़ विकास प्राधिकरण आदि पर इसका प्रभाव पड़ेगा। इसलिए इसे पूरे क्षेत्र को इकोनोमिक ग्रोथ सेंटर के रूप में विकसित किया जाना है। 23 अप्रैल, 2023 को नोएडा प्राधिकरण की 208 वीं बोर्ड बैठक के दौरान, यूपी के औद्योगिक विकास आयुक्त, मनोज कुमार सिंह ने अधिकारियों को रीजनल इकोनॉमिक जियोग्राफी के आधार पर नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना एक्सप्रेसवे को शामिल करते हुए एक क्षेत्रीय योजना बनाने का निर्देश दिया था। इसके लिए नोएडा प्राधिकरण के नियोजन विभाग को नोडल एजेंसी के रूप में नामित किया।

आईएमआई - 5.0 नेशनल ऑब्जर्वर डॉ. कंचन ने विशेष टीकाकरण अभियान को परखा

नियमित टीकाकरण रोग प्रतिरोधक तंत्र को मजबूत करता है : कंचन

गाजियाबाद, 11 अगस्त (देशबन्धु)। सघन मिशन इंद्रधनुष - पांच (आईएमआई-5.0) की नेशनल ऑब्जर्वर डॉ. कंचन विशेष टीकाकरण अभियान की वस्तुस्थिति देखने के लिए तीन दिन जिले में रहीं और बड़ी बारीकी से अभियान को देखा। इस दौरान वह ऐसे क्षेत्रों में भी गईं जहां नियमित टीकाकरण से वंचित बच्चों की संख्या अधिक है और परिवार टीकाकरण को लेकर कुछ आशंकाओं के चलते आनाकानी कर रहे हैं। इन क्षेत्रों में डब्ल्यूएचओ, यूनिसेफ और स्वास्थ्य विभाग की टीम टीकाकरण से आनाकानी कर रहे परिवारों को कैसे टीकाकरण के लिए तैयार करती हैं। यह देखा और खुद भी उन परिवारों को समझाने का प्रयास किया। उन्होंने बताया कि नियमित टीकाकरण रोग प्रतिरोधक तंत्र को मजबूत कर बच्चों की 12 गंभीर बीमारियों से रक्षा करता है। इसलिए टीकाकरण बड़ा जरूरी है। टीकाकरण के लिए की जा रही काउंसलिंग पर ऑब्जर्वर ने संतुष्टि जाहिर की।

नेशनल ऑब्जर्वर डॉ. कंचन ने स्वास्थ्य विभाग को निर्देश दिए हैं कि सर्वे में चिन्हित किए गए सभी बच्चों का टीकाकरण सुनिश्चित कराएं। एक भी बच्चा टीकाकरण से वंचित न रहे। खासकर मीजल्स- रूबेला (एमआर) को लेकर डॉ. कंचन ने कहा कि दिसम्बर-2023 में एमआर उन्मूलन का लक्ष्य है, इसलिए एमआर का टीका हर बच्चे को हर हाल में लगाना सुनिश्चित करें। उन्होंने यूनिसेफ और डब्ल्यूएचओ प्रतिनिधियों से भी आईएमआई की अच्छे से निगरानी करने की बात कही। डॉ. कंचन आठ, नौ और 10 को जनपद में रहीं और पसौंडा, मिर्जापुर, लोनी और डासना का भ्रमण किया। मुख्य

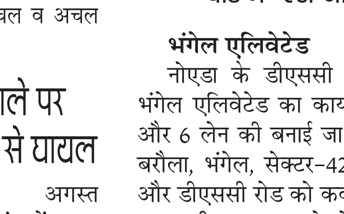

■ टीकाकरण के लिए यूनिसेफ, डब्ल्यूएचओ और स्वास्थ्य विभाग की टीम का काम करने का तरीका देखा

चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डॉ. भवतोष शंखधर ने बताया कि यूनिसेफ, डब्ल्यूएचओ और स्वास्थ्य विभाग की टीम घर-घर जाकर वहां के मुअज्जिज लोगों के सहयोग से टीकाकरण से वंचित बच्चों के परिवारों की काउंसलिंग कर रही हैं। उन्होंने कहा शिशु के जन्म के साथ ही टीकाकरण की जरूरत होती है। इसलिए नियमित टीकाकरण से छूट गए बच्चों को प्रतिरक्षित करने के लिए सघन मिशन इंद्रधनुष का आयोजन किया जाता है। स्वास्थ्य विभाग का प्रयास है कि एक भी बच्चा टीकाकरण से वंचित न रहने पाए।

जिला प्रतिरक्षण अधिकारी (डीआईओ) डॉ. नीरज कुमार अग्रवाल ने बताया कि नेशनल ऑब्जर्वर ने जिले में अपने तीन दिन के प्रवास के दौरान यूनिसेफ, डब्ल्यूएचओ और स्वास्थ्य विभाग की टीमों द्वारा उन परिवारों की काउंसलिंग करने का तरीका देखा जो टीकाकरण कराने में आनाकानी कर रहे थे। इस दौरान डासना एमओआईसी डॉ. भारत भूषण, डब्ल्यूएचओ के सर्विलांस मेडिकल ऑफिसर (एसएमओ) डा. अभिषेक कुलश्रेष्ठ, यूनिसेफ से डीएमसी मोहम्मद शादाब के अलावा मिर्जापुर में बीएमसी मूलशंकर, लोनी में बीएमसी वसीमा और डासना में बीएमसी शहजाद का सहयोग रहा।

डीआईओ डॉ. नीरज कुमार अग्रवाल ने बताया कि टीकाकरण कवरेज के हिसाब से तैयार किए गए कम्युनिकेशन प्लान के बारे में भी ऑब्जर्वर को विस्तार से बताया गया।

रिटायर आईएएस अधिकारी ने पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर किया पीड़ित का नाम हटाने का अनुरोध

गाजियाबाद, 11 अगस्त (देशबन्धु)। कई बार किसी की एक गलती का खामियाजा किसी और को बहुत न पड़ता है और वर्षों से आ रहे संबंधों की प्रगाढ़ता को झटका लग जाता है और संबंधित व्यक्ति को इसका पता भी नहीं चल पाता।

कुछ ऐसा ही जीडीए में सचिव पद पर रह चुके सेवानिवृत आईएएस यू ठाकुर के साथ भी हुआ है। अपना पैन कार्ड किसी और के साथ इंसर्ट होने के बाद यू एन ठाकुर ने जो शिकायत पुलिस में की थी उसमें पुलिस ने गलती से जो आदमी पीड़ित था उसी को आरोपी बना दिया। जो ठाकुर का खानदानी चाचा थे। बस फिर क्या था लंबे समय से संबंधों की प्रगाढ़ता को ऐसा झटका लगा कि खानदानी चाचा को अब यह लगा कि उनके भतीजे यानी यू एन ठाकुर ने ही उनके खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है हालांकि ठाकुर ने इस संबंध में पुलिस को उसकी गलती से अवगत कराया है तब जाकर मामला उन्हें ठीक हुआ है। अब ठाकुर ने मीडिया में अपना बयान जारी करके अपने चाचा को यह विश्वास दिलाने की कोशिश की है कि उनके स्तर पर चाचा के खिलाफ कोई शिकायत नहीं की गई है बल्कि पुलिस की मानवीय गलती के कारण ऐसा हुआ है ठाकुर ने बताया कि बैंक ऑफ बड़ौदा में उनके पेन अकाउंट उनके खानदानी चाचा राजीव नारायण ठाकुर इंसर्ट हो गया था। इस कारण उन्हें बैंक इनकम टैक्स को लेकर शिकायत करनी पड़ी। उन्होंने बताया कि एक शिकायत उन्होंने कवि नगर थाने में भी की थी लेकिन गलती के पुलिस द्वारा राजीव नारायण को ही आरोपी बना दिया जबकि राजीव नारायण ठाकुर को इसकी जानकारी नहीं थी और बैंक की गलती से यह गलत इंसर्ट हुआ था अब उनके चाचा को एक गलतफहमी हो गई है यह है कार्रवाई उन्होंने कराइए जबकि उनका इससे कोई लेना-देना नहीं है उन्होंने इस संबंध में पुलिस को भी लिखकर दे दिया है।

कैपिटल ज़ोन

उवाच “

फोर्टिस अस्पताल ग्रेटर नोएडा में डेंगू के कुछ मामलों में मरीजों को आईसीयू अस्पताल में भर्ती करने की भी आवश्यकता पड़ी है। हम सभी को यह बात समझनी चाहिए कि डेंगू एक गंभीर और जानलेवा बीमारी है और सभी प्रकार के डेंगू के रोगियों का इलाज घर पर नहीं किया जा सकता है। **डॉ. दिनेश कुमार त्यागी, फोर्टिस अस्पताल, ग्रेटर नोएडा एडिशनल डायरेक्टर, इंटरनल मेडिसिन**

यमुना प्राधिकरण ने शिविर लगाकर 11 किसानों को 1.94 करोड़ का अतिरिक्त मुआवजा बांटा

ग्रेटर नोएडा, 11 अगस्त (देशबन्धु)। यमुना एक्सप्रेस वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण ने शुक्रवार को गांव उस्मानपुर में शिविर लगाकर 11 किसानों को 1.94 करोड़ रूपए का अतिरिक्त मुआवजा बांटा। किसानों को अतिरिक्त मुआवजा वितरण करने के साथ प्राधिकरण जमीन पर भी कब्जा ले रहा है।

यमुना एक्सप्रेस वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के ओएसडी शैलेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि किसानों को 64.7 फीसदी अतिरिक्त मुआवजा के लिए प्राधिकरण कार्यालय का चक्कर न लगाना पड़े, इसलिए गांवों में जाकर मुआवजा वितरित किया जा रहा है। किसानों के बीच भूलेख विभाग के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहकर उनके राजस्व रिकार्ड की जांच करते हैं। शुक्रवार को गांव उस्मानपुर में शिविर लगाकर 11 किसानों को 1,93,94,471 रूपए का मुआवजा बांटा गया।

जिन किसानों को अतिरिक्त मुआवजा न मिल पाया है वे अतिरिक्त मुआवजा संबंधित अभिलेख प्राधिकरण कार्यालय सीआर सेल के माध्यम से भूलेख विभाग को उपलब्ध करा दें। अभिलेखों की जांच करने के बाद जल्द अन्य किसानों को भी अतिरिक्त मुआवजा वितरित किया जाएगा।

ओएसडी ने कहा कि किसान किसी बिचौलियों के झांसे में न आए, गांव में ही किसानों को अतिरिक्त मुआवजा दिया जाएगा। इस दौरान तहसीलदार विपिन कुमार समेत भूलेख, परियोजना विभाग के संबंधित अधिकारी और कर्मचारी मौजूद थे।

औद्योगिक भूखंड आबंटन पुरानी पद्धति करने पर लग सकती है मुहर

- **ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की बोर्ड बैठक आज**
- **ओटीएस योजना, किसानों से संबंधित मामलों समेत दर्जन भर प्रस्ताव पर होगी चर्चा**

ग्रेटर नोएडा,11 अगस्त (देशबन्धु)। ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण की बोर्ड बैठक शनिवार को होगी। बैठक में ओटीएस, औद्योगिक भूखंडों का आबंटन पुरानी पद्धति से करने, किसानों से संबंधित मसलों समेत दर्जनभर से अधिक प्रस्ताव रखे जाएंगे।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की बोर्ड बैठक शनिवार को होगी। बैठक की अध्यक्षता चेयरमैन मनोज कुमार सिंह करेंगे। बैठक में दर्जनभर से अधिक प्रस्ताव रखे जाएंगे। प्राधिकरण में अभी तक चार हजार मीटर से बड़े औद्योगिक भूखंडों का आबंटन नीलामी के जरिये होता रहा है। लेकिन, शासन ने नीलामी से आबंटन नहीं करने के लिए कहा है। पहले चार हजार मीटर से छोटे प्लाट ड्रा के जरिये और इससे बड़े औद्योगिक प्लाट साक्षात्कार के जरिये आबंटित किए जाते रहे हैं। अब पुराने पैटर्न पर औद्योगिक भूखंडों का आबंटन करने की तैयारी है। अब इसको लेकर बोर्ड में प्रस्ताव रखा जाएगा। बोर्ड बैठक में बिल्डर-बायर्स को राहत देने के लिए बनी अमिताभ कांत समिति की सिफारिशों को लेकर ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के अधिकारी प्रस्तुतिकरण देंगे। प्राधिकरण इसके नफा-नुकसान की जानकारी देगा। बोर्ड के फैसले के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। आवासीय आबंटियों को दंड ब्याज से छूट देने की योजना है। इसके लिए बोर्ड बैठक में प्रस्ताव रखा जाएगा। अगर प्रस्ताव पास होता है तो करीब 2200 आवंटियों को राहत मिलेगी। बोर्ड को गंगाजल परियोजना की वास्तविक स्थिति से अवगत कराया जाएगा। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के बाहर किसान धरने पर बैठे हैं। किसानों से संबंधित प्रस्ताव भी बोर्ड बैठक में रखे जाएंगे। इसमें आबादी के प्रकरण, बैक लीज, जुर्माना से छूट आदि शामिल है।

व्यापारी व उनके बच्चों का अपहरण करने वाले चार आरोपी गिरफ्तार

- **पुरानी रंजिश में बदला लेने के लिए रची थी साजिश**
- **फरार आरोपी की तलाश में जुटी पुलिस**

ग्रेटर नोएडा,11 अगस्त (देशबन्धु)। सूरजपुर कोतवाली क्षेत्र में गुरुवार को दिनदहाड़े व्यापारी और उसके दो बच्चों का अपहरण करने के प्रयास के मामले में पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। घटना में शामिल एक अन्य आरोपी अभी फरार है। आरोपियों ने बदला लेने की नीयत से घटना को अंजाम दिया था। ज्ञात हो कि कस्बा सूरजपुर में रहने वाले सुभाष कश्यप व उनके दो बच्चों का ब्रेजा कार में सवार आरोपियों ने गुरुवार को दिनदहाड़े अपहरण का प्रयास किया था। विरोध करने पर मारपीट कर दी थी।

घटना को अंजाम देने में असफल रहे आरोपी पीड़ित व उनके बच्चों को छोड़कर फरार हो गए थे। पीड़ित सुभाष कश्यप बच्चों को स्कूल से घर लेकर जा रहे थे। आरोप है कि रास्ते में ब्रेजा कार सवार चार लोगों ने ओवरटेक कर उनकी गाड़ी को रोक लिया था और चाबी छीनकर जबरन अंदर घुस गए थे।

आरोपियों ने सुभाष व उनके दोनों बच्चों को कार में बंधक बना बुरी तरह पीटा था। इस मामले में दो नामजद समेत चार लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। पुलिस ने इस मामले में कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी रोहित और उसके तीन साथियों अभिषेक, मयंक और रण विजय निवासी मेरठ को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि एक आरोपी दीपक अभी फरार है। पुलिस की टीम उसकी तलाश में जुटी है।

पुलिस पूछताछ में आरोपी रोहित ने बताया कि 14 जून को उनके परिवार का सुभाष कश्यप के परिवार से झगड़ा हुआ था। जिसमें सुभाष कश्यप के परिवार ने उनके खिलाफ ईकोटेक-तीन कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया था। इस मुकदमे में रोहित का भाई जेल गया था। इस मामले में रोहित पक्ष के लोगों ने भी सुभाष कश्यप पक्ष के लोगों पर मुकदमा दर्ज कराने का प्रयास किया, लेकिन उनका मुकदमा दर्ज नहीं हुआ। इसके बाद से वह खुद को कमजोर समझने लगे। इसी बात की उन्हें ठेस पहुंची थी। इसके बाद से रोहित और उसका परिवार सुभाष कश्यप के परिवार से रंजिश मान रहा था। उसी दिन से वह बदला लेने की फिराक में थे।

सार संक्षेप

ग्रामीणों ने दबोचा शिकारी पुलिस को सौंपा

... अंतर्गत जंगल में शिकार करने वाले एक युवक को ग्रामीणों ने धर दबोचा। जबकि उसके 2 साथी फरार हो गए। आरोपी के पास से एक मृत सारस भी बरामद हुआ है। मौके पर पहुंची पुलिस ने अभियुक्त को गिरफ्तार कर सम्बंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है तथा अन्य आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस अनुसार गांव चचूरा में पुलिस वाहन जांच कर रही थी। इसी दौरान गांव म्याना के जंगल मे वन्य जीवों के शिकार करने की सूचना मिली। मौके पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से घेराबंदी कर एक युवक को दबोच लिया जबकि उसके दो साथी फरार हो गए। तलाशी लेने पर उसके बैग से एक मृत सारस बरामद किया गया। स्थानीय लोगों की मानें तो क्षेत्र में पहले भी हिरन, नीलगाय, मोर व अन्य वन्य जीवों के शिकार किये जाने के मामले सामने आ चुके हैं।

ट्रांसफार्मर में लगी आग, आपूर्ति ठप

रबूपुरा। शुक्रवार सुबह कस्बे में लगे ट्रांसफार्मर में आग लगने से करीब आधे कस्बे की बिजली गुल हो गई। जिससे उपभोक्ताओं को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। कस्बे के निवासियों का कहना है कि विगत कुछ दिन से विद्युत आपूर्ति ठीक नहीं है। जिसकी लगातार शिकायत के बाद भी समाधान नहीं किया जा रहा है। कभी ट्रांसफार्मर में आग लग जाती है तो कभी मशीन जल जाती है। शुक्रवार को कस्बे के मोहल्ला आजाद नगर (टंकीवाला)में रखा 4सौ केवीए ट्रांसफार्मर में अचानक आग लग गई और देखते ही देखते ट्रांसफार्मर धू-धू कर जलने लगा। जिसके बाद करीब आधे कस्वे की बिजली गुल हो गई जो शाम तक भी सुचारू नहीं हो पाई। दो दिन पहले भी बिजली घर की मशीन में आग लगने से दर्जनों गांव की बिजली गुल हो गई थी जो करीब 12 घंटे बाद सुचारू हो पाई थी।

उप्र लिफ्ट व एस्केलेटर अधिनियम अगले सत्र तक विधानसभा में आएगा

ग्रेटर नोएडा,11 अगस्त (देशबन्धु)। उत्तर प्रदेश में लिफ्ट एस्केलेटर अधिनियम अगले विधानसभा सत्र में आएगा। नोएडा-ग्रेटर नोएडा में आए दिन बहुमंजिला इमारतों में लिफ्ट को लेकर हादसे होते रहते है, कोई कानून न होने के कारण किसी की कोई जवाबदेही नहीं होती है। अधिनियम लागू होने पर ऐसे हादसे पर रोक लग सकती है। विधानसभा सदन में धीरेंद्र सिंह द्वारा लगाए गए नियम 51 के तहत वक्तव्य में, प्रदेश के ऊर्जा मंत्री अरविंद कुमार शर्मा ने दी। जेवर के विधायक धीरेंद्र सिंह ने जब यह जानना चाहा कि अध्यक्ष मेरी अभिलाषा सिर्फ इतना जानने की है, कि आखिर कब तक यह एक्ट विधानसभा के पटल पर रखा जा सकेगा। जिसके जवाब में प्रदेश के ऊर्जा मंत्री ने कहा कि आगामी विधानसभा सत्र तक इसे रखा जाएगा। इसका ड्राफ्ट बना लिया गया है।

विधानसभा सत्र के दौरान जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह के सवाल पर ऊर्जा मंत्री अरविंद कुमार शर्मा ने दिया जवाब

बता दें कि एनसीआर क्षेत्र में लिफ्ट में फंसकर हो रही, निरंतर दुर्घटनाओं और वर्षों से हाई राइज बिल्डिंग में रहने वाले लोगों की निरंतर उठ रही आवाज को देखते हुए, जेवर के विधायक धीरेंद्र सिंह ने विगत दिनों मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के समक्ष 8 अगस्त को, उत्तर प्रदेश में लिफ्ट अधिनियम को लागू किए जाने के संबंध में मुलाकात की थी। प्रदेश के मुख्यमंत्री ने पूर्ण आश्वस्त किया था कि शीघ्र ही हम अधिनियम लाए जाने पर विचार कर रहे हैं।

उसके बाद जेवर के विधायक धीरेंद्र सिंह ने विधानसभा की नियमावली के नियम 51 के तहत, लोक महत्व के अविलंबनीय इस मुद्दे पर सदन का ध्यान आकृष्ट करते हुए, सरकार से वक्तव्य देने की मांग की थी, जिसके जवाब में आज ऊर्जा मंत्री का वक्तव्य विधानसभा में आया। धीरेंद्र सिंह ने बताया कि अधिनियम बनने के बाद लिफ्ट का निर्माण और संचालन करने वाले लोगों की जिम्मेदारी तय हो जाएगी, और लापरवाही की दशा में लापरवाही करने वाले लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जा सकेगी, साथ ही बनाए जा रहे ड्राफ्ट में सुरक्षा के पूरे प्रावधान किया जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम उम्मीद करते हैं कि हमारी सरकार आगामी सत्र में उत्तर प्रदेश को एक बेहतर लिफ्ट और एक एस्केलेटर कानून दे पाएगी।

औद्योगिक क्षेत्र में उद्यमियों को लेकर आईआईए ने समस्या को उठाया

ग्रेटर नोएडा,11 अगस्त(देशबन्धु)। इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (आईआईए) की नई कार्यकारिणी गठन होने के बाद शुक्रवार को ग्रेटर नोएडा प्रेस क्लब स्वर्ण नगरी में परिचय संवाद का आयोजन किया गया, जिसमें चैप्टर चेयरमैन राकेश बंसल, चेयरमैन इंडस्ट्रियल पार्क बी.आर. भाटी, राष्ट्रीय सचिव विशारद गौतम, सचिव सर्व जीत सिंह, कोषाध्यक्ष विपिन माहना, जे.एस. राणा, मनोज सिराधना, अजय राणा, जगदीश अधाना, मुकेश गुप्ता, गौरव मिंडा, मनोज ग्रोवर, राकेश कुमार, सोमेश कौशिक, नवीन गुप्ता, सुरेन्द्र बंसल ने प्रतिभाग किया। चैप्टर चेयरमैन राकेश बंसल ने कार्यकारणी सीमित के सदस्यों का परिचय कराया। सचिव सरबजीत सिंह ने उद्योगों के सामने आ रहीं दिक्कतों को साझा किया।

- **ई-ऑक्शन पॉलिसी को यूपीएसआईडीए ने नहीं लिया संज्ञान, वापस ले यूपीएसआईडीए**
- **आईआईए की नई कार्यकारिणी गठन के बाद प्रेस क्लब में किया संवाद**

जिसमें यातायात पुलिस ने ग्रेटर नोएडा औद्योगिक शहरी क्षेत्र में माल ढोने वाले वाहनों को मुख्य मार्गों पर प्रवेश निकास पर जो प्रतिबंध लगाया है उसका कोई वैकल्पिक मार्ग अभी तक नहीं बताया गया है, उद्यमियों की छोटे चार पहिया माल वाहक वाहनों को इस प्रतिबंध से बाहर रखने वाली प्रार्थना का भी अभी तक कोई समुचित उत्तर नहीं मिला। उद्योगों के लिए देनदारियां को अदा करने व आवश्यक कंप्लायंस पूरी करने के लिए एक 'वन टाइम स्कीम योजना' संबंधित प्राधिकरणों द्वारा चलाए जाएं जिससे उद्यमी अपना बकाया सहेज अदा कर सकें। सीएक्यूएम के सीटीओ प्रमाणीकरण का मुद्दा सभी एमएसएमई उद्योगों को ग्रिड द्वारा आपूर्त की जा रही ऊर्जा में व्यवधान आने पर उद्योग की निरंतरता को बनाए रखने के लिए विद्युत उत्पादन करने में प्रमाणित ड्यूअल फ्यूल जनरेटरों की लागत और उपलब्धता एवं सीटीए न होने पर बंदी कारण, विद्युत आपूर्ति डिस्कनेक्शन आदि परेशानियों को मीडिया के समक्ष रखा, 1 सितम्बर से ग्रेप के प्रतिबंध उद्योग को प्रभावित करेंगे। यमुना, ग्रेटर नोएडा व नोएडा प्राधिकरणों ने औद्योगिक भूखंडों की ई ऑक्शन पॉलिसी को वापस ले लिया है लेकिन यूपीएसआईडीए ने अभी तक इस पर कोई संज्ञान नही लिया है, यूपीएसआईडीए भी इस पॉलिसी को वापस ले। नए विकसित हो रहे यमना और न्यू नोएडा के औद्योगिक क्षेत्र में आईआईए का एक औद्योगिक पार्क आबंटित करने की प्रक्रिया में आगे बढ़े हैं, सरकार की पॉलिसी के मद्देनजर नोटिफाइड क्षेत्र में ये प्रयास करेंगे।

बच्चों को सड़क सुरक्षा, अग्निशमन, बम निरोधक व महिला अधिकारियों ने किया जागरुक

ग्रेटर नोएडा, 11 अगस्त (देशबन्धु)। सेंट जोसेफ स्कूल में सामाजिक सुरक्षा के तहत एक गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें महिला सुरक्षा अग्नि सुरक्षा, यातायात सुरक्षा एवं अन्य दुर्घटनाओं से बचे रहने के भिन्न-भिन्न तरीके बतला कर स्कूल परिवार को जागरूक किया गया। इस गोष्ठी में कक्षा 9वीं से 12वीं तक के सभी विद्यार्थी उपस्थित रहे। गोष्ठी में अपने विचार व्यक्त करने के लिए मुख्य अग्नि सुरक्षा आयुक्त प्रदीप चौधरी महिला थाना प्रभारी सरिता सिंह, यातायात पुलिस अधिकारी राजेश कुमार यादव, बम निरोधक अधिकारी अवनीश कुमार एवं बीटा 2 पुलिस थाना पूछताछ अधिकारी नीलम रानी उपस्थिति रही। अतिथियों ने यातायात के नियमों की जानकारी देते हुए बताया कि 18 वर्ष से कम उम्र के व्यक्ति को वाहन नहीं चलाना चाहिए। वाहन चलाते समय सीट बेल्ट तथा हेलमेट का प्रयोग अनिवार्य रूप से करना चाहिए। ओवर स्पीड से बचना चाहिए तथा यह भी बताया कि कोई भी आकर्षित वस्तु मिलने पर उसे उठाना नहीं चाहिए, क्योंकि वह कोई विस्फोटक पदार्थ भी हो सकता है। किसी भी प्रकार की कोई विस्फोटक वस्तु की जानकारी मिलने पर पुलिस को खबर करनी चाहिए ना कि अफवाह फैलानी चाहिए। इस सेमिनार में छात्रों को महिला सुरक्षा के प्रति भी जागरूक किया गया तथा छात्रों को महिलाओं का सम्मान करने के लिए प्रेरित किया गया।

स्कूल प्रशासन की तरफ से प्रधानाचार्य फादर ऑलविन पिंटो ने सभी का धन्यवाद देते हुए आभार व्यक्त किया और कहा कि सभी विद्यार्थी अपने जीवन में नियमों का पालन करेंगे तथा अपने परिवारजनों को भी जागरूक करेंगे।

भारत में अंगदान में हुई 27 फीसदी की बढ़ोत्तरी

ग्रेटर नोएडा,11 अगस्त (देशबन्धु)। अंगदान जरूरतमंद लोगों को जीवन का उपहार देकर एक बार फिर से जिंदगी जीने का मौका देता है। भारत में 4.5 लाख पंजीकृत अंगदान दाताओं के साथ बढ़ती संख्या से स्पष्ट कि लोगों में अंगदान के बारे में जागरुकता बढ़ रही है, वे अपनी इच्छा से जरूरतमंद लोगों का जीवन बचाने में योगदान देना चाहते हैं।

भारत में ट्रांसप्लान्ट्स की संख्या में 27 फीसदी की उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है। जो अंगदान और इसकी जीवन बचाने की क्षमता के बारे में बढ़ती जागरुकता की पुष्टि करती है। इस अवसर पर डॉ. मनोज लूथरा, सीईओ एवं डायरेक्टर, जेपी हॉस्पिटल ने कहा कि मरीजों के जीवन की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए अंगदान को बढ़ावा देना बहुत जरूरी है। जेपी हॉस्पिटल ने सार्वजनिक वार्ताओं, जागरुकता सत्रों के माध्यम से एवं सहानुभूति को बढ़ावा देकर अंगदान के बारे में जागरुकता बढ़ाने के लिए सक्रिय प्रयास किए हैं। अब तक 350 सफल लिवर ट्रांसप्लानट और 890 किडनी ट्रांसप्लान्ट्स के साथ जेपी हॉस्पिटल कीमती जिंदगियां बचाने के प्रयासों को जारी रखे हुए है। ट्रांसप्लान्ट के बारे में बात करते हुए डॉ. के. आर. वासुदेवन, डायरेक्टर, डिपार्टमेन्ट ऑफ लिवर ट्रांसप्लान्ट, जेपी हॉस्पिटल ने कहा कि लिवर ट्रांसप्लान्ट के लिए किया गया अंगदान, फिर चाहे वह जीवित या मृतक व्यक्ति द्वारा किया जाए, उन मरीजों को उम्मीद की नई किरण देता है।

एआई, एमएल, डाटा साइंस में इंटर्नशिप कराएगा एकेटीयू

- **बीटेक, एमटेक, एमसीए व एमबीए छात्रों के लिए नि:शुल्क**
- **चार से आठ सप्ताह का ऑनलाइन सर्टिफिकेट कोर्स**

ग्रेटर नोएडा,11 अगस्त (देशबन्धु)। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय बीटेक, एमटेक एमबीए और एमसीए के छात्र के लिए सुनहरा अवसर लेकर आया है। आधुनिक तकनीकी से प्रशिक्षित करने के लिए विश्वविद्यालय वाईबीआई फाउंडेशन के साथ मिलकर नई उभरती तकनीकी में इंटर्नशिप कराने जा रहा है। चार से आठ सप्ताह के इस सर्टिफिकेट कोर्स के दौरान विशेषज्ञ छात्रों को मल्टीनेशनल कंपनियों की मांग के अनुसार तैयार करेंगे। यह ऑनलाइन कोर्स छात्रों के लिए नि:शुल्क रहेगा। इसमें शामिल होने के लिए छात्रों को 25 अगस्त तक पंजीकरण कराना होगा। विश्वविद्यालय से जुड़े साढ़े सात सौ से ज्यादा संस्थानों के छात्र इसमें भाग लेंगे। विवि के कुलपति प्रो0 जेपी पांडेय के निर्देशन में ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट विभाग की ओर से छात्रों के लिए यह सर्टिफिकेट कोर्स कराया जा रहा है। विभाग की डीन प्रो0 अरूणिमा वर्मा के नेतृत्व में कोर्स ऑनलाइन होगा। इसमें विशेषज्ञ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, पाइथन, क्लाउड कम्प्यूटिंग, एनालिटक्स, डाटा साइंस में प्रशिक्षित करेंगे। दरअसल वर्तमान में इन तकनीकियों का तेजी से चलन बढ़ा है। ज्यादातर कंपनियां इनमें प्रशिक्षित छात्रों को अधिक मौका दे रही हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए यह इंटर्नशिप प्रोग्राम किया जा रहा है। इस ऑनलाइन कोर्स में बीटेक सीएसई, आईटी, ईई, ईईई, ईसी, मैकेनिकल, सिविल और केमिकल इंजीनियरिंग सहित अन्य ब्रांच के अलावा एमबीए और एमसीए एमटेक छात्र हिस्सा ले सकते हैं। इसके लिए छात्रों को पंजीकरण कराना होगा। पंजीकरण करने के लिए छात्र विश्वविद्यालय की वेबसाइट देख सकते हैं। छात्रों को एक महीने के कोर्स के दौरान प्रशिक्षण उद्योग और तकनीकी विशेषज्ञ देंगे। जिससे की छात्र सीधे इंडस्टी की मांग के अनुसार तैयार हो सकें।

इस दौरान छात्रों के लिए डाउट सेशन भी होगा। जिसमें वो अपनी समस्याएं विशेषज्ञों से पूछ सकेंगे। जिसका अनुभव छात्रों को आगे काम आएगा। वहीं छात्रों को साक्षात्कार के लिए तैयार किया जाएगा। साथ ही बायोडाटा बनाने का भी प्रशिक्षण दिया जाएगा।

डेंगू का बढ़ रहा है प्रकोप, लापरवाही हो सकता है जानलेवा : डॉ. त्यागी

ग्रेटर नोएडा,11 अगस्त (देशबन्धु)। मानसून के सीजन में राजधानी दिल्ली-एनसीआर के इलाकों में डेंगू के बढ़ते के प्रकोप को लेकर डॉक्टर्स ने अपनी चिंता व्यक्त की है। चिकित्सा विशेषज्ञों का कहना है कि डेंगू के मच्छरों के पनपने की जगह से छुटकारा पाना ही इसके बचाव का सबसे अच्छा विकल्प है। इस बीमारी को फैलने से रोकने के लिए सभी को मिलकर प्रयास करने और सावधान रहने की आवश्यकता है। डेंगू होने पर डॉक्टर्स खुद से इलाज करने की प्रवृत्ति से बचने की सलाह देते हैं। फोर्टिस अस्पताल, ग्रेटर नोएडा के एडिशनल डायरेक्टर, इंटरनल मेडिसिन, डॉ. दिनेश कुमार त्यागी, डेंगू की गंभीरता को ध्यान में रखने पर बल देते हुए कहते हैं, 'फोर्टिस अस्पताल ग्रेटर नोएडा में डेंगू के कुछ मामलों में मरीजों को आईसीयू अस्पताल में भर्ती करने की भी आवश्यकता पड़ी है। हम सभी को यह बात समझनी चाहिए कि डेंगू एक गंभीर और जानलेवा बीमारी है और सभी प्रकार के डेंगू के रोगियों का इलाज घर पर नहीं किया जा सकता है। कुछ मरीजों में इसके गंभीर लक्षण दिखाई देते हैं, जिनमें तेज बुखार, शरीर में दर्द, आंतरिक रक्तस्राव और सांस फूलना शामिल है। ऐसे रोगियों को तत्काल विशेषज्ञों की देखरेख में समुचित इलाज दिलाने की देने की नितांत आवश्यकता होती है। डॉ. त्यागी के अनुसार डेंगू हो जाने पर निम्नलिखित बातों का विशेष ध्यान रखें-

तेज दर्द निवारक दवाओं का न करें प्रयोग- डेंगू होने पर उसकी जटिलताओं को रोकने के लिए, सभी को डिस्प्रिन जैसी तेज दर्द निवारक दवाओं और अन्य ओवर-द-काउंटर मिलने वाली दवाओं के जरिए खुद से इलाज करने से बचना चाहिए। तेज दर्द निवारक दवाएं लेने से अन्य जटिलताओं के साथ-साथ शरीर में आंतरिक रक्तस्राव व प्लेटलेट्स कमी हो सकती है। इनके बजाय डेंगू होने पर हल्के लक्षणों को पैरासिटामोल और ठंडे पानी के स्पॉन्जिंग से नियंत्रित किया जा सकता है। यदि लक्षण बने रहते हैं या बिगड़ जाते हैं तो तुरंत डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी हो जाता है।

भरपूर पिएं पानी और खाएं ताजा भोजन- डेंगू का बुखार हो जाने पर सभी को भरपूर पानी पीना चाहिए, विटामिन, फल और ताजा पका हुआ भोजन खाना ही स्वास्थ्य के लिए बेहतर रहता है। डेंगू की चपेट में आने पर दूषित भोजन और उससे होने वाली बीमारियों के किसी भी खतरे को रोकने के लिए बासी या खुले भोजन से परहेज करना बेहद आवश्यक है।

मच्छर निरोधक क्रीम, मच्छरदानी का करें प्रयोग - सुनिश्चित करें कि बच्चे जब खेलने के लिए बाहर जाएं तो उनके खुले अंगों पर सुरक्षित मच्छर निरोधक क्रीम लगाएं। खिड़कियों और दरवाजों पर जाली और मच्छरदानी का उपयोग करने से भी घरों के अंदर मच्छरों का प्रकोप कम किया जा सकता है। डेंगू की बीमारी को रोकना सभी की एक सामूहिक जिम्मेदारी है। स्थानीय अधिकारियों, निवासियों और स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों को जागरूकता पैदा करने और प्रभावी मच्छर नियंत्रण उपायों को लागू करने के लिए मिलकर काम करना चाहिए। डेंगू का प्रकोप बढ़ने के से रोकने और इस वेक्टर जनित बीमारी से सुरक्षित रहने के लिए एक समुदाय के रूप में सभी को एकजुट होना होगा। डेंगू के बुखार का शीघ्र पता लगाने और चिकित्सीय सलाह से इसके प्रसार पर काफी हद तक अंकुश लगाया जा सकता है और सभी के लिए एक स्वस्थ भविष्य सुनिश्चित किया जा सकता है।

डेंगू की रोकथाम के लिए विशिष्ट उपाय किए जाने चाहिए

उचित पोशाक पहनें - मच्छरों को काटने से रोकने के लिए, विशेष रूप से बच्चे और बुजुर्ग पूरी आस्तीन के कपड़े पहनें। रिहायशी इलाकों और आसपास पानी को जमा होने से रोकें, यह मच्छरों के लिए प्रजनन स्थल के रूप में काम करता है। नियमित रूप से घर में कंटेनरों को खाली और साफ करें और बाथरूम के अंदर पानी की बाल्टियां रखने से बचें।

ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण

भूखण्ड संख्या-01, सैक्टर-नॉलेज पार्क-4, ग्रेटर नोएडा सिटी-201310 जिला-गौतमबुद्ध नगर।

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम/सैक्टर-पतवारी की प्रस्तावित आबादी में आवंटित आवंटन संख्या-पी.ए.टी.0194, भूखण्ड संख्या-32, क्षेत्रफल -990 वर्ग मीटर श्री बत्तन, योगेन्द्र शर्मा, भूषण शर्मा, तरूण शर्मा पुत्रगण श्री हरकेश, श्री लीला निवासी-ग्राम-मिलक लच्छी, जिला-गौतमबुद्धनगर, उ०प्र० के पक्ष में आवंटित किया गया था। सहः आवंटी श्री बत्तन पुत्र श्री हरकेश की मृत्यु के उपरांत इनके वारिसानों सर्वश्री गोविन्द, महेश शर्मा, विरेन्द्र शर्मा पुत्रगण स्व० श्री बत्तन, श्रीमती शकुन्तला पत्नी स्व0 श्री बत्तन, श्रीमती कविता (विवाहित) पुत्री स्व० श्री बत्तन, निवासी-ग्राम- मिलक लच्छी, ग्रेटर नोएडा, जिला-गौतमबुद्धनगर, उ0प्र0 में से सर्वश्री गोविन्द, महेश शर्मा, विरेन्द्र शर्मा पुत्रगण स्व० श्री बत्तन, निवासी-ग्राम- मिलक लच्छी, ग्रेटर नोएडा, जिला-गौतमबुद्धनगर, उ0प्र0 द्वारा अपने पक्ष में नामांतरण करने हेतु नामांतरण प्रपत्र एवं शपथ-पत्र प्रस्तुत किये गये है। अतः इस नामांतरण के संबंध में किसी को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन की तिथि से 35 दिन के अन्दर अपनी लिखित आपत्ति कार्यालय में दर्ज कराने का कष्ट करें, अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण अभिलेखो में इनके वारिस सर्वश्री गोविन्द, महेश शर्मा, विरेन्द्र शर्मा पुत्रगण स्व० श्री बत्तन, निवासी-ग्राम- मिलक लच्छी, ग्रेटर नोएडा, जिला- गौतमबुद्धनगर, उ0प्र0 के पक्ष में उक्त भूखण्ड नामांतरित कर दिया जायेगा।

प्रबन्धक (कृषक आबादी)
ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण

पत्र नहीं मित्र
देशबन्धु
पश्चिमी उत्तर प्रदेश ब्यूरो कार्यालय
209 कृष्णा अपरा प्लाजा अल्फा कॉमर्शियल बेल्ट, ग्रेटर नोएडा
समाचार, विज्ञापन एवं प्रसार के लिए संम्पर्क करें
खोया-पाया/ सूचना/ नाम परिवर्तन/ आवश्यकता
फोनः- 0120-4270009

देशबन्धु
समाचार, विज्ञापन एवं प्रसार के संपर्क करें
क्षेत्रिय कार्यालय रबुपुरा
Mob: 9411492655

Shiv Mahima Enterprises
सभी प्रकार के विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें
नाम परिवर्तन, खोया पाया, सूचना, अवश्यकता
Mob.: 9910280173
Off.-221, 2nd Floor, Meridian View Plaza, Alpha Comm. Belt, Gr. Noida

अभिमत

सीधी सी बात थी, मणिपुर पर मोदी का मौन व्रत तुड़वाना था। सामूहिक बलात्कार, नरसंहार पर बेहिस-बेग़ैरत सरकार को संसद के ज़रिये एक्सपोज करना था, तो अविश्वास प्रस्ताव ही एक रास्ता बचा था, जिसपर व्यापक बहस होती। लेकिन हुआ क्या? एक ऊंट की शादी हो रही थी। शादी में गधे गीत गा रहे थे। गधों ने ऊंट के रूप की बड़ाई करते हुए कहा, 'अहो रूपम' अर्थात, 'आप क्या लग रहे हैं!' ऊंट ने भी शिष्टाचार धर्म का पालन करते हुए कहा, 'अहो ध्वनि' अर्थात 'क्या आवाज है आपकी!'

अहो रूपम, अहो ध्वनि!

पुष्परंजन

सवाल तीन थे। पहला, मणिपुर में हिंसा भड़कने के तीन महीने बाद भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मणिपुर क्यों नहीं गए? दूसरा, मणिपुर पर बोलने के लिए प्रधानमंत्री को 80 दिन क्यों लगे? और तीसरा, प्रधानमंत्री मोदी ने मणिपुर के मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह को बर्खास्त क्यों नहीं किया? मोदी ने किसी का उत्तर नहीं दिया।

बकवास करो
हर बार करो – गर बिकता है।
बेबात हँसो,
बकवास करो।

रवीन्द्र दास की शुरू की दो, और आख़िरी की दो लाइनों की याद गुरुवार शाम अनहद आती रही। संसद में थकाऊ और लंबे भाषण पर मोदी मन भाये वाले सभासद थक नहीं रहे थे। दूसरी ओर सोशल मीडिया पर समर्थन कम और लानत का समां अधिक बंधा हुआ था। संसद में कभी मेज का थपथपाना, तो कभी 'मोदी-मोदी' के नारे को चुनावी मंच बना चुके थे ट्रेजरी बेंच पर विराजे महानुभाव। मणिपुर पर प्रधानमंत्री जब बोल रहे थे, उस अभागे प्रांत से एक ख़बर आई, जिसे एजेंसियों ने सत्रावसान के बाद चलने दी। ख़बर थी, सामूहिक बलात्कार की। आजकल सामूहिक बलात्कार, मॉब लिचिंग की ख़बरें सन्नाटे को चीर नहीं पाती। सुनने वालों के कानों, दिलो-दिमाग़ से गुज़र जाती हैं ऐसी ख़बरें। हमारी इंद्रियों को स्मार्ट फोन ने इंगेज कर रखा है। अधिकांश की आत्मा मर चुकी है। विगत दस वर्षों में नेटीजंस की जो पौध झाड़-झंखाड़ की तरह उग आई, उनमें संवेदना को कुंद करने का काम बड़े पैमाने पर हुआ है।

प्रधानमंत्री मोदी इन दिनों अदालत से प्रसन्न नहीं दीखते। संसद में उनके एक वाक्य से न्यायालय के प्रति उनकी जुगुप्सा यों जाहिर हुई, 'मणिपुर पर अदालत का फैसला आया। अब अदालतों में क्या हो रहा है, ये हम जानते हैं।' प्रधानमंत्री अदालत से नाखुश केवल मणिपुर में आदिवासी समुदाय को आरक्षण और उसके बाद बेकाबू दावानल से नहीं हैं, राहुल गांधी के लिए संसद में वापसी का रास्ता सुप्रीम कोर्ट के बज़रिये जिस तरह प्रशस्त हुआ, वह सबसे अधिक कष्ट का कारण है।

मोदी ने संभवत: सोचा नहीं था कि रावण, विभीषण, कुंभकरण शब्दों के माध्यम से संसद में साक्षात किये जाएंगे। ठीक से देखा जाए तो संसद में राहुल का सर्वाधिक सशक्त और मारक 'सर्जिकल स्ट्राइक' रहा है। ट्रेजरी बेंच में तिलमिलाहट से साफ नज़र आ रहा था कि राहुल के शब्दभेदी वाण से वो आहत हैं। अक्सर मुस्कुराते रहने और निश्चिंत भाव-भंगिमा वाले लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला को पहली बार देश ने ग़ुस्से में देखा। आसन पर बेचैनी से करवटें बदलते देखकर उनकी असहज स्थिति का अंदाज़ा आसानी से लगाया जा सकता था।

गुरूवार को विश्व गुरू के बोलने से पहले पूरे देश को यही अंदाज़ा था कि 'इंडिया' और ख़ुसूसन राहुल गांधी पर वो अग्निवाण छोड़ेंगे। राहुल को शब्दों से वो वेध देंगे। मगर, मालूम नहीं क्यों मोदी के शब्द फुस्स फुलझरी साबित हुए। अब संभवत: लालक़िले के प्राचीर से प्रधानमंत्री शब्दों के गोले दागें। लेकिन कितना भी अच्छा नाचने वाला मोर जब अपने पैरों की ओर देखता है, थम जाता है। मणिपुर भी मोर के पांव की तरह पीएम मोदी के पादुका में प्रत्यारोपित हो चुका है। मोदी ने तो शायद मणिपुर पर चुप रहने की ठान ली थी, मगर विपक्ष की व्यूह रचना ने उन्हें बोलने पर विवश कर दिया। मणिपुर पर मोदी क्या विपक्ष के बायकॉट का इंतज़ार कर रहे थे?

लोकसभा में देश के प्रधानमंत्री के बयानों पर मुलाहिज़ा कीजिए, 'महिलाओं के साथ गंभीर अपराध हुए। यह अपराध अक्षम्य है। दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलवाने के लिए हम भरपूर प्रयास कर रहे हैं। जिस प्रकार से प्रयास चल रहे हैं, निकट भविष्य में शांति का सूरज जरूर उगेगा। मणिपुर फिर एक बार नए आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ेगा। मैं मणिपुर के लोगों से भी आग्रहपूर्वक कहना चाहता हूं। वहां की माताओं, बहनों, बेटियों से कहना चाहता हूं- देश आपके साथ है। यह सदन आपके साथ है। हम सब मिलकर इस चुनौती का समाधान निकाल लिया, वहां शांति की स्थापना होगी। मणिपुर फिर विकास की राह पर तेज गति से आगे बढ़ेगा। प्रयासों में कोई कसर बाकी नहीं रहेगी।'

लेकिन सरकार से ग़लतियां हुईं। पूरा सिस्टम फेल कर गया। क़ानून-व्यवस्था की धज्जियां उड़ीं, यह क्यों नहीं स्वीकार करते प्रधानमंत्री मोदी? म्यांमार से 1643 किलोमीटर सीमा पूर्वोत्तर के चार राज्यों अरूणाचल प्रदेश, नगालैंड, मणिपुर और मिज़ोरम साझा करते हैं। मणिपुर के पांच ज़िले 400 किलोमीटर लंबी म्यांमार सीमा से लगे हैं। इसकी सुरक्षा की ज़िम्मेदारी क्या कांग्रेस के हवाले कर रखी है अमित शाह और राजनाथ सिंह ने? दंगाग्रस्त मणिपुर संभाल नहीं पा रहे हैं, ठीकरा फोड़ रहे हैं कांग्रेस पर। अमित शाह ने संसद में कहा, 'मैं विपक्ष की इस बात से सहमत हूं कि वहां हिंसा का तांडव हुआ है। हम मानते हैं कि जो हुआ है वो शर्मनाक है, लेकिन उस पर राजनीति करना उससे भी शर्मनाक है।'

सबसे बड़ी बात जवाबदेही की है। मणिपुर में फोर्स की तैनाती का आदेश जिस मंत्री ने दिया, यदि वहां शांति स्थापना में विफल हो जाता है, तो इस विफलता का जिम्मा कांग्रेस पर नहीं थोप सकते। अमित शाह का मणिपुर घूमकर आना इतना महत्वपूर्ण नहीं, जितना कि वहां शांति बहाली। फिर तो यह भी पॉलिटिकल टूरिज़्म हुआ। कल तक आपकी जो सांसद, प्रवक्ता इम्फाल में मणिपुरी नृत्य कर रहे थे, आज सीन से क्यों ग़ायब हैं? स्मृति ईरानी को राहुल गांधी की फ्लाइंग किस पर पीड़ा हो रही है, लेकिन मणिपुर में सामूहिक बलात्कार की लगातार हो रही घटनाओं से कोई कष्ट नहीं हो रहा। सत्ता के अहंकार ने स्मृति जैसी महिलाओं को कैसे काठ कलेजा कर दिया?

मणिपुर के संदर्भ में केंद्र सरकार द्वारा पोषित-पल्लवित राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) की भूमिका भी पीड़ादायक है। जनवरी 1992 में बनी इस संस्था का गठन देशभर में महिलाओं पर हो रहे ज़ुल्मों-सितम को रोकना, जेंडर जागरूकता, पीड़ित महिलाओं की खोज ख़बर लेने के उद्देश्य से किया गया था। महिलाओं के विरूद्ध हिंसा, यौन उत्पीड़न करने वालों को कहीं से नहीं बख़्शाना, महिला सशक्तीकरण जैसे लक्ष्यों को लेकर बनी संस्था क्या वाकई मणिपुर के संदर्भ में कुछ कर पाई? 19 जनवरी, 2023 के बाद एनसीडब्ल्यू की किसी भी गतिविधि की सूचना इनके पोर्टल पर नहीं है।

राष्ट्रीय महिला आयोग कांग्रेस के समय जैसा था, आज भी लगभग वैसा ही है। बस, किरदार बदल गये हैं। 2 अक्टूबर, 1994 को रामपुर तिराहा रेप कांड की शिकार औरतों को ढूंढने मैं ऊखी मठ पहुंच गया था, तब राष्ट्रीय महिला आयोग की एक टीम चमोली ज़िले के पिंडर में फूलों की घाटी की सैर करने गई थी। शायद कुछ और पत्रकार अनुभव साझा करें। सालाना बजट का मोटा पैसा राष्ट्रीय महिला आयोग जैसे महकमे पर ख़र्च होता है, लेकिन उसके परिणाम निकलकर क्या आते हैं, उसकी साक्षात नज़ीर हैं मणिपुर की औरतें।

म्यांमार लंबे समय से उपद्रवग्रस्त रहा है। फरवरी 2012 से अप्रैल 2023 तक म्यामांर में 600 से अधिक हमले हो चुके है, जिसमें 6337 लोग मारे जा चुके हैं। इन इलाकों से विस्थापन सबसे पहले भारत का पूर्वोत्तर भुगतता है। लाओस, थाईलैंड, चीन से लगे म्यांमार की सीमाएं भारतीय हिस्से में जिधर से जुड़ी हैं, उसका बड़ा हिस्सा अब भी बाड़बंदी का इंतज़ार कर रहा है। हथियार, ड्रग ट्रैफिकिंग, अवैध आव्रजन इस सीमा से बड़े स्केल पर होते रहे हैं, इसका पता दिल्ली में बैठे सुरक्षा महकमों के शिखर नौकरशाहों को है।

मोरेह सीमा से इम्फाल केवल 110 किलोमीटर की दूरी पर है। मणिपुर के 160 रिलीफ कैंपों में म्यांमार से विस्थापित 30 हज़ार 500 शरणार्थी रह रहे हैं। देश के गृहमंत्री का कहना था कि जो लोग इन शरणार्थी कैम्पों में हैं, वही फितना फैला रहे हैं। यह कैसे संभव है कि सुरक्षा बलों और कैमरे की निगरानी के बावजूद शरणार्थी कैंपों के लोग दंगा-फसाद, बलात्कार करें? सच छुपाते रहिए, और ठीकरा उस पर फोड़िये जो निरीह प्राणी है, आपका वोट बैंक नहीं है। यही सब मणिपुर के प्रयोगशाला में हो रहा है।

सबसे मुश्किल फैसला केंद्रीय गृह मंत्रालय का था, जिसके तहत मणिपुर में असम राइफल्स की तैनाती की गई थी। आज उस तैनाती को लेकर मैतेई-नगा और कुकी समुदाय के विधायक आमने-सामने हैं। पहले मैतेई और नगा समुदाय के 40 विधायकों ने प्रधानमंत्री से असम राइफल्स की सभी यूनिटों को बदल कर उनकी जगह दूसरे केंद्रीय बलों की तैनाती की मांग की। इसके पश्चात कुकी-जोमी समुदाय से जुड़े दस विधायकों ने पीएमओ को पत्र लिखकर कहा है कि असम राइफल्स की यूनिटों को यहीं रहने दिया जाए। बीजेपी के सांसद दिल्ली में शायद एक दिखें, मगर दुर्भाग्य देखिए ये मणिपुर में बंटे हुए हैं। सबसे बड़ा सवाल है कि नागरिक-प्रशासन शांति बहाली में विफल रहा है, तो मणिपुर को कुछ महीनों के लिए संपूर्ण रूप से सेना के हवाले क्यों नहीं कर देते? यह उस सिंड्रोम से बाहर नहीं निकल पा रहे कि शांति स्थापना का श्रेय प्रतिरक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को क्यों दें?

संसद में प्रतिपक्ष ने मणिपुर के हवाले से प्रधानमंत्री मोदी से जो सवाल पूछा था, क्या पीएम मोदी उसका उत्तर दे पाये? जवाब नहीं में है। सवाल तीन थे, जिसे कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने पूछा था। पहला, मणिपुर में हिंसा भड़कने के तीन महीने बाद भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मणिपुर क्यों नहीं गए? दूसरा, मणिपुर पर बोलने के लिए प्रधानमंत्री को 80 दिन क्यों लगे? और तीसरा, प्रधानमंत्री मोदी ने मणिपुर के मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह को बर्खास्त क्यों नहीं किया?

राजनीति का साधारण ज्ञान रखने वाले इस देश के नागरिक तक को पता था कि अविश्वास प्रस्ताव लोकसभा में गिर जाना है। सीधी सी बात थी मणिपुर पर मोदी का मौन व्रत तुड़वाना था। सामूहिक बलात्कार, नरसंहार पर बेहिस-बेग़ैरत सरकार को संसद के ज़रिये एक्सपोज करना था, तो अविश्वास प्रस्ताव ही एक रास्ता बचा था, जिसपर व्यापक बहस होती। लेकिन हुआ क्या? एक ऊंट की शादी हो रही थी। शादी में गधे गीत गा रहे थे। गधों ने ऊंट के रूप की बड़ाई करते हुए कहा, 'अहो रूपम' अर्थात, 'आप क्या लग रहे हैं!' ऊंट ने भी शिष्टाचार धर्म का पालन करते हुए कहा, 'अहो ध्वनि' अर्थात 'क्या आवाज है आपकी!'

pushpr1@rediffmail.com

बीता सप्ताह

5 अगस्त
- राहुल गांधी के मोदी सरनेम मामले में सुप्रीम कोर्ट ने दो साल की सजा पर रोक लगाई।
- छत्तीसगढ़ के प्रथम मुख्य न्यायाधीश डब्ल्यू शिशांक का इम्फाल में निधन हो गया।
- एक अप्रत्याशित घटनाक्रम में बाम्बे हाईकोर्ट की नागपुर पीठ के जज जस्टिस रोहित बी देव ने खुली अदालत में अपना इस्तीफा दिया।
- नाइजर के राष्ट्रपति ने मोहम्मद बैजम ने बताया कि उनको सेना ने बंधक बना लिया है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से हस्तक्षेप की अपील की है।

6 अगस्त
- पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को तोशाखाना मामले में इस्लामाबाद ट्रायल कोर्ट की सजा सुनाई।
- युवा भारतीय तीरंदाज अदिति और ज्योति, सुरेखा वेन्नम ने विश्व तीरंदाजी में स्वर्ण व कांस्य पदक हासिल किए।
- आगरा की विशेष अदालत ने सांसद रामशंकर कठेरिया को मारपीट, बलवा मामले में दो साल की सजा सुनाई।
- कंबोडिया में संसदीय चुनावों में सत्तारूढ़ पार्टी कंबोडिया पिपुल्स पार्टी सीपीपी जीती।

7 अगस्त
- राज्यसभा दिल्ली सेवा बिल विधेयक पेश किया गया।
- क्रांतिकारी गीतकार एवं नक्सली समर्थक गुम्मदी विट्ठल का निधन हो गया।
- छत्तीसगढ़ सरकार ने नायब तहसीलदार पद को राजपत्रित अधिकारी घोषित किया।
- अमरनाथ यात्रा का रिकार्ड टूटा करीब 4 लाख 17 हजार श्रद्धालुओं ने दर्शन किए।

8 अगस्त
- मोदी सरनेम मामले में सुप्रीम कोर्ट ने राहुल गांधी को दो साल की सजा पर रोक लगा दी।
- राज्यसभा में दिल्ली सेवा बिल पास हुआ।
- मणिपुर हिंसा मामले में सुप्रीम कोर्ट ने तीन सदस्यों की समिति बनाई।
- हरियाणा के नूंह में सरकार द्वारा उपद्रवियों के घर पर चलाए जा बुलडोजर पर रोक लगाई।

9 अगस्त
- सुभाषचंद्र बोस के भतीजे अर्धेन्दु बोस का मुंबई में हृदयाघात से निधन हो गया।
- बलूचिस्तान के पंतपुर प्रांत में बम विस्फोट से सात लोगों की मौत हो गई।
- रूस ने यूक्रेन के 22 युद्धबंदियों को रिहा किया।
- श्रीलंका में डेंगू के 58 हजार से अधिक मामले पाए गए।

10 अगस्त
- संसद में अविश्वास प्रस्ताव पर राहुल गांधी बोले मणिपुर में भारत माता की हत्या हुई है।
- आयुष्मान भारत योजना में कैग ने खुलासा किया कि एक ही मोबाइल नंबर से लाखों लोगों का पंजीयन हुआ।
- भारत का चंद्रयान मिशन-3 चंद्रमा के करीब पहुंच कर कक्षा बदलने की प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूरा किया।
- पाकिस्तान चुनाव आयोग ने पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को पांच साल के लिए अयोग्य घोषित किया।

11 अगस्त
- संसद में मोदी सरकार के खिलाफ विपक्ष का अविश्वास प्रस्ताव गिरा।
- चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति का बिल राज्यसभा में पेश किया गया।
- आरबीआई ने रेपो दर में नहीं किया बदलाव। जीडीपी विकास दर 6.5 फीसदी रहने का अनुमान।
- भारत नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक ने रिपोर्ट दी कि रेलवे ने यात्री ट्रेनों से अधिक कमाई में की खर्च।

नई नीतियों से पर्यावरण और पारिस्थितिकी को नुकसान

■ पी.सुधीर

लोगों या पर्यावरण की परवाह किये बिना देश के प्राकृतिक संसाधनों को निजी पूंजी के शोषण के लिए खोलने की अपनी घोषित नीति को जारी रखते हुए, मोदी सरकार ने संसद में दो कानून लाये हैं जिनके गंभीर परिणाम होंगे। एक वन (संरक्षण) अधिनियम (एफसीए) में संशोधन और दूसरा खान और खनिज (विकास और विनियमन) (एमएमडीआर) अधिनियम में संशोधन करना है।

1980 में पारित, एफसीए में वनों के रूप में नामित भूमि के मनमाने ढंग से आरक्षण को रोकने के लिए सख्त प्रावधान थे। इसका उद्देश्य वनों को अंधाधुंध कटाई से बचाना था। आदिवासी समुदायों को भूमि के अधिकार देने और उन्हें बुनियादी सुविधाएं प्रदान करने के लिए, बाद में 2006 में, अनुसूचित जनजातियों और अन्य पारंपरिक वन निवासियों (वन अधिकारों की मान्यता अधिनियम), जिसे एफआरए के रूप में जाना जाता है, के माध्यम से कुछ छूट शामिल की गई।

मोदी सरकार द्वारा पेश किये गये नये विधेयक में वनों की परिभाषा को कमजोर करने और सड़कों, रेलवे लाइनों, सुरक्षा बुनियादी ढांचे, रक्षा शिविरों, वायरलेस स्टेशनों, पुलों के निर्माण के लिए छूट प्रदान करके मौजूदा कानून की संपूर्ण नियामक संरचना को कमजोर करने का उपाय किया गया है। खाइयों, पाइप लाइनों और यहां तक कि चिड़ियाघरों, सफारी और पर्यावरण-पर्यटन सुविधाओं के लिए भी यह लागू होगा।

> **देश की खनिज संपदा का एक बड़ा हिस्सा वन क्षेत्रों में स्थित है। इन बदले हुए कानूनों के साथ, कोई भी कॉर्पोरेट निकाय वन क्षेत्र या क्षेत्र में रहने वाले लोगों की परवाह किये बिना पूर्ण पैमाने पर विनाशकारी अन्वेषण शुरू कर सकता है। इस पहलू में, दो संशोधित कानूनों - एफसीए और एमएमडीआर- पर सरसरी नजर डालने मात्र से यह स्पष्ट हो जाता है। इसके अलावा, कुछ निर्दिष्ट मामलों को छोड़कर, जिन्हें केंद्र सरकार द्वारा निपटाया जाता था, खनन अधिकारों की नीलामी आमतौर पर राज्य सरकार के अधिकार क्षेत्र में थी।**

यह 1996 में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा निर्धारित वनों की अवधारणा को फिर से परिभाषित करता है, जिसके तहत उन क्षेत्रों को वन के रूप में परिभाषित नहीं किया गया था जिन्हें 'मानित वन' माना जाता था। यह विधेयक ग्राम सभाओं और अन्य निगरानी समितियों से अनिवार्य सहमति के एफआरए प्रावधानों को खत्म कर देता है, जिससे आदिवासी समुदाय अपनी भूमि के अधिग्रहण के खिलाफ पूरी तरह से असहाय हो जाते हैं। इससे एक ही झटके में न केवल जंगल विनाश के लिए खुल जायेंगे बल्कि उनके निवासी विस्थापित हो जायेंगे।

यह स्पष्ट है कि यह वन भूमि के अधिग्रहण के लिए कानूनों और सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों द्वारा लगाई गई नियामक सीमाओं से छुटकारा पाने के लिए किया जा रहा है। ये दूरगामी परिवर्तन मोदी सरकार द्वारा अपने शासनकाल के एक दशक में पर्यावरण नियामक ढांचे को लगातार खत्म करने की निरंतरता को जारी रखते हैं। पिछले उपायों (या तो संशोधन या यहां तक कि सरकारीआदेशों के रूप में पेश किये गये) में पर्यावरणीय प्रभाव आकलन नियमों, तटीय क्षेत्र नियमों आदि को कमजोर करना शामिल है।

वन संरक्षण अधिनियम संशोधन के साथ, सरकार ने जैविक विविधता अधिनियम में संशोधन भी इसी तरह से पारित कराया। यह परिवर्तन अधिनियम के तहत अपराधों को कम कर देगा, और आयुष चिकित्सकों को कानून से छूट देते हुए 'संहिताबद्ध पारंपरिक ज्ञान' की परिभाषा को धुंधला कर देगा। यह सब कॉर्पोरेट हितों, विशेषकर फार्मास्युटिकल संस्थाओं द्वारा संचालित वनस्पतियों और जीवों के बेलगाम निष्कर्षण का रास्ता खोल देगा।

इस मानसून सत्र में संसद द्वारा पारित दूसरा संशोधन कानून खानों और खनिजों के विनियमन को कमजोर और बदल देता है। मूल अधिनियम के तहत, खनिजों की खोज में कड़ी शर्तों को छोड़कर खुदाई और ड्रिलिंग जैसी विनाशकारी गतिविधियों पर रोक लगा दी गई थी। हालांकि, संशोधन के बाद, प्रारंभिक सर्वेक्षण प्रक्रिया के दौरान गड्ढे, ट्रेंचिंग, ड्रिलिंग और उपरीसतह उत्खनन की अनुमति दी गई है। वन क्षेत्रों में इस प्रकृति की अन्वेषण परियोजनाएं शुरू करने के लिए अब अनिवार्य वानिकी मंजूरी की आवश्यकता नहीं होगी।

जैसा कि सर्वविदित है, देश की खनिज संपदा का एक बड़ा हिस्सा वन क्षेत्रों में स्थित है। इन बदले हुए कानूनों के साथ, कोई भी कॉर्पोरेट निकाय वन क्षेत्र या क्षेत्र में रहने वाले लोगों की परवाह किये बिना पूर्ण पैमाने पर विनाशकारी अन्वेषण शुरू कर सकता है। इस पहलू में, दो संशोधित कानूनों – एफसीए और एमएमडीआर– पर सरसरी नजर डालने मात्र से यह स्पष्ट हो जाता है।

इसके अलावा, कुछ निर्दिष्ट मामलों को छोड़कर, जिन्हें केंद्र सरकार द्वारा निपटाया जाता था, खनन अधिकारों की नीलामी आमतौर पर राज्य सरकार के अधिकार क्षेत्र में थी। लेकिन संशोधित कानून ने लिथियम, कोबाल्ट, निकेल, पोटाश, टिन और फॉस्फेट जैसे रणनीतिक खनिजों के अधिकारों को केंद्रीकृत कर दिया है।

इसके अतिरिक्त, नया कानून केंद्र सरकार को सोना, चांदी, तांबा आदि सहित 29 खनिजों के लिए विशेष अन्वेषण लाइसेंस जारी करने का अधिकार देता है। छह धातुओं– लिथियम, बेरिलियम, नाइओबियम, टाइटेनियम, टैंटलम और ज़िरकोनियम – को प्रतिबंधित से हटा दिया गया है।

'परमाणु खनिज' श्रेणी सूची, निजी संस्थाओं को उनके लिए खनन और अन्वेषण करने की अनुमति देती है। नये एमएमडीआर प्रावधानों में खनिजों की औसत बिक्री मूल्य (एएसपी) की गणना से विभिन्न शुल्कों और लेवी (पूर्व खदान मूल्य) को भी बाहर रखा गया है।

इन सभी परिवर्तनों का उद्देश्य निजी निवेश को आकर्षित करना और प्राकृतिक संसाधनों के लाभदायक दोहन को सुविधाजनक बनाना है, जिसमें लिथियम जैसी धातुएं भी शामिल हैं जिनकी इन दिनों बहुत मांग है।

मोदी सरकार का नग्न कॉर्पोरेट समर्थक रुख उसकी सभी नीतियों में व्याप्त है– कर में कटौती और रियायतें देने से लेकर मुनाफा बढ़ाने में मदद करने के लिए सुरक्षात्मक श्रम कानूनों को कमजोर करने तक, सार्वजनिक क्षेत्र की संपत्तियों और बुनियादी ढांचे को निजी संस्थाओं को सौंपने से लेकर कोयला खनन जैसे रणनीतिक क्षेत्रों को खोलने तक। अभ्रक, ऊर्जा और यहां तक कि घरेलू और विदेशी दोनों निजी पूंजी की रक्षा तक। इसी बड़े ढांचे में पर्यावरण कानूनों और नियमों में किये गये लापरवाह बदलावों को देखा जाना चाहिए। जहां एक ओर सरकार पर्यावरण की रक्षा और जलवायु परिवर्तन के खिलाफ लड़ाई के लिए बड़ी चिंता का दावा करती है, वहीं दूसरी ओर वास्तव में वह अपने लोगों की कीमत पर देश को और अधिक पर्यावरणीय विनाश की ओर ले जा रही है।

मणिपुर के राहत शिविरों में स्वास्थ्य सुविधाओं का अभाव

■ डॉ.आनंद जकरिया व डॉ. रमानी अटकुरी

यह लेख मणिपुर में 100 से अधिक दिनों से जारी मानवीय संकट के समय चिकित्सा सुविधाओं की कमी की ओर पर आम जनता और चिकित्सा समुदाय का ध्यान तत्काल आकर्षित करने के लिए लिखा जा रहा है जो मणिपुर में काम कर रहे स्वास्थ्य पेशेवरों और स्वास्थ्य स्वयंसेवकों से प्राप्त आरंभिक सूचनाओं और गैर-सरकारी संगठनों की रिपोर्टों के आधार पर लिखा गया है। वर्तमान स्वास्थ्य स्थिति, स्वास्थ्य निहितार्थ और इसे सुधारने के लिए क्या किया जाना चाहिए– इस पर संक्षेप में प्रकाश डालना इसका उद्देश्य है।

मणिपुर में हिंसा, आगजनी तथा हत्याओं के परिणामस्वरूप घाटी और पहाड़ी दोनों में अस्थायी आश्रयों में बड़ी संख्या में विस्थापित लोग हैं। स्कूल, छात्रावास, गोदाम, पूजा स्थल या सामुदायिक हॉल जैसी जगहें इन लोगों का आश्रय स्थल बने हुए हैं। स्थानीय लोग और नागरिक समाज संगठन अपनी क्षमता के अनुसार विस्थापितों को राहत प्रदान कर रहे हैं लेकिन यह प्रभावितों की जरूरतों को पूरा करने में अपर्याप्त है। प्रभावित कई लोगों ने राज्य छोड़ दिया है और पड़ोसी राज्यों (नगालैंड, असम, मिजोरम आदि) या उनके परिवार या रिश्तेदार अगर हैं तो नई दिल्ली और बेंगलुरु जैसे दूर-दराज के शहरों में चले गए हैं।

मणिपुर में चल रहे संघर्ष के कारण अब घाटी और पहाड़ियों के बीच एक अनौपचारिक क्षेत्रीय विभाजन है जिसमें दोनों क्षेत्रों के बीच लोगों, सामानों और वाहनों की आवाजाही प्रतिबंधित है। ये बातें सभी को मालूम है लेकिन डर है कि संकट की सीमा और पैमाने का पूरा अंदाज किसी को नहीं है।

> **मणिपुर का मानवीय और सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट असाधारण है। दो समुदायों के बीच हिंसक संघर्ष के कारण जान-माल का नुकसान हो रहा है। बड़े पैमाने पर विस्थापन हो रहा है। इन कारणों से स्वास्थ्य प्रणाली पंगु हो रही है और इसके अल्पकालिक और दीर्घकालिक प्रतिकूल परिणाम होंगे। सरकार सेवाएं प्रदान करने की कोशिश कर रही है।**

अस्थिर और अंशात मणिपुर में इस समय 70 हजार से अधिक लोग आंतरिक रूप से विस्थापित हैं, 142 व्यक्तियों के मारे जाने की सूचना है जबकि 6,000 से अधिक घायल हुए हैं। भारत में मानवीय एजेंसियों के राष्ट्रीय गठबंधन स्फीयर इंडिया के अनुसार, इन विस्थापितों ने मणिपुर के 10 जिलों में स्थित 253 राहत शिविरों में शरण ले रखी है। यह रिपोर्ट अंतर-एजेंसी समन्वय समिति (राहत में शामिल एजेंसियां) की बैठकों और यूनाइटेड रिस्पांस स्ट्रैटेजी (यूआरएस) मैट्रिक्स का उपयोग कर 100 से अधिक स्थानीय संगठनों की प्रतिक्रिया के आधार पर बनाई गई है।

मणिपुर में कार्यरत या वहां का दौरा कर चुके डॉक्टरों के अनुसार, शिविरों में साफ-सफाई की स्थिति गंभीर है खासकर बुजुर्ग और कमजोर लोगों के लिए। वहां भीड़-भाड़ है और स्वच्छता नहीं है। प्लास्टिक के बड़े टैंकों में पानी संग्रहित किया जाता है जो बाहर एक नल या बोरवेल से भरा जाता है। पानी कीटाणुरहित नहीं किया जाता है। अपशिष्ट जल की निकासी की व्यवस्था भी अपर्याप्त है। मानसून की शुरुआत होने के साथ ही स्वच्छता और जल निकासी बदतर हो गयी है। ऐसी भीड़-भाड़ वाली स्थिति में पर्याप्त सुविधा न होने के कारण बीमारी के प्रकोप का खतरा है। कुछ विस्थापित व्यक्तियों को मच्छरदानियां उपलब्ध कराई गई हैं। विस्थापितों को भोजन के रुप में सुबह-शाम मुख्य रूप से दाल और चावल दिया जाता है। कभी-कभी बहुत कम मात्रा में सब्जियां या मांस दिया जाता है। छोटे बच्चों, गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाओं व बुजुर्गों की देखभाल के लिए न्यूनतम सुविधाएं उपलब्ध हैं। महिलाओं के लिए प्रसव पूर्व देखभाल तथा नियमित टीकाकरण सेवाएं बाधित हो गई हैं। एंटी-हाइपरटेंसिव या एंटी-डायबिटिक दवाओं की बहुत कम आपूर्ति है। बहुत कम सुविधाओं वाले इन शिविरों में प्रसव कराए जा रहे हैं। गंभीर रूप से बीमार रोगियों को अस्पताल ले जाना मुश्किल है। राहत शिविरों में ऐसे कई लोग हैं जिन्हें नशीली दवाओं की लत है और जिन्हें देखभाल और पुनर्वास सेवाओं की आवश्यकता है। विकलांग लोगों के लिए कोई सुविधा नहीं है। शिविरों में रह रहे लोगों के पास कोई काम नहीं है इस वजह से लोगों को किसी भी तरह बाहर से दवा खरीदने के लिए पैसा नहीं मिल सकता। शिविरों में रहने वाले और विशेष रूप से संघर्ष क्षेत्रों के रोगियों को अस्पताल पहुंचने में दिक्कत होती है।

रेफरल स्वास्थ्य सुविधाओं के साथ ही शैक्षिक सुविधाएं घाटी में स्थित हैं और इसलिए हाल-फिलहाल पहाड़ियों में बने शिविरों में रहने वाले लोगों के लिए यह सुविधा दुर्गम हैं। हालांकि पहाड़ी क्षेत्रों में अन्य सार्वजनिक स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे भी मौजूद हैं लेकिन वहां घाटी की तुलना में कर्मचारियों के खाली पदों की संख्या बहुत अधिक है। स्वास्थ्य सुविधाओं में विशेषज्ञों, दवाओं और उपभोक्ता सामग्रियों की भारी कमी है। मौजूदा संघर्ष ने पहले से ही कमजोर स्वास्थ्य प्रणाली की समस्या को और बढ़ा दिया है।

अन्य राज्यों की तुलना में मणिपुर के स्वास्थ्य संकेतक, शिशु मृत्यु दर, मातृ मृत्यु दर और 5 वर्ष से कम आयु के कुपोषण के अखिल भारतीय औसत (एसआरएस 2020) से बेहतर हैं। यदि राज्य में अशांति का वर्तमान माहौल जारी रहता है तो इनमें से कुछ स्वास्थ्य संकेतक खराब हो सकते हैं।

मणिपुर के नागरिक अपने परिवार के सदस्यों की मृत्यु के साथ अपनी संपत्ति और आजीविका के नुकसान से भी दुखी हैं। भीड़भाड़ वाले शिविरों में तीन महीने से रहना तनावपूर्ण है। दोनों समुदायों में एक-दूसरे के खिलाफ गुस्सा और नाराजगी है। विस्थापन और कभी-कभी माता-पिता या भाई-बहन की मौत से बच्चे तनावग्रस्त और सदमे में हैं। अनिश्चित भविष्य और घर वापसी की अनिश्चितता ने तनाव और मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं को और बढ़ा दिया है। संघर्ष से कृषि गतिविधियां प्रभावित हुई हैं क्योंकि लोग बचाव के लिए अपनी जमीनें छोड़कर भाग हैं। स्कूली बच्चे, कॉलेज के छात्र और पेशेवर पाठ्यक्रम करने वाले लोग अपनी पढ़ाई फिर से शुरू नहीं कर पा रहे हैं। हमलों के डर से कुकी छात्र घाटी के अपने कॉलेजों में वापस नहीं जा सकते। उन्हें अपना भविष्य अनिश्चित लगता है।

मणिपुर का मानवीय और सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट असाधारण है। दो समुदायों के बीच हिंसक संघर्ष के कारण जान-माल का नुकसान हो रहा है। बड़े पैमाने पर विस्थापन हो रहा है। इन कारणों से स्वास्थ्य प्रणाली पंगु हो रही है और इसके अल्पकालिक और दीर्घकालिक प्रतिकूल परिणाम होंगे।

सरकार सेवाएं प्रदान करने की कोशिश कर रही है लेकिन निरंतर हिंसा और लोगों के लगातार विस्थापन को देखते हुए व्यापक चिकित्सा और सार्वजनिक स्वास्थ्य समुदाय के लिए इन सेवाओं की व्यवस्था और पूरा करना महत्वपूर्ण है।

तत्काल स्वास्थ्य आवश्यकताएं चिकित्सा आपूर्ति के साथ-साथ वहां काम करने वाले कर्मचारियों के लिए भी जरूरी है। वहां अभी जिन बातों की आवश्यकता है, उनमें प्रमुख हैं– गर्भवती महिलाओं, छोटे बच्चों, बुजुर्गों और पुरानी बीमारी से पीड़ित लोगों को वरीयता के साथ प्राथमिक देखभाल प्रदान करने के लिए चिकित्सा पेशेवरों को स्वयंसेवा करनी चाहिए, ऐसे स्वयंसेवक वहां तैनात हों जो दु:ख और सदमे की स्थिति से उबरने के लिए परामर्श प्रदान कर सकते हैं या फिर इसे प्रदान करने के लिए स्थानीय लोगों को प्रशिक्षित कर सकते हैं, स्थानीय स्वयंसेवकों के लिए बुनियादी स्वास्थ्य प्रशिक्षण जिससे वे छोटी बीमारियों का इलाज करने, प्राथमिक चिकित्सा प्रदान करने और रोग निगरानी कर सकें और इलाज के लिए स्वास्थ्य किट का प्रावधान हो, दवाएं, आपूर्ति आदि।

इसमें संदेह नहीं कि दोनों समुदायों के साथ विश्वास बहाली के उपायों को शुरू करके यथाशीघ्र शांति बहाली सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। सरकार को बिना किसी भेदभाव के राहत और पुनर्वास सुनिश्चित करना चाहिए।

निम्नलिखित प्राथमिकताओं की पहचान करते हुए उम्मीद करनी चाहिए कि ये प्रथमिकताएं पूरी की जानी चाहिए : सरकार उचित पोषण, सुरक्षित पेयजल और स्वच्छता के प्रावधान सहित सभी शिविरों को चलाने की पूरी जिम्मेदारी ले, सभी शिविरों में स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करें, ग्रामीण क्षेत्रों में सार्वजनिक स्वास्थ्य संस्थानों को मजबूत बनाना, जिन लोगों ने अपने पहचान पत्र खो दिए हैं उन लोगों के पहचान दस्तावेजों को बहाल करने की आवश्यकता है, महिलाओं की सुरक्षा, यौन उत्पीड़न की रोकथाम और यौन हिंसा के मामले में त्वरित कार्रवाई करना, स्वास्थ्य कर्मियों और चिकित्सा आपूर्ति के लिए सुरक्षित मार्ग उपलब्ध कराना और रोगियों और सुविधाओं दोनों तक पहुंचने की अनुमति दी जानी चाहिए, चिकित्सा, नर्सिंग और स्वास्थ्य विज्ञान से संबद्ध छात्रों को राज्य के भीतर या बाहर अपनी पढ़ाई फिर से शुरू करने में सक्षम बनाना, प्रभावित व्यक्तियों का यथाशीघ्र पुनर्वास आदि।

मणिपुर में चल रहे संघर्ष का समाधान केवल निरंतर राजनीतिक प्रयास और अंतर-सामुदायिक सुलह के माध्यम से ही हो सकता है लेकिन यह जरूरी है कि चिकित्सा बिरादरी के सदस्य होने और भारतीय नागरिकों के रूप में स्थायी शांति स्थापित होने तक मणिपुर के लोगों की पीड़ा कम करने के लिए काम करें।

(डॉ. जकरिया, क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज, वेल्लोर में मेडिसिन के प्रोफेसर हैं। डॉ. अटकुरी मध्य भारत में आदिवासी और ग्रामीण समुदायों के लिए कार्यरत हैं। सिंडिकेट : दी बिलियन प्रेस)

प्रकाशक, मुद्रक : राजीव रंजन श्रीवास्तव द्वारा पत्रकार प्रकाशन प्रा. लि. के लिए 506, आई.एन.एस. बिल्डिंग, 9, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित एवं बीएफएल इंफोटेक लि., सी 9, सेक्टर-3, नोएडा से मुद्रित। सम्पादक : राजीव रंजन श्रीवास्तव, (पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार)। आर.एन.आई. नं. DELHIN/2008/24216. दिल्ली कार्यालय :फोन: 011-23718195,23357784, फैक्स: 011-43581404, नोएडा कार्यालय: फोन: 0120-4114404 फैक्स: 0120-4273770
ई-मेल: deshbandhudelhi@gmail.com वेब: www.deshbandhu.co.in

जापान के होक्काइडो में 6.0 तीव्रता का आया भूकंप

टोक्यो, 11 अगस्त (एजेंसियां)। जर्मन रिसर्च सेंटर फॉर जियोसाइंसेज (जीएफजेड) ने कहा कि शुक्रवार को जापान के होक्काइडो में 6.0 तीव्रता का भूकंप आया। जीएफजेड ने रॉयटर्स की रिपोर्ट के हवाले से बताया कि भूकंप का केंद्र पृथ्वी की सतह से 46 किमी (28.58 मील) नीचे था। भूकंप के चलते अभी तक जान माल के नुकसान की सूचना नहीं मिली है।

हवाई में जंगल की आग से मरने वालों की संख्या हुई 53

लॉस एंजेलिस, 11 अगस्त (एजेंसियां)। हवाई के माउई द्वीप में विनाशकारी तूफान के कारण लगी जंगल की आग में कम से कम 53 लोगों की मौत की पुष्टि की गई है। अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि मरने वालों की संख्या में वृद्धि जारी रहने की संभावना है। द गार्जियन की रिपोर्ट के अनुसार, माउई काउंटी ने गुरुवार को काउंटी वेबसाइट पर पोस्ट किए गए एक बयान में कहा, 'अग्निशमन के प्रयास जारी हैं। आज 17 और मौतों की पुष्टि की गई है। इससे मरने वालों की संख्या 53 हो गई है।' कर्मचारियों ने बड़े पैमाने पर जीवित बचे लोगों की तलाश जारी रखी है। हवाई के गवर्नर जोश ग्रीन ने कहा, 'इलाके में आग से व्यापक विनाश हुआ है। अमेरिकी राष्ट्रपति, जो बाइडेन ने गुरुवार को आपदा राहत की घोषणा को मंजूरी दे दी। इससे जंगल की आग से प्रभावित क्षेत्रों के लिए संघीय सहायता प्रदान की जाएगी। द गार्जियन की रिपोर्ट के अनुसार, मंगलवार की रात 13,000 की आबादी वाले लाहिना कस्बे में आग लग गई, जब तेज हवाओं के कारण वनस्पतियों में लगी आग शहरी केंद्र तक पहुंच गई। गुरुवार को लाहिना, पुलेहु और अपकंट्री में आग सक्रिय रहीं। लाहिना की आग पर 80 प्रतिशत काबू पा लिया गया। काउंटी के अधिकारियों ने कहा कि होनोलूलू से अतिरिक्त अग्निशामक मंगाए गए हैं। हवाई आपातकालीन प्रबंधन एजेंसी के प्रवक्ता एडम वेनट्रॉब ने कहा, खोज और बचाव प्रयास प्राथमिकता हैं। द गार्जियन की रिपोर्ट के अनुसार, अधिकारी लाहिना के ठीक उत्तर में कानापाली में फंसे निवासियों और पर्यटकों को निकालने के लिए काम कर रहे हैं। अधिकारी जंगल की आग से विस्थापित 4,000 लोगों को समायोजित करने के लिए होनोलूलू में एक केंद्र तैयार कर रहे हैं। माउई में काहुलुई हवाई अड्डा भी उन 2,000 यात्रियों को आश्रय दे रहा है, जो हाल ही में द्वीप पर आए थे या जिनकी उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। हवाई के अमेरिकी सीनेटर ब्रायन शेट्ज़ ने एक बयान में कहा, 'ये आग विनाशकारी हैं, और हमें कुछ समय तक नुकसान का पता नहीं चलेगा। इस बीच, सर्वोच्च प्राथमिकता लोगों की सुरक्षा है।' विनाशकारी आग ने एक हजार से अधिक घरों को नष्ट कर दिया। यह 1961 के बाद से हवाई की सबसे घातक प्राकृतिक आपदा है, जब सुनामी ने 61 लोगों की जान ले ली थी।

■ अभी और बढ़ सकती है मरने वालों की संख्या

बाइडेन ने हवाई द्वीप के लिए आपदा घोषणा को मंजूरी दी

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने हवाई में विनाशकारी तूफान के कारण लगी जंगल की आग के मद्देनजर एक बड़ी आपदा घोषणा को मंजूरी दी है। इस आग में अब तक कम से कम 36 लोगों की मौत हो गई है और हवाई के माउई द्वीप पर सैकड़ों मकान क्षतिग्रस्त हो गए हैं। व्हाइट हाउस ने गुरुवार को एक प्रेस बयान में कहा, बाइडेन ने जंगल की आग से प्रभावित क्षेत्रों के लिए संघीय सहायता का आदेश दिया। उन्होंने कहा कि इस कार्रवाई से माउई काउंटी में प्रभावित व्यक्तियों को धन की सहायता मुहैया कराई जाएगी। सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के हवाले से प्रेस बयान के अनुसार, सहायता में अस्थायी आवास और घर की मरम्मत के लिए अनुदान, बिना बीमा वाली संपत्ति के नुकसान को कवर करने के लिए कम लागत वाले ऋण और व्यापार मालिकों को आपदा के प्रभावों से उबरने में मदद करने के लिए अन्य कार्यक्रम शामिल हो सकते हैं। माउई काउंटी ने बुधवार शाम काउंटी वेबसाइट पर पोस्ट किए गए एक बयान में लिखा, 'लाहिना आग के चलते आज कुल 36 मौतों का पता चला है।' अधिकारियों ने यह भी कहा कि आग की लपटों से कम से कम 271 संरचनाएं क्षतिग्रस्त या नष्ट हो गईं हैं।

सिंगापुर के प्रधानमंत्री ली सीन लूंग ने वांग यी से मुलाकात की

बीजिंग, 11 अगस्त (एजेंसियां)। सिंगापुर के प्रधानमंत्री ली सीन लूंग ने 11 अगस्त को सिंगापुर में चीनी विदेश मंत्री वांग यी से मुलाकात की। वांग यी ने चीनी नेताओं की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं व्यक्त की और कहा कि चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग और सिंगापुर के प्रधानमंत्री ने इस साल मार्च में संयुक्त रूप से घोषणा की कि चीन-सिंगापुर संबंधों को एक सर्वांगीण उच्च गुणवत्ता वाली दूरदेशी साझेदारी में उन्नत किया गया, जिससे दोनों देशों के बीच उच्च स्तरीय पारस्परिक लाभकारी सहयोग की नई संभावनाएं खुल गई हैं। आशा है कि दोनों देशों के नेताओं के रणनीतिक मार्गदर्शन में, चीन-सिंगापुर संबंध चीन और पड़ोसी देशों के बीच संबंधों के लिए एक मॉडल बना रहेगा।

ली सीन लूंग ने कहा कि वे आधुनिकीकरण प्रक्रिया को बढ़ावा देने में चीन के दृढ़ संकल्प और प्रयासों की सराहना करते हैं। सिंगापुर दोनों देशों के बीच सहयोग को निरंतर मजबूत करने और द्विपक्षीय संबंधों के लिए एक नया भविष्य खोलने के लिए चीन के साथ काम करेगा। आज दुनिया में उथल-पुथल है और प्रमुख देशों से पारस्परिक लाभ और उभय जीत वाले परिणाम प्राप्त करने में अग्रणी भूमिका निभाने की उम्मीद की जाती है। सिंगापुर आसियान और चीन के बीच सहयोग को गहरा करने का समर्थन करता है और संयुक्त रूप से क्षेत्रीय शांति, स्थिरता और विकास को बनाए रखेगा। मुलाकात में वांग यी ने यह भी कहा कि चीन ने एक ऐसा विकास पथ ढूंढ लिया है, जो अपनी राष्ट्रीय परिस्थितियों के अनुकूल है।

सुडोकू 6284

		5			7		6	
2			9	5	6	4		
	4	6						
8		2	4			6		7
4				6				3
5		1			3	2		4
						3	1	
		4	8	1	9			6
	7		6			9		

: नियम :

1. कुल 81 (9×9) वर्ग हैं, जिसमें 9 (3×3) वर्गों का एक खंड (ब्लॉक) बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कॉलम,कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

हल आज ही के अंक में

दैनिक पंचांग

mypandit.com 24 hour astrology service

■ बेजान दारुवाला

ग्रह स्थिति : शनिवार 12 अगस्त , 2023 श्रावण कृष्ण पक्ष 10

राशिफल

मेष -आज आपको नए काम करने की प्रेरणा मिलेगी। हालांकि आपके विचारों में स्थिरता का अभाव रहने से कुछ मामलों में उलझन का अनुभव होगा। नौकरी या व्यवसाय में प्रतियोगिता का वातावरण रहेगा।

वृषभ -मन की कमजोर स्थिति महत्वपूर्ण अवसरों से आपको दूर कर सकती है। आज नए काम का आरंभ करना उचित नहीं है। बातचीत में आपका लापरवाही पूर्ण व्यवहार संघर्ष खड़ा करेगा। आर्थिक लाभ होगा।

मिथुन -आज का दिन ताजगी और स्फूर्ति से परिपूर्ण रहेगा। उत्तम भोजन सुंदर वस्त्रालंकार और मित्रों- स्वजनों से आपका दिन खूब आनंद में गुजरेगा। दांपत्य जीवन में सुख-संतोष की भावना का अनुभव होगा।

कर्क -परिवार में मनमुटाव के अवसर आएंगे, इसलिए मानसिक बेचैनी रहेगी। मन में दुविधा का अनुभव होगा, इसलिए महत्वपूर्ण निर्णय टालना हितकर है। किसी के साथ गलतफहमी या वाद-विवाद होने की संभावना है।

सिंह -आज का दिन आपके लिए लाभदायक साबित होगा, परंतु मन किसी बात को लेकर उलझन में रहेगा। मित्रों से मुलाकात और लाभ होगा। बुजुर्गों का आशीर्वाद प्राप्त कर सकेंगे। घर में मांगलिक काम होंगे। व्यापार में वृद्धि होगी।

कन्या -नए काम की शुरुआत करने के लिए बनाई योजनाएं साकार होंगी। पिता से आत्मीयता बढ़ेगी। उनसे लाभ भी होगा। व्यापारी और नौकरीपेशा लोगों को अपने क्षेत्र में आगे बढ़ने का योग है। धन, मान-सम्मान में वृद्धि होगी।

तुला -बुद्धिजीवियों या साहित्य प्रेमियों के साथ मुलाकात से आपके ज्ञान में बढ़ोतरी होगी। अच्छा समय व्यतीत करेंगे। नए काम का आरंभ कर सकेंगे। लंबी दूरी की यात्रा या तीर्थस्थान जा सकते हैं। विदेशगमन के लिए अवसर निर्मित होंगे।

वृश्चिक -वाणी और व्यवहार पर आज संयम रखना आवश्यक है। दैनिक कामों के अतिरिक्त नए काम हाथ में लेना उचित नहीं है। बीमार पड़ने के योग है। खान-पान में ध्यान रखें। अचानक धन लाभ होगा।

धनु -पार्टी, पिकनिक, प्रवास, सुंदर भोजन और वस्त्र परिधान आज के दिन की विशेषता होगी। मनोरंजन की दुनिया में विहार करेंगे। अपोजिट सेक्स के दोस्तों के साथ मुलाकात रोमांचक रहेगी। दांपत्यजीवन में उत्तम सुख की प्राप्ति होगी।

मकर -आज आपके व्यापार- धंधे का विकास होगा। आर्थिक रूप से लाभदायक दिन होने से पैसे की लेन-देन में सरल रहेगी। परिवार में सुख-शांति का माहौल रहेगा। सहकर्मियों तथा अधीनस्थ लोगों का सहयोग मिलेगा।

कुंभ -आज आप संतान और अपने स्वास्थ्य के संबंध में चिंतित रहेंगे। अपच, पेट-दर्द से परेशानी होगी। विचारों में तेजी से परिवर्तन के कारण मानसिक स्थिरता में खलल होगी। आज नए कामों का आरंभ न करना हितकर है।

मीन -शारीरिक- मानसिक भय रहेगा। परिजनों के साथ वाद-विवाद होगा। मां के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। अनचाही घटनाओं से आपके उत्साह में कमी आ सकती है। नींद नहीं आने से परेशान रहेंगे।

नोट-उपरोक्त राशिफल बेजान दारूवाला द्वारा पूर्वलिखित है।

न्यूयॉर्क के रोचेस्टर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में भारतीय-अमेरिकी प्रोवोस्ट नामित

न्यूयॉर्क, 11 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय-अमेरिकी प्रभु डेविड को यहां रोचेस्टर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आरआईटी) में अकादमिक मामलों के लिए प्रोवोस्ट और वरिष्ठ उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। डेविड ने 1 अगस्त को अपनी नई भूमिका में काम शुरू कर दिया है। इससे पहले वह मिशिगन स्टेट कॉलेज ऑफ कम्युनिकेशन आर्ट्स एंड साइंसेज के डीन थे। इससे पूर्व लगभग नौ वर्षों तक वह डब्ल्यूकेएआर रेडियो और टीवी स्टेशन में काम कर चुके हैं। रोचेस्टर के संकाय, कर्मचारियों, छात्रों और ट्रस्टियों की एक समिति के नेतृत्व में एक राष्ट्र स्तरीय खोज के बाद उन्हें चुना गया है। आरआईटी के अध्यक्ष डेविड मुनसन ने एक बयान में कहा, 'अंत:विषय अनुसंधान को बढ़ावा देने और स्वास्थ्य कॉलेजों, इंजीनियरिंग, सामाजिक विज्ञान, कला और मानविकी के बीच मजबूत संबंध बनाने का उनका इतिहास हमारे लिए फायदेमंद होगा क्योंकि हम सभी कॉलेजों में अपनी साझेदारी को और विकसित करने का प्रयास कर रहे हैं।' उन्होंने कहा, मुझे विश्वास है कि उनकी उपस्थिति रचनात्मकता और नवाचार के क्षेत्रों में हमारे नेतृत्व की स्थिति को मजबूत करेगी क्योंकि हम प्रौद्योगिकी, कला और डिजाइन के चौराहे पर अपनी प्रधानता बनाना जारी रखेंगे।' इन वर्षों में, डेविड ने अनुसंधान, शिक्षण और डिज़ाइन के लिए पुरस्कार जीते हैं। उनका शोध एआई और नेतृत्व में सक्रिय परियोजनाओं के साथ मीडिया और अनुभूति पर केंद्रित है। विश्वविद्यालय के एक बयान में कहा गया है कि उन्होंने नेशनल एसोसिएशन ऑफ ब्रॉडकास्टर्स, नेशनल कैंसर इंस्टीट्यूट, सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन, यूएस डिपार्टमेंट ऑफ स्टेट और ब्रेस्ट कैंसर रिसर्च फाउंडेशन द्वारा वित्त पोषित परियोजनाओं पर एक अन्वेषक या सह-अन्वेषक के रूप में काम किया है। एलेन ग्रैनबर्ग की जगह लेने वाले डेविड ने कहा, 'मैं सक्रिय आउटरीच और जुड़ाव के माध्यम से शहर और आरआईटी के अकादमिक मिशन के बीच संबंधों को मजबूत करने की आशा कर रहा हूं।' वह 2010 से 2015 तक वाशिंगटन स्टेट यूनिवर्सिटी में एडवर्ड आर. मुरो कॉलेज ऑफ कम्युनिकेशन में प्रोफेसर और एसोसिएट डीन थे, जहां उन्होंने अंडर ग्रेजुएट और ग्रेजुएट कार्यक्रमों को विकसित करने, संकाय की भर्ती करने और एक नव स्थापित कॉलेज के प्रशासनिक ढांचे को विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

इक्वाडोर के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार की हत्या में 6 विदेशी गिरफ्तार

क्विटो, 11 अगस्त (एजेंसियां)। इक्वाडोर के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार फर्नांडो विलाविसेंशियो की हत्या के सिलसिले में गिरफ्तार किए गए सभी छह संदिग्ध विदेशी हैं। पुलिस ने इस बात की पुष्टि की है। इस दौरान एक आरोपी को गोली मार दी गई, वो भी विदेशी था। समाचार एजेंसी सिन्हुआ ने एक पुलिस रिपोर्ट के हवाले से बताया कि छह सशस्त्र संदिग्ध देश की राजधानी क्विटो में एक घर में छिपे हुए थे। हत्या को 'आतंकवादी प्रकृति का राजनीतिक अपराध' बताते हुए, गृह मंत्री जुआन ज़पाटा ने पुष्टि की कि सभी संदिग्ध विदेशी हैं, लेकिन उन्होंने ये नहीं बताया कि वो किस देश के हैं। मंत्री ने कहा कि पुलिस जांच जारी रखेगी और अपराध के मकसद की तलाश करेगी। 25 अगस्त को होने वाले राष्ट्रपति चुनाव के उम्मीदवार विलाविसेंशियो की बुधवार को क्विटो में एक राजनीतिक रैली के बाद एक हमले में मौत हो गई। राष्ट्रपति गुइलेर्मो लास्सो ने पूरे देश में तीन दिनों के राष्ट्रीय शोक और 60 दिनों के आपातकाल की घोषणा की है। लास्सो ने गुरुवार रात एक बयान में कहा कि हत्या, जिसके लिए सरकार ने संगठित अपराध को जिम्मेदार ठहराया, चुनावी अभियान के बीच हुई, जो योजना के अनुसार आगे बढ़ेगा। 59 वर्षीय विलाविसेंशियो एक पत्रकार और पूर्व नेशनल असेंबली सदस्य थे, जिन्होंने भ्रष्टाचार के मुद्दे पर अपना राजनीतिक करियर बनाया। सर्वे के अनुसार, वह आगामी चुनावों में चौथे स्थान पर थे।

ईरान, अमेरिका 'अदला बदली समझौते' के तहत कैदियों को करेंगे रिहा

दुबई, 11 अगस्त (एजेंसियां)। ईरान और अमेरिका के बीच 'अदला-बदली समझौते' के तहत तेहरान की एविन जेल से चार अमेरिकी-ईरानी दोहरे नागरिकों को रिहा करने पर सहमत हुआ है। संयुक्त राष्ट्र में उसके मिशन ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। सरकारी समाचार एजेंसी के अनुसार, तीसरे देश की मध्यस्थता वाले समझौते के तहत, अमेरिका में जेल में बंद पांच ईरानियों को रिहा किया जाएगा और दक्षिण कोरिया में ईरान के जमे हुए धन को अनब्लॉक किया जाएगा और कतर में स्थानांतरित किया जाएगा। अमेरिकी जेलों से भी अधिकारियों और परिवार के सदस्यों ने गुरुवार को कहा कि इससे पहले, ईरान ने एक नाजुक समझौते के पहले चरण में पांच अमेरिकियों को जेल से घर में नजरबंद कर दिया था। दवार्ता से परिचित सूत्रों ने कहा कि क्षिण कोरिया में जमा किए गए छह अरब डॉलर को कतर में प्रशासित एक विशेष खाते में स्थानांतरित करना होगा, जिसका उपयोग ईरान भोजन और दवा जैसी मानवीय खरीद के लिए कर सकता है। एक सूत्र ने बताया कि अगर सब कुछ योजना के मुताबिक हुआ तो कैदी सितंबर में, अपने देश अमेरिका वापस आ सकते हैं।

रूस ने करीब 50 वर्षों बाद पहले यान को चंद्रमा के लिए किया प्रक्षेपित

व्लादिवोस्तोक, 11 अगस्त (एजेंसियां)। रूस ने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव का पता लगाने के लिए एक ऐतिहासिक मिशन की शुरुआत करते हुए शुक्रवार तड़के लूना-25 को सफलतापूर्वक प्रक्षेपित किया। वर्ष 1976 के बाद रूस का पहला लूना-25 मून लैंडर हैं। रूस की अंतरिक्ष एजेंसी 'रोस्कोस्मोस' ने बताया कि बिना वापिसी कैप्सूल वाले लूनर लैंडर को रूस के सुदूर पूर्व के अमूर ओब्लास्ट में वोस्तोचन कोस्मोड्रोम से फ्रेगेट ऊपरी चरण के लिए सोयुज-2.1बी रॉकेट से प्रक्षेपित किया गया। उड़ान भरने के नौ मिनट बाद लूना-25 लैंडर से फ्रेगेट ऊपरी चरण रॉकेट के तीसरे चरण से अलग हो गया। करीब एक घंटे बाद लूना-25 फ्रीगेट ऊपरी चरण से अलग हो गया और चंद्रमा के उड़ान पथ में प्रवेश के साथ मिशन का पहलाप चरण सफलतापूर्वक सम्पन्न हो गया।

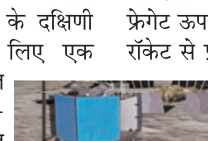

वर्ग पहेली 6284

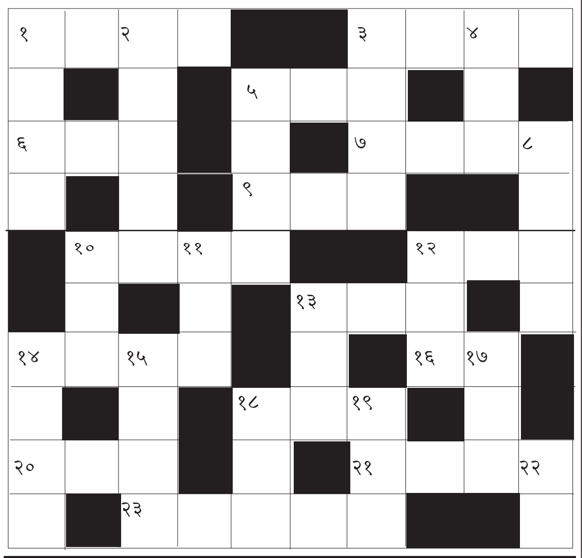

बायें से दायें:-

१. कम पढ़ा-लिखा, कट्टर अक्षर पूजक, मुल्ला का मौलवी
३. पहाड़ के नीचे की भूमि
५.पति (उर्दू)
६. विवाह विच्छेद (उर्दू)
७. वैद्यों को मिलने वाली एक उपाधि९.
९. दिखलाना
१०.गुत्थी, फंसाव या किसी समस्याका दूर हो जाना
१२. कमल
१३. जिसके पास कोई हथियार न हो, निशस्त्र
१४. नशे में अंट-शंट बकना, पथ भ्रष्ट होनाॉ
१६. झुका हुआ
१८. जिसमेंमन न लगे, अरुचिकर (उर्दू)
२०. सरस्नती, दुर्गा
२१. किसी भाषा के अक्षरों की क्रमबद्ध सूची
२३.भारत में स्थित एक विश्वप्रसिद्ध ऐतिहासिक इमारत

ऊपर से नीचे:-

१.हथेली
२. वीणी (उर्दू)
३. आवेश में आना,, क्रुद्ध होना
४. कातिल
५. क्रय करना, मोल लेना (उर्दू)
८. पेचीदगी, कठिनता, घुमावदार होना
१०. संधि, मेल, समझौता
११. पेड़ के पत्तों का टूटकर गिरना, या बालों का गिरना, बरसना
१२. उठना, उठाना, बढ़ती, उन्नति
१३. ममतारहित, निष्ठुर
१४. ताकतवर
१५. वर देना वाला
१७. अनुवाद (उर्दू)
१८. पत्नी (उर्दू)
१९. नया, नवीन
२२. मुंह से निकलने वाला लसदार तरल पदार्थ

वर्ग पहेली-6283

दु	स्सा	ह	स	■	■	वै	धा	नि	क
र्व	■	म	■	अ	व	ज्ञा	■	र्झ	■
					■				
न	■	व	■	गं	ध	क	■	■	ना
■	न	र	मे	ध	■	■	उ	त्त	म
■	वा	■	म	■	इ	त्या	दि	■	ह
प	सा	र	ना	■	जा	■	त	क	■
रा	■	क्त	■	बा	रा	त	■	लं	■
म	ना	ही	■	ज	■	रू	चि	क	र
र्श	■	न	ट	रा	ज	■	■	■	व

युसूफ कुरैशी, मो. 8109948408

आज का इतिहास

1765- इलाहाबाद संधि के तहत भारत में ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के शासन की शुरुआत।
1831- नीदरलैंड और बेल्जियम ने शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए।
1851- आइजैक मेरिट सिंगर ने सिलाई मशीन का पेटेंट करवाया।
1833- अमेरिका में शिकागो शहर की स्थापना।
1908- हेनरी फोर्ड की कार कंपनी ने पहला कार मॉडल बनाया।
1914- प्रथम विश्व युद्ध के दौरान ब्रिटेन ने ऑस्ट्रिया-हंगरी पर हमले की घोषणा की।
1919- भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम के जनक वैज्ञानिक विक्रम साराभाई का जन्म।
1920- पोलैंड और रूस के बीच वारसॉ की लड़ाई शुरू हुई।
1953- यूनान के लोनियन द्वीप में भूकंप से 435 लोगों की मौत हुई।
1960- नासा ने अपना पहला सफल संचार उपग्रह ईको-ए प्रक्षेपित किया।
1962- पहली बार दो लोग एक साथ अंतरिक्ष में गये।
1964- दक्षिण अफ्रीका को ओलंपिक खेलों से प्रतिबंधित किया गया।
1971- सीरिया ने जॉर्डन से राजनयिक संबंध तोड़े।
1981- आईबीएम ने अपना पहला पर्सनल कंप्यूटर पेश किया।
1994- कांगो गणराज्य की राजधानी ब्राजविल्ले में एक चर्च में भगदड़ मची, 142 लोग मारे गये।
2004- फ्रांस के मशहूर स्ट्राइकर जिनेदिन जिदान ने अंतरराष्ट्रीय फुटबाल से संन्यास लिया।
2006- यूरोपीय प्रक्षेपण यान एरियन-5 ने जापान के संचार उपग्रह और फ्रांस के एक सैन्य उपकरण को सफलतापूर्वक अंतरिक्ष की कक्षा में स्थापित किया।
2008- आमिर खान को उनकी फिल्म 'तारे ज़मीं पर' के लिए गोलापुड़ी श्रीनिवास मेमोरियल अवार्ड प्रदान किया गया।

सतर्कता सुरक्षाबलों ने इलाकों में तलाशी अभियान किया शुरू

हताश और भाग रहे आतंकियों का निशाना अब स्वतंत्रता दिवस

जम्मू, 11 अगस्त (देशबन्धु)। अगर खुफिया अधिकारियों पर विश्वास करें तो सुरक्षाबलों के बढ़ते दबाव और अधिकांश कमांडरों के मारे जाने से हताश आतंकी गुट अपने बचे खुचे कैडर का मनोबल बनाए रखने के लिए स्वतंत्रता दिवस के दौरान राज्य में दोनों राजधानी शहरों श्रीनगर व जम्मू में किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में हैं। सुरक्षाबलों ने आतंकियों के मंसूबों को समय रहते नाकाम बनाते हुए कानून व्यवस्था का माहौल बनाए रखने के लिए विभिन्न इलाकों में तलाशी अभियान शुरू कर दिया है।

सूत्रों के अनुसार, आतंकियों ने दोनों राजधानी शहरों में अपने माड्यूल सक्रिय कर दिए हैं। कोरोना काल के बीच इस वर्ष का स्वतंत्रता दिवस समारोह का मुख्य आयोजन मौलाना आजाद स्टेडियम में होना हैं, जिसके चलते वहां सुरक्षा को पुख्ता बनाने का काम शुरू हो गया हैं। स्टेडियम के आसपास सुरक्षा बलों की तैनाती शुरू कर दी गई हैं। जम्मू पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि शहर और उसके बाहरी क्षेत्रों को सुरक्षा के लिहाज से विभाजित कर वहां पर्याप्त मात्रा में सुरक्षाबलों की तैनाती आरंभ की गई है। विशेष रूप से मुख्य समारोह स्थल और इसके आसपास के क्षेत्रों की जांच चल रही है। पाकिस्तान के साथ लगती अंतरराष्ट्रीय सीमा (आईबी) से आतंकियों द्वारा घुसपैठ की आशंका के बारे में खुफिया सूचनाएं मिली हैं। जिसके चलते बीएसएफ के साथ मिलकर आतंकियों के नापाक इरादे को विफल बनाने के लिए रणनीति बनाई जा रही हैं।

आतंकियों के मंसूबों को भांपते हुए वादी में अल्पसंख्यकों की बस्तियों की सुरक्षा की समीक्षा कर उसमें व्यापक सुधार लाने के अलावा विभिन्न धर्मस्थलों की सुरक्षा भी बढ़ाई गई है। सूत्रों ने बताया कि श्रीनगर-जम्मू राष्ट्रीय राजमार्ग पर भी सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। हाईवे पर आतंकी हमले की संभावना का आकलन करते हुए उसे विभिन्न सेक्टरों में बांटते हुए आवश्यकता अनुसार सुरक्षाबलों की गश्त बढ़ाई गई है। जम्मू रेलवे स्टेशन, बस अड्डों की सुरक्षा कड़ी, नाकों की संख्या बढ़ाई जाने लगी है। जम्मू में भी विभिन्न इलाकों में पुलिस व अर्धसैनिकबलों की गश्त बढ़ाई गई है। रेलवे स्टेशन और बस अड्डों की सुरक्षा बढ़ाने के साथ शहर में आने जाने के रास्तों पर भी नाकों की संख्या बढ़ाने के आदेश जारी किए गए हैं। आईबी और एलओसी पर भी चौकसी बढ़ाते हुए स्थानीय लोगों को भी किसी संदिग्ध को देखते ही निकटवर्ती सुरक्षा चौकी में सूचित करने के लिए कहा गया है।

दुनिया को जानें

छिंगहाई-तिब्बत पठार पर लुप्तप्राय दुर्लभ मछली दिखी

बीजिंग, 11 अगस्त (एजेंसियां)। हाल ही में चीन के छिंगहाई प्रांत के युशू तिब्बती स्वायत्त स्टेट के कृषि और पशुपालन व्यापक प्रशासनिक कानून प्रवर्तन पर्यवेक्षण ब्यूरो से मिली खबर के अनुसार छिंगहाई-तिब्बत पठार की दुर्लभ मछली-पतली पूंछ वाली कैटफ़िश-चीन में तीन नदियों के स्रोत पर लंकांग नदी बेसिन में 40 से अधिक वर्ष तक गायब होने के बाद फिर से नजर आयी। जानकारी के अनुसार चीनी विज्ञान अकादमी के उत्तर-पश्चिम पठार जीवविज्ञान अनुसंधान प्रतिष्ठान ने कुछ स्थानीय विभागों के साथ संयुक्त रूप से चीन के तीन नदियों के स्रोत क्षेत्र में लंकांग नदी की ऊपरी पहुंच में संबंधित मछली संसाधन जांच और जर्मप्लाज्म संग्रह किया। पहली बार, लंकांग नदी की ऊपरी पहुंच में लुप्तप्राय और दुर्लभ मछली, पतली पूंछ वाली कैटफिश की खोज की गई। उत्तर-पश्चिम पठार जीवविज्ञान अनुसंधान प्रतिष्ठान के शोधकर्ता चाओ खाई ने परिचय देते हुए कहा कि पतली पूंछ वाली कैटफिश छिंगहाई-तिब्बत पठार पर एक अनोखी मछली है, और यह तीन नदियों के स्रोत क्षेत्र में लंकांग नदी में एकमात्र मांसाहारी तल पर रहने वाली देशी मछली भी है।

प्रादेशिकी

पांगी के आवासीय आयुक्त के निजी सचिव ने बांटी 7 लाख से अधिक राशि, क्या यह सुपर डीसी है : जनक राज

शिमला, 11 अगस्त (देशबन्धु)। भाजपा विधायक डॉ जनक राज ने कहा पिछले कल पांगी घाटी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुई, इस वीडियो को देखकर ऐसा लगता है कि सरकार ने व्यवस्था परिवर्तन की विषय पर कार्य करना शुरू कर दिया है। यह व्यवस्था परिवर्तन ही तो है जिसमें एक आवासीय आयुक्त के निजी सहायक बतौर मुख्य अतिथि कार्यक्रमों में जाकर वित्तीय घोषणाएं कर रहे है, अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर की बात कर रहे हैं। हम ऐसी स्थिति में सरकार से यह पूछना चाहेंगे कि उनको यह वित्तीय शक्तियां किसने प्रदान करी, कब प्रदान करी या यह कांग्रेस पार्टी के नारा व्यवस्था परिवर्तन का भाग है। ऐसा लगता है कि कांग्रेस सरकार का अधिकारियों पर कोई नियंत्रण नहीं है।

प्रदेश में कानून व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त : जयराम

शिमला, 11 अगस्त (एजेंसियां)। हिमाचल के पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा कि प्रदेश में क़ानून व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त हो गई है। अपराधियों के हौसलें बुलंद हैं। हर तरफ़ माफिया हावी हैं। प्रदेश में अपराध का ग्राफ आसमान छू रहा है। सरकार ने लोगों की सुरक्षा को भगवान भरोसे छोड़ दिया है। उन्होंने कहा कि नालागढ़ जैसे औद्योगिक क्षेत्र में सरेआम दो लोगों की बेरहमी से हत्या कर दी गई। हत्यारे तलवार-चाकू लेकर प्रदेश में आए और दो लोगों को सरेराह मार कर भाग गए। प्रदेश में ऐसा कभी नहीं हुआ।

भारतीय जनता पार्टी के नेता ठाकुर ने कहा कि दूसरे प्रदेश से लोग आते हैं, देवभूमि में हत्या करके चले जाते हैं। पुलिस कुछ भी नहीं कर पाती है। पुलिस उन्हें रोकना तो दूर पकड़ भी नहीं पाती है। तीन हत्यारे हथियारों के साथ प्रदेश की सीमा में कैसे आए और कैसे भाग गए, मुख्यमंत्री को इस बात का जवाब प्रदेश को देना होगा। लोगों के मन में पुलिस का ख़ौफ़ ही नहीं हैं। इस तरह की वारदात कोई पहली बार नहीं हुई है। इसके पहले चंबा में एक युवक को आठ टुकड़ों में काट कर फेंक दिया। पुलिस पर मृतक के परिजनों ने मामले में लीपापोती करने का आरोप लगाया। हर बार पुलिस पर लापरवाही और माफ़ियाओं के साथ सख़्ती न करने के आरोप लग रहे हैं। मुख्यमंत्री स्वयं इसका संज्ञान लें।

उन्होंने कहा कि नालागढ़ में पहले भी उद्योगपतियों ने माफ़ियाओं की प्रताड़ना से पलायन करने का अल्टीमेटम दे चुके हैं। आये दिन खनन माफियाओं द्वारा किसी न किसी प्रकार की आपराधिक घटना मीडिया की सुर्खियां बन रही हैं। खनन माफ़ियाओं द्वारा दिन दहाड़े गोलीबारी की घटनाएं भी सामने आ चुकी हैं। हर बार पुलिस द्वारा आरोपितों के ख़िलाफ़ कार्रवाई करने में पुलिस द्वारा लापरवाही करने के भी आरोप लग रहे हैं। इस तरह के माफ़ियाओं को किसका संरक्षण है। खनन माफिया द्वारा पुलिस के साथ मारपीट की गई। मोबाइल छीन लिया गया। अगर प्रदेश में अपराधियों के हौंसले इस कदर बुलंद हो जाएंगे तो आम आदमी का जीना मुश्किल हो जायेगा।

उन्होंने कहा कि इस हत्याकांड पर पुलिस सख़्त कार्रवाई करे। अपराधी चाहे जहां भी छिपे हों, उन्हें पकड़ के लाये और सख़्त से सख़्त सज़ा दिलवाए। जिससे आगे कोई भी तरह की वारदात करने की हिम्मत न कर सके।

उन्होंने कहा कि नालागढ़ एक औद्योगिक क्षेत्र हैं। प्रदेश के आर्थिक गतिविधि का प्रमुख केंद्र है। ऐसी जगहों पर इस तरह की वारदात होना अपने आप में बड़ी चूक है। औद्योगिक क्षेत्रों में इस तरह की घटनाएं लोगों में असुरक्षा का भावना पैदा करेगी। इससे औद्योगिक गतिविधियां भी प्रभावित होंगी। यह प्रदेश के लिए अच्छी स्थिति नहीं है।

उन्होंने कहा कि इसके पहले रोहडू के टिक्कर में एक मासूम के साथ एक दुकानदार द्वारा बर्बर कृत्य किया गया और उस मामले में भी पुलिस पीड़ित को टालती रही। जब वीडियो वायरल हुआ तब जाकर कार्रवाई की गई। पिछले आठ महीनें में सैंकड़ों मामलों में पीड़ित ने पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि यह प्रदेश देवभूमि हैं और यह क़ानून व्यवस्था और शांति के लिए देश भर में हिमाचल की पहचान है। इसलिए किसी भी हालत में क़ानून व्यवस्था के साथ खिलवाड़ नहीं होना चाहिए। सरकार प्रदेश की बिगड़ती क़ानून व्यवस्था पर ध्यान दें। देवभूमि में इस तरह से माफिया का बोलबाला हम नहीं चलने देंगे।

ऊपरी शिमला में सड़कें बहाल करने के कार्यों में आई तेजी: सुक्खू

शिमला, 11 अगस्त (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के तीन दिवसीय दौरे के बाद शिमला जिला के आपदा प्रभावित क्षेत्रों में सड़कों के पुनर्निर्माण के प्रयासों में तेज़ी आई है। उनके इस दौरे से लोक निर्माण विभाग और ग्रामीण विकास विभाग नई ऊर्जा के साथ दिन-रात सड़क बहाली के कार्यों में जुट गए हैं। क्षतिग्रस्त सड़कों की मुरम्मत तथा सेब परिवहन निर्बाध रूप से सुनिश्चित करने के लिए अस्थायी विकल्प भी तैयार किए जा रहे हैं। दौरे के दौरान ही मुख्यमंत्री के निर्देशों पर दोनों विभागों को लगभग 11 करोड़ रुपये की अतिरिक्त राशि आवंटित की गई है ताकि किसानों के उत्पाद को समयबद्ध परिवहन सुविधा मिल सके। आपदाग्रस्त क्षेत्रों के नुकसान के आकलन के दौरान मुख्यमंत्री ने प्रभावित परिवारों के प्रति सहानुभूति व्यक्त करते हुए आश्वस्त किया कि प्रदेश सरकार दु:ख की इस घड़ी में उनके साथ है। दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंचकर उन्होंने आपदा प्रभावित व्यक्तियों से संवाद किया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता सेब और अन्य नकदी फसलें समयबद्ध बाज़ार तक पहुंचाना है ताकि बागवानों पर कोई अतिरिक्त वित्तीय बोझ न पड़े।

राज्य सरकार बुरी तरह से प्रभावित परिवहन नेटवर्क को पुनर्जीवित करने के लक्ष्य के साथ कार्य कर रही है और सेब उत्पादक क्षेत्रों में सड़कों की मरम्मत के लिए लोक निर्माण विभाग को 110 करोड़ रुपये की राशि वितरित की जा चुकी है: सुखविंदर सिंह सुक्खू

मुख्यमंत्री ने सेब सीजन के दृष्टिगत 15 अगस्त तक पंचायत स्तर तक सड़कें सुचारू करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार बुरी तरह से प्रभावित परिवहन नेटवर्क को पुनर्जीवित करने के लक्ष्य के साथ कार्य कर रही है और सेब उत्पादक क्षेत्रों में सड़कों की मरम्मत के लिए लोक निर्माण विभाग को 110 करोड़ रुपये की राशि वितरित की जा चुकी है। मुख्यमंत्री के स्वयं प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचने के बाद लोक निर्माण विभाग ने भी अपने प्रयास तेज़ किए हैं और लगभग 250 जेसीबी और भारी मशीनरी बहाली कार्यों के लिए तैनात की गई है। ग्रामीण विकास विभाग के सहयोग से दोनों ही विभाग निर्धारित समय अवधि के भीतर पंचायत स्तर की सड़कों को बहाल करने के लिए अथक प्रयास कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार सेब उत्पादक क्षेत्रों में परिवहन व्यवस्था की बहाली एवं निर्बाध प्रवाह सुनिश्चित कर रही है और सेब पर आधारित यहां की आर्थिकी को संरक्षित एवं मज़बूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि राहत और बचाव कार्यों में धन की कोई कमी आड़े नहीं आने दी जाएगी।

दो नेशनल हाईवे समेत 242 सड़कें अवरुद्ध, दलदल में फंसी छात्रा

हिमाचल प्रदेश में 'येलो अलर्ट' के बीच शुक्रवार को भारी बारिश हुई है। प्रदेश भर में दो नेशनल हाईवे समेत 242 सड़कें अवरुद्ध हैं। वहीं 989 बिजली ट्रांसफॉर्मर ठप और 19 पेयजल योजनाएं प्रभावित हैं। कालका शिमला नेशनल हाईवे-5 चक्कीमोड़ के पास भूस्खलन होने से बाधित हो गया है। जिसे छोटे वाहनों के लिए बहाल भी किया गया है। चक्कीमोड़ के समीप दत्यार में भी भूस्खलन हुआ है। मंडी कुल्लू नेशनल हाईवे 6 मील और 9 मील के पास अवरुद्ध है। मंडी पठानकोट रोड 32 मील के पास बाधित है। वहीं पांवटा शिलाई हाईवे भी बंद है। प्रदेश में 14 अगस्त तक बारिश का दौर जारी रहने का पूर्वानुमान है। जिला शिमला के चौपाल में एक स्कूली छात्रा दलदल में फंस गई। ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत से छात्रा को बाहर निकाला। चौपाल की लिंगजार पंचायत में यह घटना उस वक्त हुई जब छात्रा स्कूल जा रही थी। घागस-ब्रह्मपुखर रोड मगरोट के पास भूस्खलन होने से बाधित है। वाहनों को वाया बिलासपुर बाजार रूट से भेजा जा रहा है। सोलन-बिलासपुर रोड सबाठू के पास भूस्खलन होने से बाधित है। सुबाथू कुनिहार मार्ग सुबाथू के समीप बंद है। लोग पैदल अवाजाही कर रहे हैं।

सार संक्षेप

प्रदेश में चरमराई क़ानून व्यवस्था, दोहरे हत्याकांड से दहशत में लोग : राजीव सहजल

शिमला। हिमाचल प्रदेश के नालागढ़ में रोंगटे खड़े कर देने वाली वारदात सामने आई है। जहां दो सगे भाईयों की तलवार से हमला कर नृशंस हत्या की गई है। वीरवार शाम नालागढ़ में दरगाह के नजदीक सनसनीखेज वारदात को अंजाम दिया गया। इस सनसनीखेज वारदात को अंजाम देने के बाद प्रदेश की कानून व्यवस्था पर सवाल पूर्व स्वास्थ्य मंत्री व भाजपा उपाध्यक्ष डॉ राजीव सहजल ने उठाए हो। उन्होंने प्रदेश में चरमराई हुई कानून व्यवस्था को जिम्मेदार ठहराया है। मनोहर हत्याकांड के बाद प्रदेश को दहलाने वाला एक और हत्याकांड नालागढ़ में पेश आया है। दो युवकों को तलवार से काट कर मौत के घाट उतार दिया गया है। प्रदेश की सीमाओं पर बाहर के प्रदेशों से हत्यारे आकर ऐसी घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कानून व्यवस्था चरमरा गई है। बाहर से आने वालों पर नजर रखने के पुलिस विभाग कुछ नही कर पा रहा है। इस हत्याकांड से पूरा इलाके में है भय का माहौल पैदा हो गया है। कानून व्यवस्था चरमराने पर ऐसे हालात पैदा हो रहे हैं। सरकार को बढ़ते अपराध पर रोक लगाने के लिए शीघ्र कठोर कदम उठाए।

स्वतंत्रता सेनानियों के आश्रितों की माँगों का निपटारा जल्द किया जायेगा : जौड़ामाजरा

चंडीगढ़। पंजाब के कैबिनेट मंत्री चेतन सिंह जौड़ामाजरा ने शुक्रवार को कहा कि स्वतंत्रता सेनानियों के आश्रितों की माँगों का निपटारा जल्द किया जायेगा। स्वतंत्रता सेनानियों के आश्रितों के साथ एक बैठक को संबोधित करते हुए मंत्री चेतन सिंह जौड़ामाजरा ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व वाली पंजाब शहीद भगत सिंह के सपनों का पंजाब बनाने के लिए दृढ़-संकल्प है। उन्होंने कहा कि सरकार स्वतंत्रता सेनानियों के परिवारों को उचित सम्मान देने के लिए लगातार प्रयत्नशील है। बैठक में उपस्थित अखिल भारती स्वतंत्रता सेनानी संगठन, फ्रीडम फ़ाइटर उत्तराधिकारी संस्था (196) और फ्रीडम फाइटर उत्तराधिकारी एसोसिएशन पंजाब के अधिकारियों द्वारा अपनी सभी माँगों के संबंध में श्री जौड़ामाजरा को अवगत करवाया गया। श्री जौड़ामाजरा ने सकारात्मक आश्वासन देते हुए कहा कि स्वतंत्रता सेनानियों के परिवारों को सम्मान के तौर पर सरकार द्वारा सुविधाएं दी जाती हैं और यदि किसी स्वतंत्रता सेनानियों के आश्रित परिवार को यह सुविधाएं देने में कोई कठिनाई आती है तो इसको दूर किया जायेगा। उन्होंने अधिकारियों को हिदायत की कि भविष्य में हर छह महीने के बाद स्वतंत्रता सेनानियों के आश्रितों के लिए राज्य स्तरीय बैठक की जाये।

सुडोकू 6284 का हल

9	1	5	3	4	7	8	6	2
2	8	3	9	5	6	4	7	1
7	4	6	1	2	8	5	3	9
8	3	2	4	9	1	6	5	7
4	9	7	2	6	5	1	8	3
5	6	1	7	8	3	2	9	4
6	2	9	5	7	4	3	1	8
3	5	4	8	1	9	7	2	6
1	7	8	6	3	2	9	4	5

कांग्रेस एकजुट, चुनाव में अपनाया जाएगा कर्नाटक मॉडल : गहलोत

जयपुर 11 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने उनकी पार्टी में कोई मतभेद नहीं बताते हुए कहा है कि वे सब एकजुट है और सब एकराय होकर आगामी विधानसभा चुनाव लड़ेंगे और इसमें कर्नाटक मॉडल को अपनाया जायेगा।

श्री गहलोत ने पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी की बैठक के बाद मीडिया से बातचीत में शुक्रवार को यहां यह बात कही। उन्होंने कहा कि चुनाव में राजस्थान के अंदर भी कर्नाटक मॉडल को अपनाया जायेगा। उन्होंने कहा कि चुनाव के लिए उम्मीदवारों की चयन प्रक्रिया शीघ्र शुरु करके सितंबर के अंत या अक्टूबर के शुरु में प्रत्याशियों की एक सूची जारी करने के हमारे प्रयास है। इसी रुप में आगे बढ़ा जायेगा और सबके एकराय एवं एकजुट होकर चुनाव लड़ा जायेगा।

एक सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा पार्टी में कोई मतभेद नहीं है। छोटे मोटे मतभेद कहां नहीं होते है, हम सब की मंशा है कि हमें विधानसभा चुनाव जीतना है, सरकार बनानी है। इसमें सबकी एकराय है और हम सब एकजुट होकर चुनाव लड़ेंगे। मतभेदों की बात को अनावश्यक रूप से फैलाने का प्रयास नहीं किए जाने चाहिए। यह चुनाव राजस्थान का ही चुनाव नहीं है, यह चुनाव देश के भविष्य को लेकर है।

उन्होंने कहा कि पर्यवेक्षक 17 अगस्त को लोकसभा क्षेत्रों में एक साथ जायेंगे, वहां रुकेंगे और स्थानीय नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ बैठकें करेंगे। वे लगातार जिलों में आते रहेंगे और नेताओं एवं कार्यकर्ताओं के साथ बैठकें करेंगे। इसी तरह तीनों सचिव अलग दैरे कर रहे है, उनकी अलग भमिका है। श्री गहलोत ने कहा कि प्रदेश प्रभारी सुखजिंद्र सिंह रंधावा के सानिध्य में बैठक होगी और पीसीसी सदस्यों को जिम्मेदारी दी जायेगी। क्षेत्रों में वहां के नेता क्या सोचते है, सबकी राय लेकर शार्ट लिस्ट करने के प्रयास किए जायेंगे।

एक अन्य सवाल पर श्री गहलोत ने कहा कि उनका व्यक्तिगत विचार है कि चुनाव आयोग की साख के लिए जरूरी है कि चुनाव आयुक्त की नियुक्ति के लिए चयन समिति में देश के मुख्य न्यायाधीश शामिल हों। समिति से मुख्य न्यायाधीश का नाम क्यों हटा दिया गया और एक मंत्री को प्रधानमंत्री नॉमिनेट करेंगे, तो फिर चुनाव आयोग के मायने क्या रह जाएंगे। उन्होंने कहा कि जो नया कानून आया है, उसमें मुख्य न्यायाधीश का नाम हटा दिया गया है, इससे संदेह पैदा होता है और उच्चत्तम न्यायालय की जो भावना थी, उसकी धज्जियां उड़ाई जा रही है।

सुक्खू सरकार में सियासी साईबर वॉर तेज होने के आसार

■ हिमकिरण मांटा

शिमला, 11 अगस्त (देशबन्धु)। हिमाचल कांग्रेस व सुक्खू सरकार में सियासी साईबर वॉर तेज होने के आसार प्रतीत बढ़ गए हैं। विधायक राजेंद्र राणा व सुधीर शर्मा के सोशल मीडिया पर पोस्ट के बाद कृषि मंत्री चंद्र कुमार द्वारा इसे अनुशासनहीनता करार देने के बाद उनके पुत्र एवं पूर्व सीपीएस नीरज भारती ने उन्हें सलाह दी है। भारती ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया कि कृषि मंत्री चंद्र कुमार को निर्वाचित विधायकों पर टिप्पणी करने से गुरेज करना चाहिए। नीरज ने यहां तक लिखा कि सरकार को कार्य प्रणाली बनाने के लिए 8 महीने काफी होते हैं। उन्होंने लिखा कि प्रदेश के सबसे बडे जिला कांगड़ा से आप इकलौते मंत्री हैं। लिहाजा अधिकारियों व कर्मचारियों के बारे में सोचें जो कांग्रेस कार्यकर्ताओं को मुंह नहीं लगा रहे। जाहिर है कि अधिकारियों के तबादले न होने से नीरज के साथ साथ कांग्रेस के अन्य कार्यकर्ता भी नाराज बताए जा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि कांग्रेस सरकार में संगठन से जुड़े कार्यकर्ताओं के मुद्दे को पीसीसी चीफ प्रतिभा सिंह व विधायक कुलदीप राठौर उठा चुके हैं। बीते दिनों कांग्रेस विधायकों राजेंद्र राणा व सुधीर शर्मा ने भी सोशल मीडिया पर महाभारत का उल्लेख किया। राणा व शर्मा दोनों ही मंत्री पद की दौड़ में शामिल बताए जा रहे हैं, मगर मंत्रिमंडल विस्तार न होने से दोनों मायूस हैं। लिहाजा दोनों ने सोशल मीडिया के माध्यम से संकेत देने के प्रयास किए हैं। कांग्रेस के इन दोनों विधायकों से सियासत में भूचाल आने के संकेत मिल रहे हैं। बीते रोज कृषि मंत्री चंद्र कुमार ने राजेंद्र राणा व सुधीर शर्मा के बयान को अनुशासन हीनता करार देते हुए कहा था कि हाईकमान को इस पर संज्ञान लेना चाहिए। उन्होंने कहा था कि सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू सभी को विश्वास में लेकर काम कर रहे हैं। पार्टी व सरकार में तालमेल है। मगर इसके बाद उनके पुत्र पूर्व सीपीएस नीरज भारती ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया। नीरज भारती के सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर पत्रकारों द्वारा संपर्क करने पर चंद्र कुमार ने कहा कि सरकार का फोकस आपदा प्रभावितों को राहत प्रदान करने व पुनर्वास पर है। उन्होंने कहा कि वह सोशल मीडिया का उपयोग नहीं करते। कहा कि तबादलों को लेकर नीति बनाई जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को सत्ता में लाने में पीसीसी चीफ प्रतिभा सिंह का योगदान भी है। एमसी व विधान सभा चुनाव में जीत के लिए पीसीसी चीफ व सीएम ने भूमिका निभाई है। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि मंत्रिमंडल का विस्तार होना है। बोर्डों निगमों में भी नियुक्तियां होनी हैं। कांग्रेस बड़ा परिवार है। लिहाजा सभी को धैर्य रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि भाजपा को इस मुद्दे पर बोलने की आवश्यकता नहीं। 5 साल विपक्ष में रहने के लिए उन्हें जनादेश मिला है।

अंगदान के महत्व को लेकर डॉक्टरों ने किया जागरूक

गुरुग्राम, 11 अगस्त (देशबन्धु)। अंगदान महादान है, लेकिन एक बहुत बड़े तबके में इसे लेकर उचित जानकारी का अभाव है। आंकड़ों के अनुसार देश में अंगदान की दर बीते कुछ वर्षों में 0.05 प्रति मिलियन से बढ़कर 0.08 प्रति मिलियन हुई है। अभी इस दिशा में हमें बहुत लंबा रास्ता तय करना है। इसी का ध्यान में रखते हुए सनर इंटरनेशनल हॉस्पिटल्स ने अपने परिसर में अंगदान पर एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। डॉक्टर अंकुर गर्ग, एच.ओ.डी. एंड सीनियर कंसल्टेंट, एचपीबी सर्जरी एंड लिवर ट्रांसप्लांट और डॉक्टर सुमित शर्मा, डायरेक्टर एंड एचओडी, यूरोलॉजी, यूरो-ऑन्कोलॉजी, एंड्रोलॉजी, यूरो-रोबोटिक्स ने अंगदान को लेकर विविध जानकारियाँ साझा कीं।

डॉक्टर सुमित शर्मा ने कहा, अंग दान करने से ज्यादा सही और क्या होगा? अंगदान करके न केवल आप किसी एक व्यक्ति की जिंदगी बचाते हैं, बल्कि उन लोगों को भी अनमोल तोहफा देते हैं जिनकी जिंदगी उस व्यक्ति से जुड़ी है या उसी व्यक्ति पर निर्भर है। अपनी मर्जी, उचित जानकारी, डॉक्टर की सलाह के साथ किया गया अंगदान बिल्कुल सही है। जीवित रहते अंगदान से भविष्य में किसी समस्या को लेकर डॉक्टर अंकुर गर्ग ने कहा, इससे आपकी रोजमर्रा की जिंदगी पर कोई नकरात्मक प्रभाव नहीं पड़ता। सर्जरी के कुछ दिनों तक कुछ परहेज ज़रूर बताए जा सकते हैं लेकिन लम्बे समय में इसका कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं है। एक किडनी दान करने के बाद, दूसरी एक किडनी के साथ सामान्य जीवन जिया जा सकता है, साथ ही लिवर की यदि बात करें तो इस प्रक्रिया में डोनर के लिवर का एक टुकड़ा या हिस्सा लिया जाता है और मरीज में प्रत्यारोपित किया जाता है। सर्जरी के बाद डोनर के लिवर का लिया गया हिस्सा कुछ दिनों में अपने आप विकसित हो जाता है। हमारे आस-पास ऐसे तमाम लोग हैं जिन्होंने किसी अपने को अपनी किडनी या लिवर का हिस्सा दान किया है, स्वस्थ जीवनशैली के साथ वे बेहतर जीवन जी रहे हैं।

गाजियाबाद के रहने वाले 53 वर्षीय मनोज कुमार लम्बे समय से लगातार काले मल, फेफड़ों में पानी जमा होना, पैरों में सूजन, लगातार बढ़ता पीलिया आदि जैसे लक्षणों से परेशान थे। इन सभी शिकायतों के साथ वे बीते समय सनर इंटरनेशनल हॉस्पिटल्स आये। यहां शुरुआती जांच के बाद पता चला कि उन्हें लिवर सिरोसिस की समस्या है। सनर इंटरनेशनल हॉस्पिटल्स में उनकी सभी जरूरी जांच के बाद पता चला कि लिवर ट्रांसप्लांट एकमात्र समाधान है। मनोज जी व उनके परिवार के सदस्यों से इस संदर्भ में बातचीत की गई। उनके कई परिजनों ने लिवर दान करने की इच्छा जाहिर की, लेकिन कोई सदस्य मैचिंग डोनर नहीं था। उनकी भाभी (छोटे भाई की पत्नी) श्रीमति रंजना रानी ने डोनर के रूप में उन्हें अपने लिवर का एक हिस्सा दान करने का फैसला किया। अभी दोनों पूरी तरह स्वस्थ हैं।

हिमाचल में पैराग्लाइडिर गिरने से इजरायली महिला समेत पायलट घायल

शिमला, 11 अगस्त (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के जनजातीय जिले लाहौल स्पीति में धडल्ले से पैराग्लाइडिंग हो रही हैं। बरसात के मौसम में 15 सितंबर तक पैराग्लाइडिंग गतिविधियों के बंद का दी गई थी। शुक्रवार को लाहौल के ट्रीलिंग नामक स्थान पर एक पैराग्लाइडर उड़ान भरते समय हादसे का शिकार हो गया। जिसमें एक इजरायली महिला के साथ पायलट घायल हो गया है। दोनों को उपचार के लिए जिला अस्पताल केलांग लाया गया। जहां विदेशी महिला को कुल्लू के लिए रेफर किया है। घटना को लेकर पुलिस ने मामला दर्जकर छानबीन शुरू कर दी है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार शुक्रवार दोपहर चंद्राघाटी के गोंधला पंचायत के ट्रीलिंग की चोटी से एक पैराग्लाइडर ने एक महिला यात्री के साथ उड़ान भरी थी। लेकिन उड़ान भरने के लिए जब वह दौड़े तो पैराग्लाइडर 10 से 15 फीट की ऊंचाई से अनियंत्रित होकर नीचे गिर गया। जिसमें सवार इजराइल की महिला पर्यटक शिरल तामार अवनी (28) की रीढ़ की हड्डी में चोट लग गई जबकि पायलट कुलदीप को हल्की चोट आई है। पायलट को अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। पुलिस अधीक्षक केलांग मयंक चौधरी ने कहा कि सात इजरायली महिलाओं का एक समूह पैराग्लाइडिंग लिए गोंधला आया था। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

एसडीएम एवं जिला पयर्टन अधिकारी रजनीश शर्मा ने बताया कि पैराग्लाइडिंग हादसे की जांच की जाएगी।

471 करोड़ रूपये की लागत से बीकानेर स्टेशन का पुनर्विकास कार्य होगा

बीकानेर 11 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान के बीकानेर क्षेत्र में उत्कृष्ट रेल सुविधाएं प्रदान करने के क्रम में रेलवे द्वारा बीकानेर स्टेशन का लगभग 471 करोड़ रूपये की लागत से अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पुनर्विकास किया जा रहा है।

उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी शशि किरण के अनुसार महाप्रबन्धक विजय शर्मा के बीकानेर स्टेशन के पुनर्विकास कार्य को लक्ष्यानुसार करने हेतु प्रक्रिया प्रारम्भ हो गई है। बीकानेर स्टेशन के पुनर्विकास कार्य का शिलान्यास प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गत आठ जुलाई को किया था।

बीकानेर स्टेशन बिल्डिंग के निर्माण में स्थानीय कला, हैरिटेज और आधुनिकता का समावेश किया जाएगा। स्टेशन पर भूतल एवं 9 मंजिला बिल्डिंग का निर्माण किया जायेगा, जिसमें 3 मंजिल पर यात्री सुविधाएं विकसित की जायेगी तथा अन्य मंजिलों को वाणिज्यिक गतिविधियों के लिये उपयोग में लिया जायेगा। स्टेशन बिल्डिंग का 46 हजार वर्ग मीटर क्षेत्र में निर्माण किया जायेगा इसके साथ ही 47 हजार वर्ग मीटर क्षेत्र को सर्कुलेटिंग एरिया एवं पार्किंग के लिए विकसित किया जाएगा।

नदी में गिरी बोलेरो, 4 पुलिस जवानों सहित 6 की मौत

शिमला, 11 अगस्त (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले में तीसा-बैरागढ़ मार्ग पर तरवाई पुल के पास बोलेरो गाड़ी सड़क से लुढ़क कर बैरा नदी में जा गिरी जिससे पुलिस के चार जवानों सहित छह लोगों की मौत हुई है। चार लोग घायल है जबकि एक लापता है। बोलेरो गाड़ी मंगली से तीसा की ओर रही थी कि अचानक चालक ने नियंत्रण खो दिया।

चंबा तीसा पांगी रोड पर पहाड़ गिरने से छह लोगों की मृत्यु हुई है जिसमें से दो स्थानीय और बाकी पुलिसकर्मी थे। मौके पर पहुंची टीमें लापता की तलाश कर रही हैं। इस टाटा सूमो में पुलिस के नौ जवानों सहित 11 लोग सवार थे, जिन में से चार जवानों सहित छह लोगों की मौत हो गई है और चार जवान घायल बताए जा रहे हैं। दुर्घटना के करणों के बारे में पता करने पर सूत्रों से सूचना प्राप्त हुई है कि तरवाही नामक स्थान पर पहाड़ी से पत्थर गिरकर सीधा ड्राइवर की गर्दन के ऊपर गिरा जिस कारण ड्राइवर की गर्दन टूट गई और गाड़ी सीधी ढ़ांक से गिरकर बैरा नदी में जहां गिरी है। इस दुर्घटना के कारण अभी तक छह लोगों की मृत्यु हो चुकी है और बाकी घायलों की स्थिति भी नाजुक बनी हुई है ।

पुलिस ने हादसे में जान गंवाने वाले पुलिस जवानों की पहचान सब इंस्पेक्टर राकेश गौरा, मुख्य आरक्षी प्रवीण टंडन, आरक्षी कमलजीत, आरक्षी सचिव व आरक्षी अभिषेक के रूप में की है। साथ में वाहन चालक चंदू राम पुत्र जयदयाल निवासी मंगली की भी मौत हुई है।

इसके अलावा पुलिस जवान आरक्षी अक्षय, आरक्षी लक्ष्य मोगरा ,आरक्षी सचिन व मुख्य आरक्षी राजेंद्र के अलावा मंगली निवासी पंकज कुमार गंभीर रूप से घायल है। गंभीर रूप से घायल लोगों को दिशा अस्पताल भर्ती करवाया गया है बताया जा रहा है कि ये जवान पुलिस चौक पोस्ट मंगली के थे। एसडीएम जोगिंद्र पटियाल ने बताया कि छह लोगों की मौत हुई है। एक की तलाश जारी है। तीन घायलों को मेडिकल कालेज चंबा रैफर किया गया है। उन्होंने बताया कि एक सिविल अस्पताल तीसा में उपचाराधीन है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। हादसे के कारणों की जांच कर जा रही है।

हिमाचल में वाहन दुर्घटना की जांच को लेकर कमेटी गठित

दुर्घटना की जांच को लेकर एसडीम तीसा की अध्यक्षता में एक कमेटी गठित करने के निर्देश जारी किए हैं। श्री देवगन ने कहा कि कमेटी निर्दिष्ट प्रारूप पर तत्काल गहन अध्ययन व जांच और विश्लेषण करने के उपरांत सात दिनों के भीतर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी। गठित कमेटी में सहायक अभियंता अभियांत्रिकी लोक निर्माण विभाग और थाना प्रभारी तीसा को शामिल किया गया है।

प्रादेशिकी

कोतवाली कायमगंज में पांच स्कूली वाहनों सहित आठ वाहन सीज

फर्रुखाबाद,11 अगस्त (देशबन्धु)। कोतवाली कायमगंज क्षेत्र में एआरटीओ प्रवर्तन सुभाष राजपूत तथा यातायात प्रभारी रजनेश कुमार की संयुक्त टीम द्वारा सघन चेकिंग की गई । चेकिंग में पांच स्कूली वाहनों को गंभीर अनियमितता पाने पर थाना कोतवाली में सीज कर दिया गया। सीज किए जाने वाले वाहनो में एम ए एस सूरज एकेडमी, श्री राम सिंह हायर सेकेंडरी स्कूल विद्या निकेतन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, एपी पब्लिक स्कूल तथा रामनारायण महिला महाविद्यालय के वाहन शामिल हैं। एपी पब्लिक स्कूल की बस का कोई भी प्रपत्र वैध नहीं पाया गया तथा उस पर आठ लाख का टैक्स भी बकाया था। एपी पब्लिक स्कूल कायमगंज में संचालित एक मारुति वैन को भी स्कूली छात्र ले जाने के अभियोग में सीज कर दिया गया।

उप्र विस में चला आरोप-प्रत्यारोप का दौर

लखनऊ, 11 अगस्त (देशबन्धु) विधानसभा के मानसून सत्र का अंतिम दिन काफी नोंक-झोंक वाला रहा। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव और नेता सदन योगी आदित्यनाथ के बीच खूब बहस-ओ-मुबाहिसा देखा गया। नेता प्रतिपक्ष ने सरकार पर तरह तरह के आरोप लगाए। कानून व्यवस्था से लेकर किसान हित के मुद्दे उठाकर उन्होंने सरकार को कठघरे में खड़ा करने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि यह सरकार पीडीए (पिछड़ा दलित और अल्पसंख्यक) के लिए कुछ नहीं कर रही है।

इस सरकार में अस्पतालों में मरीजों का न तो ठीक से इलाज हो पा रहा है और न ही दवाएं मिल रही हैं। संबंधित विभाग के मंत्री और उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक छापा तो बहुत मारते हैं लेकिन उनके छापों से किसी का भला नहीं हो रहा है। अखिलेश यादव ने कहा कि यह सरकार किसानों के लिए और बेरोजगारों के लिए भी कुछ नहीं कर रही। मुख्यमंत्री के शहर गोरखपुर में बारिश का पानी भर गया, उसकी व्यवस्था तक नहीं कर पाए तो बाकी प्रदेश को कैसे ठीक कर पाएंगे। नेता प्रतिपक्ष ने ऐसे ही किसानों के फसल बीमा, आवारा सांडों के हमलों से हो रही लोगों की मौत और इसके बाद उनको सहायता न मिल पाने, बिजली घरों का निर्माण न होने, एक्सप्रेस वे की गुणवत्ता आदि विषयों को गंभीरता से उठाते हुए हर मामले के लिए मुख्यमंत्री को जिम्मेदार ठहराया। इस दौरान नेता सदन और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मुस्कुराते हुए चुपचाप उनकी बातें सुनते रहे। लेकिन जब जवाब देने खड़े हुए तो शिवपाल सिंह यादव की ओर इशारा करते हुए बारंबार चुटकियां ली, साथ ही अखिलेश यादव को उनके मुख्यमंत्रित्वकाल की याद दिलाई और कहा कि अगर वह इतने ही काबिल

■ मानसून सत्र के आखिरी दिन अखिलेश ने सरकार पर लगाए आरोप, योगी ने दिया जवाब
■ मुख्यमंत्री ने अखिलेश व शिवपाल से लीं चुटकियां

होते तो जनता उन्हें यहां न बैठाती जहां बैठे हुए हैं। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि चार चार चुनाव हार जाने के बावजूद नेता प्रतिपक्ष को यह समझ नहीं आ रहा है कि उन्हें कैसे व्यवहार करना चाहिए। शिवपाल सिंह यादव की ओर इशारा करते हुए योगी ने कहा कि चच्चू आप ही इनको इमला सिखाइए।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पिछले एक घंटे से मैं नेता विरोधी दल के विचारों को सुन रहा था और एक घंटे के भाषण में बाढ़ और सूखा से संबंधित मुद्दों पर उन्हें सिर्फ गोरखपुर का जल जमाव याद आया और बाकी कुछ भी नहीं। यह अगर ऐसे ही बातें करते रहे तो 2027 और 2032 में भी ऐसे ही बेरोजगार रहेंगे। नेता विरोधी दल के वक्तव्य को देखकर यही लगा कि 2014, 2017, 2019 और 2022 का जो जनादेश है वो जनता ने ऐसे ही नहीं दिया। दुष्यंत कुमार ने इस पर बहुत अच्छी बात कही है कि तुम्हारे पांव के नीचे कोई जमीं नहीं और कमाल ये है कि फिर भी तुम्हें यकीं नहीं। उन्हें जमीनी हकीकत की कोई जानकारी नहीं है। तुलसीदास ने ये बात कही भी है कि समरथ को नहीं कोई दोष गोसाईं...ऐसे ही लोगों पर बातें अक्षरशः ठीक बैठती हैं, क्योंकि जो लोग जन्म से चांदी के चम्मच से खाने के आदी हैं वो गरीब-किसान-दलित की समस्या और उसकी पीड़ा को क्या समझेंगे। उन्होंने अति पिछड़ों और पिछड़ों के साथ क्या व्यवहार किया था, ये पूरा देश जानता है। महान किसान नेता और भारत के पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह ने कहा था कि देश की प्रगति का मार्ग इस देश के गांव, गलियों, खेत और खलिहानों से होकर जाता है।

सोना-चांदी से प्यार करने वाले लोग अन्नदाता के महत्व को नहीं समझेंगे

चौधरी चरण सिंह की बातों को वास्तव में समाजवादी पार्टी ने अपने कालखंड में थोड़ा भी ध्यान में रखा होता तो उत्तर प्रदेश के इतिहास में सर्वाधिक किसानों ने उनके कालखंड में आत्महत्या नहीं की होती। मुझे चौधरी चरण सिंह की बातों के साथ ही महान साहित्यकार राम कुमार वर्मा जी की पंक्तियां याद आती हैं जिन्हें ध्यान में रखकर डबल इंजन की सरकार काम कर रही है। यह देश के अन्नदाता किसानों के लिए समर्पित पंक्तियां थीं कि हे ग्रामदेवता नमस्कार, सोने चांदी से नहीं किंतु तुमने मिट्टी से किया प्यार, हे ग्राम देवता नमस्कार। सोना-चांदी से प्यार करने वाले लोग अन्नदाता किसान के महत्व को नहीं समझेंगे। उसकी पीड़ा को भी नहीं समझ पाएंगे। उन्होंने कहा कि अगर भारत की खेती की बात होती है तो नेता विरोधी दल, उससे बाड़ी शब्द भी जुड़ता है। पशुपालन भी उसका पार्ट है। और जिस सांड़ की आप बात कर रहे हैं न वो भी उसी का हिस्सा है। आपके समय में वो बूचड़ खाने के हवाले होता था, हमारे समय में यही पशु धन का पार्ट बना हुआ है। लगता है पेपर की कटिंग पर होमवर्क करते समय शिवपाल जी ने कुछ पुरानी कटिंग भी बीच में रखवा दी थीं।

क्योंकि इतिहास गवाह है कि जब परिवार में सत्ता का संघर्ष बढ़ता है तो कुछ न कुछ चीजें तो सामने आएंगी। शिवपाल जी ने इतना पापड़ बेला है तो कुछ तो सामने आएगा। शिवपाल जी के प्रति हमारी सहानुभूति है। आपके साथ अन्याय हुआ है। आपके साथ ये लोग न्याय करेंगे भी नहीं। यूपी में अमूमन 15 से 20 जून तक मानसून प्रवेश कर जाता था। इस वर्ष प्रारंभिक बारिश को छोड़ दें तो बारिश अनुकूल और अच्छी नहीं कही जा सकती है। हमने पहले ही बैठक करके अपनी रणनीति बनाई है। हिमालयी नदियों में बाढ़ की स्थिति पैदा हुई, इससे काफी फसलों को नुकसान पहुंचा है। उसके आंकलन के आदेश भी दिए गए हैं। उस पर कार्रवाई आगे बढ़ रही है। इसके बावजूद यूपी की स्थिति देश के अन्य राज्यों से काफी अच्छी है। यूपी देश का और दुनिया का अकेला ऐसा भूभाग है जहां 86 प्रतिशत भूमि, नगरों, सरकारी और निजी नलकूपों से सिंचित है। कृषि बोआई का सामान्य प्रतिशत 88 प्रतिशत फसलों की बोआई हो गई है।

नफरत, भ्रष्टाचार, बेरोजगारी व महंगाई है भाजपा सरकार की पहचान : अखिलेश

लखनऊ। किसान हितों की अनदेखी का आरोप लगाते हुए नेता प्रतिपक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने शुक्रवार को कहा कि चाल,चरित्र और चेहरे का दावा करने वाली भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की पहचान नफरत, भ्रष्टाचार, बेरोजगारी और महंगाई बन चुकी है। मानसून सत्र के अंतिम दिन शुक्रवार को विधानसभा में यादव ने कहा कि उत्तर प्रदेश को वर्ष 2027 तक एक ट्रिलियन डालर की इकोनॉमी बनाने का दावा करने वाली भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार के कार्यकाल में किसान परेशान है। बाढ़ और सूखे ने फसलों को बर्बाद कर दिया है वहीं पेट्रोल डीजल समेत अन्य वस्तुओं पर महंगाई की मार पड़ रही है। साड़ और जंगली जानवरों की दहशत की वजह से किसान खेतों में जाने से डर रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री एक साक्षात्कार में दावा करते हैं कि इंफ्रास्ट्रक्चर, एयरवेज, एक्सप्रेसवेज, वाटरवेज और मल्टी मॉडल ट्रांसपोर्ट सिस्टम के जरिए वे प्रदेश को एक ट्रिलियन डालर की अर्थव्यवस्था बनायेंगे मगर किसान और कृषि के बगैर यह काम कैसे मुमकिन है। अंग्रेजी कहावत है 'चैरिटी बिगिंस होम' मुख्यमंत्री से पूछना चाहूंगा कि फ्रेट कॉरिडोर गोरखपुर होकर क्यों नहीं जा रहा है। गोरखपुर के लोग जलभराव की समस्या से त्रस्त हैं। जो मुख्यमंत्री साढ़े छह साल में अपने ही शहर को दुरुस्त नहीं कर पाये वे दूसरों का घर कैसे ठीक करेंगे।

भूमि संबंधित विवादों के खात्मे को तकनीकी का करें इस्तेमाल : दुर्गा शंकर

■ मुख्य सचिव ने की राजस्व विभाग से सम्बन्धित जन समस्याओं की सुनवाई
■ राजस्व संबंधी मामलों में ऑनलाइन आवेदन की व्यवस्था की जाए

लखनऊ, 11 अगस्त (देशबन्धु)। मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र ने राजस्व विभाग से सम्बन्धित जन समस्याओं की सुनवाई करके उनके त्वरित निस्तारण के सम्बन्ध में प्रचलित व्यवस्था की समीक्षा की। अपने संबोधन में मुख्य सचिव ने कहा कि भूमि संबंधित विवादों को समाप्त करने के लिए टेक्नोलॉजी भरपूर इस्तेमाल किया जाए। पैमाइश, वरासत, नामांतरण, कृषि भूमि से अकृषि भूमि में परिवर्तन आदि राजस्व संबंधी मामलों में ऑनलाइन आवेदन की व्यवस्था की जाए। निस्तारण के लिए समयावधि तय की जाए और पोर्टल के माध्यम से अनुश्रवण किया जाए।

बिना उचित कारण मामलों व शिकायतों के निस्तारण में देरी लापरवाही के साथ-साथ भ्रष्टाचार का सूचक है। निर्धारित समयावधि में आवेदनों का निस्तारण न करने वाले अधिकारियों व कर्मचारियों के विरुद्ध कठोर अनुशासनिक एवं विभागीय कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि रियल टाइम खतौनी व घरौनी भूमि संबंधी विवादों पर अंकुश लगाने में कारगर साबित होगी। उन्होंने राजस्व ग्राम खतौनियों को रियल टाइम खतौनी में परिवर्तिन करने का कार्य 40 प्रतिशत पूर्ण होने पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि अवशेष खतौनियों को भी जल्द से जल्द रियल टाईम खतौनी में परिवर्तित कराया जाये। रियल टाइम खतौनी में परिवर्तित होने से जमीन खरीदने के बाद जैसे ही नामांतरण होगा, खरीदार का नाम खतौनी के मुख्य कालम में तत्काल चढ़ जाएगा। अब तक खरीदार को इसके लिए इंतजार करना पड़ता था। राजस्व कर्मियों को भी अब हर छह साल में नई खतौनी बनाने के काम से मुक्ति मिल जाएगी। उन्होंने कहा कि लम्बित राजस्व वादों को अभियान चलाकर निस्तारित कराया जाए।

राजस्व वादों की आरसीसीएमएस पोर्टल से निरन्तर समीक्षा की जाये। मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना में ऑनलाईन आवेदन की व्यवस्था को लागू किया जाये। स्वामित्व से उपलब्ध जियो-रिफरेन्स्ड घरौनी को फैमिली आईडी से जोड़ा जाए, ताकि भविष्य में निवास प्रमाण पत्र जारी करने में सुगमता हो।

सार संक्षेप

किसान की बाइक चोरी

मवाना। फलावदा थाना क्षेत्र के गांव बातनौर के जंगल मे खेत पर गए किसान की चोरों ने बाइक चोरी कर ली। किसान ने चोरों के खिलाफ थाने मे तहरीर दी है। तहरीर के अनुसार गांव बातनोर निवासी सतपाल ने बताया कि वह अपनी बाइक पर सवार हो कर बातनोर के जंगल में स्थित अपने खेतों पर गया था। वह खेत के पास अपनी बाइक खड़ी कर फसल को देखने के लिए चला गया। वापस लौट कर आया तो चोरों ने उसकी बाइक चोरी कर ली। घटना की सूचना तत्काल डायल 112 को दी।

ठगी रकम वापस करने पर आरोपी को छोड़ा

मवाना। अमरोहा पुलिस ने फलावदा कस्बे में दबिश देकर ठगी करने के एक आरोपी को पकड़ कर थाने बिठाया। बाद में ठगी की गई रकम को पीड़ित को वापिस दिलाने के बाद थाने से छोड़ा। अमरोहा के व्यापारी से कस्बा निवासी एक युवक ने कपड़े का ऑर्डर लेकर कपड़ा दिलाने की बात कहते हुए उससे लाखों रुपए की ठगी कर ली थी। कपड़ा नहीं पहुंचने पर व्यापारी ने अमरोहा पुलिस को सूचना दी। काफी दिन से आरोपी रुपये लौटाने का झांसा दे रहा था। रुपये नही लौटाने पर पीड़ित अमरोहा पुलिस को लेकर फलावदा पहुंच गया। पुलिस ने आरोपी को पकड़ कर थाने बैठा दिया। रुपए लौटाने पर आपस में समझौता हो गया। पुलिस ने आरोपी को थाने छोड़ दिया।

लोक अदालत में एनआई एक्ट मामलो का निस्तारण आज

मेरठ। सिविल जज (सीडी)/प्रभारी सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण विजय कुमार ने बताया कि उप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के पत्र तथा कार्यपालक अध्यक्ष उप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार 12 अगस्त को एनआई एक्ट मामलों के निस्तारण हेतु विशेष लोक अदालत का आयोजन किए जाने हेतु निर्देशित किया गया है। शनिवार को एनआई एक्ट मामलों के निस्तारण हेतु विशेष लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा।

17 अगस्त तक होगा प्रशिक्षण संस्थान में प्रवेश

मेरठ। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के प्रधानाचार्या डा.संध्या सिंह ने बताया कि द्वितीय चरण के प्रवेश प्रारम्भ हो चुके है तथा द्वितीय चरण से प्रवेश लेने की अंतिम तिथि 17 अगस्त है। चयनित अभयर्थी अपना प्रवेश जल्द-से-जल्द कराये जिससे उनका प्रवेश सुरक्षित किया जा सके।

सूचना

मेरे पुत्र अंकुर तोमर का व्यवहार अच्छा नहीं है वह परिवार के साथ लड़ता झगड़ता है और मेरा कहना नहीं मानने के कारण मैं अपने पुत्र अंकुर तोमर व पुत्रवधू रेनू को अपनी चल अचल संपत्ति से बेदखल करता हूं।

-जितेंद्र वीर पुत्र उमेद सिंह, निवासी-ग्राम तिगरी थाना व तहसील मवाना, मेरठ।

विजिलेंस टीम को बंधक बनाया

मेरठ,11 अगस्त (देशबन्धु)। शुक्रवार को मुंडाली थाना क्षेत्र स्थित ग्राम अजराड़ा में बिजली की चोरी की सूचना पर पहुंची विजिलेंस की टीम को ग्रामीणों ने बंधक बना लिया। इस दौरान ग्रामीणों ने टीम पर अवैध उगाही का आरोप लगाते हुए विजिलेंस टीम के साथ अभद्रता की। विजिलेंस टीम की गाड़ी को भी जलाने की कोशिश की गई। पुलिस ने किसी तरह हालात को संभाला। विजिलेंस प्रभारी हापुड़ शफीक अहमद ने बताया कि शुक्रवार को मुखबिर द्वारा ग्राम अजराड़ा में बिजली चोरी की सूचना मिली थी। विजिलेंस टीम ने गांव में छापेमारी की। छापेमारी के दौरान ग्राम वासियों ने विजिलेंस टीम को घेर लिया और अभद्रता करते हुए बंधक बना लिया। शफीक अहमद ने बताया कि गांव अजराडा में टीम को करीब 10 मकानों पर बिजली चोरी होती मिली थी।

सरल भाषा से ग्राहकों को दे सकेंगे बेहतर सेवा : दुबे

■ पंजाब नैशनल बैंक में राजभाषा संगोष्ठी आयोजित
■ बैंकिंग कार्यों में सरल हिंदी का प्रयोग करने का अनुरोध किया
■ विभिन्न शाखाओं व कार्यालयों के 25 कर्मचारियों ने की प्रतिभागिता
■ गृह मंत्रालय के पोर्टल कंठस्थ-2.0 पर विस्तृत जानकारी दी

मेरठ,11 अगस्त (देशबन्धु)। वेद व्यास पुरी स्थित पंजाब नैशनल बैंक के अंचल कार्यालय में एक राजभाषा संगोष्ठी का आयोजन किया गया। अंचल प्रबंधक संजीव कुमार दुबे की अध्यक्षता में पंजाब नैशनल बैंक द्वारा आयोजित राजभाषा संगोष्ठी में राजभाषा हिंदी को दैनिक कामकाज में व्यवहार में लाने पर जोर दिया गया। अंचल प्रबंधक एसके दुबे ने बैंक कर्मियों से बैंकिंग कार्यों में सरल हिंदी का प्रयोग करने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि आमजन की भाषा के माध्यम से ही हम ग्राहकों की जरुरतों को अच्छी तरह समझकर उन्हें बेहतर सेवाएं दे सकते हैं। कार्यक्रम का शुभारंभ भारती सक्सैना द्वारा सरस्वती वंदना की प्रस्तुति के साथ हुआ। संगोष्ठी के दौरान बैंकों में वक्ताओं ने हिंदी के प्रयोजन मूलक स्वरूप पर अपने विचार रखे। इस संगोष्ठी में विभिन्न शाखाओं एवं कार्यालयों के 25 कर्मचारियों ने प्रतिभागिता की। इस अवसर पर गृह मंत्रालय, भारत सरकार के पोर्टल कंठस्थ-2.0 पर प्रतिभागियों को विस्तृत जानकारी भी दी गई। बता दें कि इस पोर्टल का उद्घाटन गृह मंत्री अमित शाह द्वारा गत वर्ष हिंदी दिवस के अवसर पर किया गया था। जिसके माध्यम से अंग्रेजी से हिंदी एवं अन्य भारतीय भाषाओं में अनुवाद करना सहज हो गया है। कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों के लिए एक राजभाषा प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता भी आयोजित की गई।

किसानों ने की ऊर्जा भवन में पंचायत

मेरठ,11 अगस्त (देशबन्धु)। भारतीय किसान यूनियन ने अपनी मांगे पूरी नहीं होने पर शुक्रवार को तिरंगा यात्रा निकाली। इस दौरान मेरठ के ऊर्जा भवन में राकेश टिकैत के बेटे चरण सिंह टिकैत ने जबरन ट्रैक्टर घुसा दिया। फिर चरण सिंह और पुलिस की झड़प भी हुई। वहीं नोएडा प्राधिकरण कार्यालय के बाहर भी धरना प्रदर्शन किया गया। साथ ही राकेश टिकैत की अगुआई में मुजफ्फरनगर में तिरंगा ट्रैक्टर यात्रा निकाली गई। इस दौरान राकेश टिकैत ने कहा कि देश में 2 हिंदू रह रहे हैं। दूसरे वाले नागपुरिया हिंदुओं से सावधानी बरतने की जरूरत है। तीसरा तो है ही नहीं।

जनजातीय लोक कला पर राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित

मेरठ,11 अगस्त (देशबन्धु)। आजादी के अमृत महोत्सव की श्रृंखला में चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के ललित कला विभाग में जनजातीय लोक कला पर आधारित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं कार्यशाला का आयोजन किया गया।

किसका उद्घाटन जानी-मानी लोक कलाकार डॉ.मधु बाजपेई एवं यथार्थ के चितेरे डॉक्टर दुर्जन सिंह राणा पूर्व सदस्य राज्य ललित कला अकादमी उत्तर प्रदेश ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। संगोष्ठी समन्वयक प्रोफेसर अलका तिवारी ने सभी का स्वागत करते हुए संगोष्ठी और कार्यशाला के उद्देश्य पर प्रकाश डाला उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर आजादी के अमृत महोत्सव की श्रृंखला में ललित कला विभाग द्वारा आयोजन किया जा रहा है जिसमें लगातार दो दिन प्रसिद्ध लोक कलाकारों एवं युवा विद्यार्थियों द्वारा जनजातीय लोक कला पर शोध पत्र प्रस्तुत किए जाएंगे तथा जनजाति लोक कला पर आधारित चित्रा कृतियां निर्मित की जाएंगी। कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला ने सभी को कार्यक्रम की सफलता हेतु शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए उन्हें भारतीय संस्कृति और परंपरा की परिचायक लोक संस्कृति जनजातीय कला और लोक कला को विस्तारित करने हेतु प्रेरणा प्रदान की।

एक शाम शहीदों के नाम, 14 अगस्त को कवि सम्मेलन

■ स्वतंत्रता वीर सेनानियों की याद में होगा

मवाना,11 अगस्त (देशबन्धु)। फलावदा नगर पंचायत मेरी माटी मेरा देश अभियान के अंतर्गत आजादी के 75 वर्ष पूर्ण होने स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर एक शाम शहीदों के नाम कवि सम्मेलन आयोजित किया जायेगा। शुक्रवार को नगर पंचायत कार्यालय में आयोजित बैठक में चौयरमेन अशोक सैनी एवं अधिशासी अधिकारी सचिन पंवार ने बताया कि दि 14 अगस्त की शाम आजादी के अमृत महोत्सव को यादगार बनाने के लिए, मेरी माटी मेरा देश,अभियान के अंतर्गत स्वतंत्रता सेनानियों और वीरों का सम्मान किया जाएगा। जिन्होंने देश के लिए अपना जीवन बलिदान कर दिया। इसके तहत उनकी याद में नगर के पेठ बाजार के मैदान स्थित कवि सम्मेलन आयोजित होगा, जिसमें प्रसिद्ध गायिका कवि डॉ.अनामिका जैन अंबर अंबर के अलावा शंभू शिखर, मुमताज नसीम, वसीम राजपुरी, वकार फ़राजी, शुभम त्यागी, डॉ.आदित्य जैन, राजेश शर्मा, सौरभ जैन शामिल होंगे। नगर में स्वतंत्रा सेनानियों की याद में बनाए गए मुख्य द्वार को भव्य रूप से सजाया जाएगा।

बेहतर प्रदर्शन के लिए जीवन का तनावमुक्त होना जरूरी : प्रो.नीरज

मेरठ,11 अगस्त (देशबन्धु)। सर छोटू राम अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संस्थान, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय मेरठ व योग विज्ञान संस्था के संयुक्त तत्वावधान में परिसर स्थित अटल सभागार में कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला के निर्देशानुसार तनाव मुक्ति हेतु स्थिति प्रज्ञ नामक एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में संस्थान के निदेशक प्रोफेसर नीरज सिंघल सहित सभी शिक्षकगणों व कर्मचारियों द्वारा सक्रिय प्रतिभाग किया गया। योग विज्ञान संस्था की ओर से आए विशेषज्ञों सुनील सेन, क्षमा त्यागी, एवं धनीराम जी द्वारा योग क्रियाएं संपन्न कराई गई। कार्यशाला के संयोजक डॉक्टर गौरव त्यागी व सहसंयोजिका दिव्या शर्मा रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु प्रशासनिक अधिकारी डॉ.अशोक कुमार, डॉ.लक्ष्मी शंकर सिंह, निधि भाटिया, कंचन वर्मा, वेदव्यास त्यागी, अमरजीत सिंह, रविंद्र, डॉ.वंदना राणा इत्यादि ने सहयोग किया। नीरज सिंघल ने बताया की वर्तमान दौर में एक तनाव युक्त जीवन आपके प्रदर्शन को प्रभावित कर सकता है, समाधान हेतु योग प्राणायाम का सहारा लेना ही एकमात्र विकल्प नजर आता है।

चिंता *गंगा जल स्तर में वृद्धि, खतरे के निशान पर गंगा*

खादर के कई गांवों में फिर बाढ़ का मंडराने लगा संकट

मवाना,11 अगस्त (देशबन्धु)। पहाड़ों व मैदानी इलाकों में हो रही पिछले एक सप्ताह से लगातार रुक-रुक कर हो रही तेज बारिश से बिजनौर जिले की कई नदियां उफान पर है। गंगा और मालन नदी के जलस्तर बढ़ने से गंगा किनारे गंगा खादर इलाके में बसे एक दर्जन से ज्यादा गांव में अब बाढ़ का खतरा मंडराने लगा है। बिजनौर गंगा बैराज पर पानी खतरे के निशान के करीब बह रहा है। महीनों से चली आ रही बाढ़ के चलते ग्रामीणों का जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया है।

शुक्रवार को हरिद्वार बैराज से गंगा नदी में चल रहा डिस्चार्ज बढ़कर 1 लाख 96 हजार क्यूसेक हो गया। बता दें कि पहाड़ी और मैदानी क्षेत्रों में लगभग 1 माह से लगातार हो रही बरसात के चलते खादर क्षेत्र से होकर गुजरने वाली गंगा नदी उफान पर है।

गंगा का पानी लगातार किनारे तोड़कर खेतों में फैल रहा है। बाढ़ के चलते अधिकांश फैसले खराब हो गई है चार गांव में पानी भरा होने से पशुओं को चारे की समस्या झेलनी पड़ रही है। बिजनौर बैराज पर तैनात जय पीयूष कुमार के अनुसार शुक्रवार को हरिद्वार बैराज से गंगा नदी में चल रहा डिस्चार्ज बढ़कर 1 लाख 96 हजार क्यूसेक हो गया। वही बिजनौर बैराज से चल रहे डिस्चार्ज में भी वृद्धि हुई और डिस्चार्ज बढ़कर एक लाख 76 हजार क्यूसेक हो गया। जिसके चलते शनिवार को गंगा जलस्तर में वृद्धि होने की प्रबल संभावना है।

■ हरिद्वार से डिस्चार्ज बढ़कर हुआ 1 लाख 96 हजार क्यूसेक

220 मीटर से ऊपर खतरे का निशान

गंगा बैराज पर 220 मीटर पर खतरे का निशान लगा। जबकि गंगा जल स्तर 219,70 मीटर के आसपास गंगा में है। हरिद्वार से शुक्रवार को हुए डिस्चार्ज में वृद्धि से देर रात बिजनौर बैराज गंगा नदी का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर पहुंच सकता है जो खादर की मुसीबत बढ़ा सकता है। खादर में अस्त व्यस्त हुआ आम जनजीवन तुम्हारा ही तो कुछ तो क्या करें गंगा में पानी बढ़ने से क्षेत्र की हजारों बीघा जमीन पर खड़ी फसल में कई के फिट पानी भर गया है। जिससे पशुओं का चारा पेड़ पौधे में गन्ने की फसल बर्बाद होने के कगार पर पहुंच गई है। इसके अलावा जिले की कई सड़कों गलियों और घरों व बाजारों में पानी भरा हुआ है, जिससे आम जनजीवन अस्त-व्यस्त हो चुका है।

सनी देओल की फिर गूंजी दहाड़

■ दर्शकों ने नारे लगाए

मवाना,11 अगस्त (देशबन्धु)। 23 सालों बाद सिनेमा के पर्दे पर सनी देओल और अमीषा पटेल की जोड़ी की फिल्म 'गदर-2' ने तहलका मचा दिया। दर्शकों ने पूरे जोश के साथ मवाना के कपिल सिनेमा में पहली शो देखने के बाद निकलते हुए हिन्दुस्तान जिंदाबाद के नारे लगाए। कई युवा बोले कि फिल्म गदर-2 दोबारा देखने लायक है। फिल्म की कहानी-तारा सिंह और सकीना अब पठानकोट में अपने बेटे जीते के साथ रहते हैं।

जीते के सिर पर फिल्मों का भूत सवार है और तारा सिंह चाहता है कि उसका बेटा अब पढ़ लिखिकर बड़ा आदमी बने। उसकी तरह ट्रक ड्राइवर नहीं। दूसरी तरफ पाकिस्तानी का मेजर हामिद, तारा सिंह के लिए दिल में जहर भरे बैठा है और किसी भी हालत में तारा सिंह को खत्म करना चाहता है। तारा सिंह की जिंदगी में ट्विस्ट तब आता है, जब एक दिन उसे राम टेकड़ी पर हुए पाकिस्तान हमले के बीच गोला बारूद पहुंचाने में सेना की मदद करनी होती है।

करण जौहर, कार्तिक आर्यन व विजय वर्मा ने 14वें आईएफ एफ एम का किया उद्घाटन

मुंबई। करण जौहर, कार्तिक आर्यन, मृणाल ठाकुर और विजय वर्मा शुक्रवार को शुरू हुए इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न (आईएफएफएम) के 14वें एडिशन का उद्घाटन करते नजर आए। इस उत्सव में भारतीय फिल्म इंडस्ट्री के दिग्गज शामिल हुए, जिनमें अनुराग कश्यप, विक्रमादित्य मोटवानी, कनु बहल और पृथ्वी कोनानूर जैसे प्रतिभाशाली निर्देशक हैं। करण ने कार्यक्रम में कहा कि यह आईएफएफएम में मेरा तीसरी बार है और मैं फेस्टिवल से जुड़े सभी लोगों का बहुत आभारी हूं। मैं यहां भारतीय फिल्म बिरादरी के कई साथियों के साथ शामिल हुआ हूं और ऐसी बेदाग प्रतिभाओं के बीच आकर मैं सम्मानित महसूस कर रहा हूं। हमारे पास ऐसे प्रतिष्ठित फिल्म निर्माता और अभिनेता हैं जैसे सीता रामम की टीम, एक ऐसी फिल्म जो मुझे बहुत पसंद है।

एरोबिक और योग अस्थमा पीड़ित लोगों के लिए वरदान

बीजिंग, 11 अगस्त (एजेंसियां)। एरोबिक प्रशिक्षण और योग अस्थमा से पीड़ित लोगों के लिए वरदान है। एक नए शोध से यह बात सामने आई है। अध्ययन में बताया गया है कि एरोबिक और योग क्रियाओं को नियमित रूप से करने से फेफड़ों में सुधार आता है। एनल्स ऑफ मेडिसिन जर्नल में प्रकाशित शोध अस्थमा से पीड़ित लोगों को उचित व्यायाम करने की सलाह देता है।

चीन में हेनान नॉर्मल यूनिवर्सिटी के स्कूल

- **दुनिया भर में लगभग 339 मिलियन लोग अस्थमा से पीड़ित**
- **खांसी, घरघराहट, सांस की तकलीफ व सीने में जकड़न जैसे लक्षण**

ऑफ फिजिकल एजुकेशन के एसोसिएट प्रोफेसर और मुख्य लेखक शुआंगताओ जिंग ने कहा कि निष्कर्ष बताते हैं कि वयस्कों के फेफड़ों की कार्यक्षमता को बढ़ाने के लिए व्यायाम प्रशिक्षण कितना मददगार है। उन्होंने कहा कि एरोबिक प्रशिक्षण और योग प्रशिक्षण के साथ श्वास प्रशिक्षण अस्थमा के मरीजों के लिए फायदेमंद होता है। यह उपचार के रास्?ते भी खोलता है। दुनिया भर में लगभग 339 मिलियन लोग अस्थमा से पीड़ित है। जिसमें खांसी, घरघराहट, सांस की तकलीफ और सीने में जकड़न जैसे लक्षण होते हैं। उन्होंने बताया कि पहले व्यायाम करना अस्थमा पीड़ितों के लिए सही नहीं माना जाता था क्योंकि कहा जाता था कि इससे अस्थमा से पीड़ित व्यक्ति को दिक्कत हो सकती है। मगर अब रिसर्च से पता चला है कि व्यायाम प्रशिक्षण वास्तव में अस्थमा रोगियों को सही होने में मदद करता है।

इस रिसर्च में अस्थमा से पीड़ित 2,155 लोगों को शामिल किया गया। जिसमें उनके ऊपर फेफड़ों के कार्य पर श्वास प्रशिक्षण, एरोबिक प्रशिक्षण, विश्राम प्रशिक्षण, योग प्रशिक्षण के साथ संयुक्त श्वास के प्रभावों की जांच की गई।

मरीजों पर सभी प्रकार के व्यायामों के प्रभावों को देखते हुए यह निष्कर्ष निकला कि इससे फेफड़ों की स्थिति में सुधार आता है। जिंग ने कहा कि हेल्थ प्रोफेशनल्स को अपने मरीजों को व्यायाम करने के लिए बोलना चाहिए। लेखकों ने कहा कि इस अध्ययन में अधिकांश मरीज 60 वर्ष से कम उम्र के थे, इसलिए व्यायाम का असर वृद्ध व्यक्तियों में अलग-अलग दिख सकता है।

इंग्लैंड में 36 साल पहले लापता रॉयल नेवी के रेडियो ऑपरेटर की खोज शुरू

पोर्ट्समाउथ, 11 अगस्त (एजेंसियां)। इंग्लैंड में 36 साल पहले लापता रॉयल नेवी का रेडियो ऑपरेटर साइमन पार्क्स की फिर से खोज शुरू हो गई है।

दिवंगत साइमन को आखिरी बार 1986 में देखा गया था जब उनका जहाज पोर्ट्समाउथ वापस जाते समय क्षेत्र में रुका था। वह किंग्सवुड के निवासी थे और जब वह लापता हुए थे, तब उनकी उम्र 18 साल थी। वह जहाज से पोर्ट्समाउथ जा रहे थे लेकिन उन्होंने कुछ देर ठहरने के लिए किनारे पर चले गए, जहां से वह लापता हो गए और उनके लापता हुए करीब 33 साल से अधिक का समय बीत गया।

यहां के जांच अधिकारियों ने एक बार से दिवगंत पार्क्स का पता लगाने के लिए संदिग्ध जगहों, उनके गायब होने की जगह से और ब्रिटिश प्रवासी क्षेत्र में कब्रिस्तान की खुदाई करके उनका पता लगाने में जुटे हुए हैं। करीब नौ अधिकारियों को टाउन रेंज कार पार्क में उत्खनन कार्य करने के लिए स्पेन के जिब्राल्टर में तैनात किया गया है।

जांच की देखरेख कर रहे अधिकारी एडम एडवर्ड्स ने कहा कि पार्क्स की फिर से तलाश करने की सूचना उनके माता-पिता को दे दी हैं।

एडवर्ड्स ने कहा कि पार्क्स का पता लगाने के लिए हमारी खोज जारी रहेगी। इसी बीच. संचालन गतिविधि के बाद हमारे अधिकारियों ने साइमन के स्मारक स्थल का दौरा किया और उनके परिवार को अपना समर्थन दिखाने के लिए कुछ फूल चढ़ाए।

उल्लेखनीय है कि जब पार्क्स लापता हुए थे, उस समय हैम्पशायर कांस्टेबुलरी द्वारा सीरियल किलर एलन ग्रिमसन उनके साथ एचएमएस इलस्ट्रियस जहाज पर सवार था। ग्रिमसन ने 2001 में लीसेस्टरशायर के 18 वर्षीय नौसैनिक रेटिंग निकोलस राइट और बर्कशायर के न्यूबरी के बर्मन सायन जेनकिंस की हत्या की थी, जिसके बाद, विंचेस्टर क्राउन कोर्ट ने उसको आजीवन जेल की सजा सुनाई और उसे जेल में डाल दिया गया जबकि उसने खुद को पार्क्स के लापता में होने में शामिल होने से इंकार किया है।

महिला सशक्तीकरण का संदेश देती है फिल्म 'जवान' : शाहरुख खान

मुंबई, 11 अगस्त (एजेंसियां)। बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान ने एक्स पर अपने प्रशंसकों के सवालों के जवाब दिए। शाहरुख ने कहा कि उनकी फिल्म 'जवान' महिला सशक्तिकरण पर एक मजबूत संदेश देती है।

शाहरुख ने एक्स (पहले ट्विटर) पर अपने फैंस से खुलकर बात की। जिसमें उन्होंने सभी सवालों के जवाब दिए। सुपरस्टार का इस दौरान मजाकिया अंदाज भी देखा गया। एक सवाल के जवाब में शाहरुख ने कहा उनकी फिल्म 'जवान' में महिला सशक्तिकरण पर एक मजबूत दृष्टिकोण दिखाया गया है। इसमें बताया गया है कि महिलाओं का सम्मान कैसे करें।

अपने पसंदीदा गाने के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि मेरा पसंदीदा गाना फिल्म का चालेया है। रोमांटिक और मधुर और सौम्य बिल्कुल मेरे जैसा।

एक फैन ने पूछा कि फिल्म जवान में कोई सबक या संदेश है। इस पर स्टार ने कहा कि फिल्म में महिला सशक्तीकरण पर एक मजबूत दृष्टिकोण है, जिसमें बताया गया है कि उनका सम्मान कैसे करें और उनके लिए कैसे खड़े हों। शाहरुख खान ने कहा कि वह फिल्म को 'इमोशनल ड्रामा' के रूप में देखते है।

एक फैन ने 'जवान' में विजय सेतुपति की भूमिका के बारे में पूछा, जिस पर शाहरुख ने लिखा कि विजय एक अद्भुत अभिनेता हैं। मैं वास्तव में चाहता हूं कि हर कोई फिल्म में उनकी बारीकियों को देखे। फिल्म का पहला गाना जिंदा बंदा लोगों के दिलों पर राज कर रहा है। यह गाना अलग-अलग भाषाओं हिंदी (जिंदा बंदा), तमिल (वंधा एडम) और तेलुगु (धुम्मे धुलिपेला) में रिलीज किया गया है। जवान रेड चिलीज एंटरटेनमेंट की प्रस्तुति है। यह फिल्म 7 सितंबर 2023 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में हिंदी, तमिल और तेलुगु भाषाओं में रिलीज होगी।

रानी मुखर्जी का हुआ था मिसकैरेज, पांच महीने की प्रेग्नेंसी में खोया बच्चा

मुंबई, 11 अगस्त (एजेंसियां)। एक्ट्रेस रानी मुखर्जी, जो पहले मार्च 2023 में फिल्म 'मिसेज चटर्जी वर्सेस नॉर्वे' में नजर आई थीं, ने खुलासा किया कि कोविड-19 महामारी के दौरान साल 2020 में उनका मिसकैरेज हुआ था। एक्ट्रेस ने यह खुलासा इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न में किया, जिसका उद्घाटन हाल ही में हुआ। एक्ट्रेस ने कहा कि 'मिसेज चटर्जी वर्सेज नॉर्वे' की रिलीज के दौरान उन्होंने इस बारे में बात करने से बचना चुना, क्योंकि लोग इस घटना को प्रमोशन के रूप में देखते।

मिसेज चटर्जी वर्सेस नॉर्वे, जो आशिमा छिब्बर द्वारा लिखित और निर्देशित है, यह सच्ची घटना पर आधारित है। इस फिल्म में रानी अपने बच्चों को वापस पाने के लिए नॉर्वे की सरकारी अथॉरिटीज से जूझती नजर आईं। फिल्म में अनिर्बान भट्टाचार्य, नीना गुप्ता और जिम सर्भ भी हैं।

मेलबर्न के भारतीय फिल्म महोत्सव में मीडिया को संबोधित करते हुए, रानी ने साझा किया शायद यह पहली बार है, जब मैं अपनी जिंदगी के बारे में इस तरह पब्लिकली बात कर रही हूं। 'मिसेज चटर्जी वर्सेस नॉर्वे' फिल्म के प्रमोशन के वक्त मैंने इस बारे में बात नहीं की। मैं नहीं चाहती थीं कि लोग इसे फिल्म प्रोमोशन की स्ट्रैटजी समझे। यह घटना कोविड 19 के दौरान हुई, तब 2020 था। मैं प्रेग्नेंट थीं। हम दूसरी बार पैरेंट्स बनने वाले थे। मगर दुर्भाग्य से मैंने अपना 5 महीने का बच्चा खो दिया। मेरा मिसकैरेज हो गया।

रानी ने आगे कहा कि मिसकैरेज के शायद 10 दिनों के बाद निखिल आडवाणी ने मुझे कॉल किया। निखिल ने मिसेज चटर्जी वर्सेस नॉर्वे की कहानी के बारे में बताया। मैं फिल्म के लिए तुरंत राजी हो गई। ऐसा नहीं है कि आपको किसी फिल्म के साथ कनेक्ट कर पाने के लिए अपनी पर्सनल लाइफ में कोई ट्रेजेडी झेलनी पड़े। कभी-कभी ऐसा होता है कि आपको कोई ऐसी फिल्म मिल जाती है, जिसको समझना आपके लिए काफी आसान होता है, क्योंकि आप रियल लाइफ में उससे गुजर चुके हो। उन्होंने कहा कि मैंने कभी नहीं सोचा था कि नॉर्वे जैसे देश में एक भारतीय परिवार को इससे गुजरना पड़ेगा।

मानसून लव ट्रैक 'बारिश है जानम' रिलीज

मुंबई, 11 अगस्त (एजेंसियां)। सिंगर-कंपोजर पायल देव, जो 'तुम ही आना' और 'गेंदा फूल' जैसे गानों के लिए जानी जाती हैं, ने स्टेबिन बेन के साथ मिलकर नया सॉन्ग 'बारिश है जानम' रिलीज किया। यह एक मानसून लव ट्रैक है, जिसमें स्टेबिन के साथ 'मिर्जापुर' फेम एक्ट्रेस हर्षिता गौर नजर आ रही हैं। इस गाने को पायल देव ने स्टेबिन बेन के साथ मिलकर गाया है, जिसका म्यूजिक भी उन्होंने ही तैयार किया है। ट्रैक के बोल राज शेखर द्वारा लिखे गए हैं, और वीडियो सिद्धार्थ-गरिमा द्वारा निर्देशित किया गया है।गाने के बारे में बात करते हुए हर्षिता ने कहा कि जब यह गाना उनके पास आया तो उन्होंने बिना सोचे खुशी से 'हां' कह दिया। उन्होंने कहा कि मैं बेहद रोमांटिक हूं और मुझे बारिश भी बहुत पसंद है, इसलिए ऐसा लगा कि यह गाना मेरे लिए ही बनाया गया है। मुझ पर भरोसा रखने के लिए मैं भूषण सर और टी-सीरीज की बहुत आभारी हूं। यह एक ऐसा अनुभव है, जिसे मैं लंबे समय तक याद रखूंगी। अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए, पायल देव ने कहा कि व्यक्तिगत रूप से, मुझे बारिश से जुड़े गानों में मजा आता है। मुझे सिर्फ मौसम पसंद है, और अगर यह एक रोमांटिक नंबर है, तो यह और भी बेहतर है। मुझे खुशी है कि मैं इस खूबसूरत गाने से जुड़ी।गाने के बारे में बात करते हुए स्टेबिन ने कहा कि मुझे 'बारिश है जानम' का वाइब बहुत पसंद आया और जिस तरह से गाने के बोल लिखे गए हैं, वह बेहद खूबसूरत हैं। गाना गाने के साथ-साथ 'बारिश है जानम' की शूटिंग भी मजेदार थी। मैं पायल देव को बेहतरीन को-सिंगर होने के लिए और हर्षिता को एक अद्भुत को-एक्टर होने के लिए धन्यवाद देता हूं।

■ पायल देव और स्टेबिन बेन की दिखी हॉट केमिस्ट्री

दार्जिलिंग में पद्मजा नायडू हिमालयन जूलॉजिकल गार्डन में आए नन्हें मेहमान

कोलकाता, 11 अगस्त (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग में पद्मजा नायडू हिमालयन जूलॉजिकल गार्डन में नए नन्हें मेहमान आए है। नीरा और तीस्ता दो लाल पांडा ने दार्जिलिंग के सिंगालीला राष्ट्रीय उद्यान में दो-दो शावकों को जन्म दिया है। वहीं, 13 वर्षीय हिम तेंदुए जिमा ने एक शावक को जन्म दिया है।

इन नन्हें मेहमानों का आगमन कुछ दिन पहले ही हुआ है। इस बात की आधिकारिक सूचना शुक्रवार को चिड़ियाघर अधिकारियों ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर दी। राज्य की वन मंत्री ज्योति प्रिया मल्लिक ने नए सदस्यों के आगमन की पुष्टि करते हुए कहा कि पशु प्रेमियों के लिए यह बेहद अच्छी खबर है।उन्होंने कहा कि जिन दो पांडा ने बच्चों को जन्म दिया है वह चिड़ियाघर में ही पाले गए थे। लेकिन, बाद में उन्हें जंगली झुंडों में छोड़ दिया गया था। उन्होंने कहा हिम तेंदुओं की लुप्तप्राय प्रजाति जिमा का शावक को जन्म देना स्वागत योग्य है। वन मंत्री ने कहा कि हम राष्ट्रीय उद्यान में अन्य जानवरों को परेशान किए बिना दूर से शावकों की सावधानीपूर्वक निगरानी कर रहे हैं।

दार्जिलिंग में पद्मजा नायडू हिमालयन जूलॉजिकल गार्डन भारत में प्रोजेक्ट रेड पांडा के लिए अनुकूल चिड़ियाघर है।

- **नीरा व तीस्ता दो लाल पांडा ने दो-दो शावकों को जन्म दिया**
- **3 वर्षीय हिम तेंदुए जिमा ने एक शावक को दिया जन्म**

स्टोरीज के लिए नए ग्रुप मेंशन फीचर की टेस्टिंग कर रहा इंस्टाग्राम

सैन फ्रांसिस्को, 11 अगस्त (एजेंसियां)। मेटा के स्वामित्व वाला इंस्टाग्राम एक नए ग्रुप मेंशन फीचर की टेस्टिंग कर रहा है, जो यूजर्स को सिंगल मेंशन का इस्तेमाल कर स्टोरी में एक से ज्यादा लोगों को टैग करने की अनुमति देगा।

ब्रॉडकास्ट चैनल पर एक पोस्ट में, इंस्टाग्राम प्रमुख एडम मोसेरी ने कहा कि सिंगल मेंशन का इस्तेमाल कर स्टोरी में लोगों के ग्रुप को टैग करने वाले फीचर की टेस्टिंग चल रही है। एक बार जब आप ग्रुप बनाते हैं, तो ग्रुप में कोई भी इसे किसी भी नई स्टोरी में सभी को ऑटोमैटिक रुप से टैग करने के लिए रियूज कर सकते है।

अगर आप दोस्तों के साथ समर ट्रिप पर हैं, तो आप प्रत्येक व्यक्ति को इंडिविजुअल रूप से टैग किए बिना ज्यादा लोगों को आसानी से शामिल कर सकते हैं। पिछले हफ्ते, प्लेटफॉर्म ने एक फीचर जारी किया था, जो यूजर को अनवांटेड डीएम रिक्वेस्ट से बेहतर फीचर प्रदान करता है।

इस फीचर के साथ, जो लोग उन यूजर्स को डीएम रिक्वेस्ट भेजना चाहते हैं, जिसे वह फॉलो पालन नहीं करते, उन्हें प्रतिबंधों का सामना करना पड़ेगा।

पिछले महीने, मेटा ने इंस्टाग्राम के लिए रीयल-टाइम अवतार कॉल पेश की थी, जो यूजर्स को तब मदद करेगी जब वे वीडियो कॉल के दौरान अपना असली चेहरा नहीं दिखाना चाहते हैं और कैमरा-ऑफ और कैमरा-ऑन के बीच तीसरा ऑप्शन चाहते हैं।

'सांस्कृतिक पठन को बढ़ावा देने के लिए स्थानीय भाषाओं को अपनाना चाहिए'

नई दिल्ली, 11 अगस्त (एजेंसियां)। फेडरेशन ऑफ इंडियन पब्लिशर्स (एफआईपी) ने नई दिल्ली के प्रतिष्ठित क्लेरिजेस होटल में 'इंडियन पब्लिशर्स कॉन्फ्रेंस 2023' की शुरुआत की। यह आयोजन भारतीय प्रकाशन उद्योग में उत्कृष्टता और प्रगति के 50 वर्षों का जश्न मनाते हुए फेडरेशन की स्वर्ण जयंती का प्रतीक है। यह कॉन्फ्रेंस दो दिन (11-12 अगस्त) आयोजित की जाएगी। इस कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन केंद्रीय मंत्री स्मृति जुबिन ईरानी ने किया।

सम्मेलन की थीम '2047 में भारत राष्ट्र निर्माण में प्रकाशन की भूमिका' है। यह सम्मेलन देश के भविष्य को तैयार करने में प्रकाशन की महत्वपूर्ण भूमिका का पता लगाने के लिए उद्योग जगत के लीडर्स, इनोवेटर्स और हितधारकों को एक साथ लाया है। जैसे-जैसे भारत एक वैश्विक शक्ति बन रहा है, सम्मेलन में चर्चा हुई कि प्रकाशन कैसे आर्थिक विकास, रोजगार और ज्ञान प्रसार में योगदान दे सकता है और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध समाज को बढ़ावा दे सकता है। अपने मुख्य भाषण में, केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने डिजिटल युग में पढ़ने की आदतों के विकास पर प्रकाश डाला, पारंपरिक पुस्तक पढ़ने से ई-पुस्तकों में संक्रमण की चुनौती को स्वीकार किया। उन्होंने उपकरणों के माध्यम से पढ़ने की चुनौतियों पर जोर दिया और बताया कि कैसे यह एक चर्चा का विषय बन गया है।

एफआईपी प्रेसीडेंट रमेश मित्तल ने कहा कि जैसा कि देश आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है और जी20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी करने की तैयारी कर रहा है, फेडरेशन ऑफ इंडियन पब्लिशर्स अगले महीने नई दिल्ली में 'राष्ट्र निर्माण में प्रकाशन' की थीम पर इंडियन पब्लिशर्स कॉन्फ्रेंस का आयोजन करके अपनी स्वर्ण जयंती मनाएगा।

- **केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने इंडियन पब्लिशर्स कॉन्फ्रेंस 2023 का किया उद्घाटन**
- **प्रकाशन में कॉपीराइट व बौद्धिक संपदा अधिकारों का महत्व**

कंचन को 11 साल बाद मिली बाल विवाह की बेड़ियों से मुक्ति

जोधपुर, 11 अगस्त (एजेंसियां)। पिछले 11 साल से बाल विवाह का दंश झेल रही कंचन को शुक्रवार को वास्तविक आजादी मिली जब सारथी ट्रस्ट द्वारा उसका मामला उठाने के बाद जोधपुर की एक पारिवारिक अदालत ने उसके बाल विवाह को रद्द कर दिया। जोधपुर जिले के ग्रामीण इलाके के एक दुकानदार की बेटी कंचन 11 साल पहले सात साल की उम्र में बाल विवाह की बेड़ियों में फंस गई थी। बड़ी होने पर जब उसे अपने बाल विवाह के बारे में पता चला तो वह उदास हो गई। इसी दौरान ससुराल वालों ने कंचन पर गौना कराने का दबाव डाला। 'गौना' राजस्थान, बिहार और उत्तर प्रदेश में प्रचलित विवाह की अंतिम रस्म है। यह बाल विवाह की प्रथा से जुड़ा है और शादी के वर्षों बाद होता है। इसी बीच कंचन के भाई को जोधपुर के सारथी ट्रस्ट की मैनेजिंग ट्रस्टी कृति भारती द्वारा चलाये जा रहे बाल विवाह उन्मूलन अभियान के बारे में पता चला। जब कंचन अपने भाई के साथ भारती से मिली और अपनी आपबीती सुनाई, तो ट्रस्ट ने जोधपुर में फैमिली कोर्ट नंबर 1 में उसके बाल विवाह को रद्द करने की मांग करते हुए एक मामला दायर किया। कंचन द्वारा अदालत का दरवाजा खटखटाने से नाराज बिरादरी के कुछ नेताओं ने उन पर अर्थ दंड लगाने के अलावा, उनके परिवार के सदस्यों और कुछ अन्य रिश्तेदारों का बहिष्कार भी किया। हालांकि, भारती की काउंसलिंग के बाद कई लोग कंचन के समर्थन में आए और उसके परिवार के सदस्यों को वापस बिरादरी में शामिल कर लिया। वे कंचन के बाल विवाह को रद्द करने पर भी सहमत हुए। भारती की काउंसलिंग के बाद दूल्हे ने भी शादी रद्द करने पर सहमति दे दी जिसके बाद जस्टिस मुजफ्फर चौधरी ने 11 साल पहले हुए बाल विवाह को रद्द करने का आदेश दिया।

समाज को कड़ा संदेश देते हुए न्यायमूर्ति चौधरी ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि बाल विवाह का खामियाजा कई लड़कियों को भुगतना पड़ता है। उन्होंने कहा कि बाल विवाह की प्रथा को रोकने के लिए समाज में सबकी सम्मिलित जिम्मेदारी है। कंचन ने कहा कि कृति भारती दीदी की मदद से मेरा बाल विवाह रद्द हो गया है। मैं बहुत खुश हूं। अब मैं अपने सपने पूरे करूंगी। भारती, जो एक पुनर्वास मनोवैज्ञानिक और बाल एवं महिला अधिकारों की वकील भी हैं, ने कहा कि आखिरकार कंचन को बाल विवाह से मुक्ति मिल गई है। इसके साथ, हमारे ट्रस्ट ने अब राजस्थान में 50 से अधिक बाल विवाह रद्द करने में मदद की है। मेरा सपना बाल विवाह की प्रथा को इतिहास की किताबों में दफन होते देखना है।

- **सारथी ट्रस्ट द्वारा मामला उठाने के बाद पारिवारिक अदालत ने बाल विवाह को किया रद्द**
- **कंचन की 5 साल की उम्र में हुई थी शादी**

साढ़े 18 साल पूरे कर चुकी कारवां-ए-अमन साढ़े चार साल से है बंद

■ **सुरेश एस डुग्गर**

जम्मू, 11 अगस्त (देशबन्धु)। एलओसी के आर-पार बसे जम्मू कश्मीर के परिवारों को आपस में मिलाने वाली कारवां-ए-अमन बस सेवा साढ़े चार साल से बंद है। कश्मीर के दोनों हिस्सों में रह रहे बिछुड़े परिवारों को मिलाने की खातिर आरंभ हुई कारवां-ए-अमन यात्री बस सेवा ने इस साल 7 अप्रैल को अपने परिचालन के 18 साल पूरे कर तो लिए थे पर कश्मीरियों के अरमान अभी भी अधूरे ही हैं।

याद रहे कश्मीर के दोनों हिस्सों में रह रहे बिछुड़े परिवारों को मिलाने की खातिर आरंभ हुई कारवां-ए-अमन यात्री बस सेवा इस साल अप्रैल माह की 7 तारीख को अपने परिचालन के 18 साल पूरे कर चुकी है पर कश्मीरियों के अरमान अभी भी अधूरे ही हैं। 18 साल की इस अवधि में कुल गैर सरकारी तौर पर 25 हजार के करीब लोगों ने इस सेवा का लाभ उठाया पर अभी भी 38 हजार से अधिक लोग अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं जिस कारण आम कश्मीरी यह कहने को मजबूर हुआ है कि यह बस सेवा उनके अरमान पूरे नहीं कर पाई है। अभी भी इस कश्मीर के लोगों को इस यात्री बस सेवा पर नाराजगी इसलिए है क्योंकि वे बाबूगिरी के चलते इसका सफर नहीं कर पा रहे थे। सबसे अहम बात इस मार्ग के प्रति यह है कि कश्मीरी चाहते हैं कि इस सड़क मार्ग को सिर्फ चहेतों के लिए ही नहीं बल्कि आम कश्मीरी के लिए खोला जाना चाहिए ताकि वे उस कश्मीर में रहने वाले अपने बिछुड़े परिवारों से बेरोकटोक मिल सकें। यही कारण है कि अभी भी कश्मीरियों को शिकायत है कि इस सड़क मार्ग का इस्तेमाल सिर्फ ऊंची पहुंच रखने वालों द्वारा ही किया जा रहा है और आम कश्मीरी इससे कोसों दूर है। श्रीनगर के लाल चौक में दुकान चलाने वाला मसूद अहमद कहता था कि 18 साल हो गए वह उस कश्मीर में रहने वाली अपनी बहन से मिलने की इजाजत नहीं पा सका है। 'हर बार मेरे आवेदन को कोई न कोई टिप्पणी लगा कर लौटा दिया जाता है और मेरा पड़ौसी दो बार उस पार हो आया ऊंची पहुंच के कारण जबकि उसका कोई रिश्तेदार भी उस पार नहीं रहता है, मसूद कहता था। पर अब तो साढ़े 4 सालों से सभी कश्मीरियों के अरमानों पर पानी फिर चुका है।

- **अप्रैल माह की 7 तारीख को अपने परिचालन के 18 साल पूरे**
- **पर कश्मीरियों के अरमान अभी भी अधूरे ही**

देशबन्धु

[अर्थ जगत]

सर्वाधिक बढ़ने वाले शेयर

एनटीपीसी	4.02 प्रतिशत
पावर ग्रिड	3.00 प्रतिशत
टेक महिंद्रा	2.28 प्रतिशत
टाटा स्टील	2.16 प्रतिशत
टीसीएस	1.96 प्रतिशत

सर्वाधिक घटने वाले शेयर

बजाज फाइनेंस	1.12 प्रतिशत
कोटक बैंक	1.09 प्रतिशत
हिंदुस्तान यूनीलीवर	0.91 प्रतिशत
आईटीसी	0.63 प्रतिशत
भारती एयरटेल	0.46 प्रतिशत

सर्राफा

सोना (प्रति दस ग्राम)स्टैंडर्ड	47,310
बिटुर	47,320
गिन्नी (प्रति आठ ग्राम)	31,400
चांदी (प्रति किलो) टंच हाजिर	70,096
वायदा	70,183
चांदी सिक्का लिवाली	870
बिकवाली	880

मुद्रा विनिमय

मुद्रा	क्रय	विक्रय
अमेरिकी डॉलर	67.77	78.57
पौंड स्टर्लिंग	90.94	105.45
यूरो	76.54	88.78
चीन युआन	08.24	13.38

अनाज

देसी गेहूँ एमपी	2500-3000
गेहूं दड़ा	2150-2160
आटा	2800-2290
मैदा	945-950
चोकर	620-630

मोटा आनाज

बाजरा	1300-1305
मक्का	1350-1500
ज्वार	3100-3200
जौ	1430-1440
काबुली चना	3500-4000

चावल

बासमती औसत किस्म	4500-4600
परमल	1750-1775
चावल सेला	2250-2350
आरआर (आठ)	1650-1670

दाल-दलहन

चना	4,850-4,950
दाल चना	4,850-4,950
मसूर काली	7,800-7,900
उड़द दाल	10300-10400
मूंग दाल	7,900-8,000
अरहर दाल	9700-9800

पेट्रोल और डीजल की कीमतें अपरिवर्तित

नई दिल्ली, 11 अगस्त (एजेंसियां)। वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में आई गिरावट के बीच घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम आज भी अपरिवर्तित रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर पर रहा।

ऑनलाइन गेमिंग व कैसिनो पर 28 प्रतिशत टैक्स, जीएसटी एक्ट में संशोधन का केंद्र का प्रयास

नई दिल्ली, 11 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्र सरकार शुक्रवार को लोकसभा में केंद्रीय वस्तु एवं सेवा कर (संशोधन) विधेयक, 2023 और एकीकृत वस्तु एवं सेवा कर (संशोधन) विधेयक, 2023 को पेश करने और पारित कराने की मांग करेगी। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने इस सप्ताह की शुरुआत में दोनों विधेयकों को मंजूरी दे दी थी।

केंद्रीय वस्तु एवं सेवा कर अधिनियम में संशोधन से घुड़दौड़, ऑनलाइन गेमिंग और कैसीनो पर 28 प्रतिशत वस्तु एवं सेवा कर की दर लागू करने की अनुमति मिल जाएगी। इसी तरह, राज्यों को भी अपने व्यक्तिगत जीएसटी कानूनों में अलग से संशोधन करना होगा।

यदि विधेयक पारित हो जाता है, तो नई कर प्रणाली 1 अक्टूबर से लागू हो जाएगी, जैसा कि इस महीने की शुरुआत में हुई जीएसटी परिषद की बैठक में निर्णय लिया गया था। उस बैठक में यह निर्णय लिया गया कि ऑनलाइन गेमिंग, कैसीनो और घुड़दौड़ पर 28 प्रतिशत लेवी 1 अक्टूबर से लागू हो जाएगी और छह महीने तक इसकी समीक्षा की जाएगी और अगर जरूरत पड़ी तो उसके बाद कर ढांचे में बदलाव किया जा सकता है।

शुक्रवार को संसद के मानसून सत्र का आखिरी दिन है, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण दो बिल पेश करेंगी और अगर सदन की कार्यवाही जारी रहेगी, तो वह दोनों बिलों को पारित कराने का भी प्रयास करेंगी।

इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि गेमिंग उद्योग के लगातार प्रतिनिधित्व के कारण जीएसटी परिषद को एक महीने के भीतर दो बार बैठक करनी पड़ी, इसमें गेमिंग पर 28 प्रतिशत कर स्लैब को कम करने की मांग की गई।

चालू वित्त वर्ष में अब तक 17.33 प्रतिशत बढ़ा आयकर

नई दिल्ली। चालू वित्त वर्ष में 10 अगस्त तक शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह 5.84 लाख करोड़ रुपये रहा जो पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में संग्रहित कर की तुलना में 17.33प्रतिशत अधिक है। यह राशि चालू वित्त वर्ष में इस मद में संग्रहित बजट कर अनुमान का 32.03 प्रतिशत है। आयकर विभाग ने आज यहां प्रत्यक्ष कर संग्रह के जारी आंकड़ों में कहा कि 10 अगस्त तक सकल प्रत्यक्ष कर संग्रह 6.53 लाख करोड़ रुपये रहा है जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में संग्रहित कर की तुलना में 15.73 प्रतिशत अधिक है। विभाग ने कहा कि इस अवधि में 69 हजार करोड़ रुपये का रिफंड किया गया है जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में किये गये रिफंड की तुलना में 3.73 प्रतिशत अधिक है।

अमेजन इंडिया पर सेल के पहले दिन रेडमी 12 5जी बना सबसे ज्यादा बिकने वाला स्मार्टफोन

नई दिल्ली, 11 अगस्त (एजेंसियां)। वैश्विक प्रौद्योगिकी ब्रांड शाओमी ने शुक्रवार को घोषणा की कि रेडमी 12 5जी पिछले सप्ताह भारत में अपनी वैश्विक शुरुआत के बाद से 2023 में अमेज़न पर सबसे अधिक बिकने वाला 5ज्ञ स्मार्टफोन बनकर उभरा है। बिक्री शुरू होने के बाद से रेडमी 12 5जी अमेज़न इंडिया पर 24 घंटे के भीतर आउट ऑफ स्टॉक हो गया, क्योंकि देश भर में 9,500 से अधिक पिन कोड पर मांग बढ़ गई थी। अमेज़ॅन इंडिया के वायरलेस और होम एंटरटेनमेंट के निदेशक रंजीत बाबू ने कहा, हम अमेजनडॉटइन पर नए रेडमी 12 5जी के सफल लॉन्च के लिए शाओमी इंडिया टीम को बधाई देना चाहते हैं। ऑल-राउंडर स्मार्टफोन अमेजनडॉटइन पर 10,000-15,000 रुपये के सिग्मेंट में सबसे ज्यादा बिकने वाला 5जी स्मार्टफोन बन गया है। उन्होंने कहा, यह सफलता हमारे विश्वास को दोहराती है कि अमेजनडॉटइन उन लोगों के लिए पसंदीदा बाज़ार है जो भारत की 5जी क्रांति में शामिल होना चाहते हैं। हमें पूरे भारत में ग्राहकों के लिए स्मार्टफोन उपलब्ध कराने के लिए शाओमी के साथ हमारी निरंतर भागीदारी पर गर्व है।

रेडमी 12 5जी भारत का पहला स्मार्टफोन है जिसमें चौथी पीढ़ी के स्नैपड्रैगन 2.5 प्रतिशत प्रोसेसर है, जिसमें फ्लैगशिप-स्तरीय 4एमएम आर्किटेक्चर है, जो तेज कनेक्टिविटी के लिए 5जी क्षमताओं को कुशलता से अनलॉक करता है।

शाओमी इंडिया के मुख्य विपणन अधिकारी अनुज शर्मा ने कहा, रेडमी 12 5जी को मिली जबरदस्त प्रतिक्रिया ने सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं और त्योहारी सीजन से पहले स्मार्टफोन श्रेणी को कुछ आवश्यक गति और दिशा दी है। भविष्य 5जी है, और अमेजन के साथ हमारा सहयोग भारत के हर कोने में 5जी क्रांति को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। रेडमी 12 5जी 4 अगस्त को बिक्री के लिए उपलब्ध हुआ और 24 घंटे के भीतर पूरा स्टॉक बिक गया। इसके 4जीबी रैम और 128जीबी मेमोरी वाले वर्जन की कीमत 10,999 रुपये, 6जीबी रैम और 128जीबी मेमोरी वाले वर्जन की कीमत 12,499 रुपये और 8जीबी रैम तथा 256जीबी मेमोरी वाले वर्जन की कीमत 14,499 रुपये है। ये कीमतें ऑफर सहित प्रभावी कीमत हैं।

विदेशी मुद्रा भंडार 2.42 अरब डॉलर घटकर 601.5 अरब डॉलर पर

मुंबई 11 अगस्त (एजेंसियां)। विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति, स्वर्ण, विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास आरक्षित निधि कम होने से 04 अगस्त को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 2.42 अरब डॉलर घटकर 601.5 अरब डॉलर रह गया जबकि इसके पिछले सप्ताह यह 3.17 अरब डॉलर कम होकर 603.9 अरब डॉलर रहा था।

रिजर्व बैंक की ओर से शुक्रवार को जारी साप्ताहिक आंकड़े के अनुसार, 04 अगस्त को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़े घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 1.94 अरब डॉलर की गिरावट लेकर 533.4 अरब डॉलर पर आ गयी। इसी तरह इस अवधि में स्वर्ण भंडार 22.4 करोड़ डॉलर कम होकर 44.7 अरब डॉलर रह गया। आलोच्य सप्ताह विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) में 17.1 करोड़ डॉलर की गिरावट आई और यह कम होकर 18.3 अरब डॉलर पर आ गया। इस अवधि में आईएमएफ के पास आरक्षित निधि 8.6 करोड़ डॉलर की गिरावट लेकर 5.1 अरब डॉलर रह गई। चालू वित्त वर्ष में अब तक 17.33 प्रतिशत बढ़ा।

एक्स ने जून-जुलाई में भारत में रिकॉर्ड 23 लाख से अधिक अकाउंट बैन किये

नई दिल्ली, 11 अगस्त (आईएएनएस)। एलन मस्क द्वारा संचालित एक्स कॉर्प (पूर्व में ट्विटर) ने भारत में जून-जुलाई अवधि में रिकॉर्ड 23,95,495 अकाउंट पर प्रतिबंध लगा दिया है। इनमें ज्यादातर मामले बाल यौन शोषण और बिना सहमति नग्नता को बढ़ावा देने से जुड़े थे। एक्स ने 26 मई से 25 जून के बीच देश में 5,44,473 अकाउंट पर प्रतिबंध लगाया। इसके अलावा देश में उसके प्लेटफॉर्म पर आतंकवाद को बढ़ावा देने के लिए 1,772 अकाउंट को भी बंद कर दिया गया। वहीं, 26 जून से 25 जुलाई के बीच देश में 18,51,022 अकाउंट पर प्रतिबंध लगाया जबकि उसके प्लेटफॉर्म पर आतंकवाद को बढ़ावा देने के लिए 2,865 खातों को अकाउंट बंद किये गये। एक्स ने नए आईटी नियम, 2021 के अनुपालन में अपनी मासिक रिपोर्टों में कहा कि 26 जून से 25 जुलाई के बीच 49 शिकायतों पर कार्रवाई की जो अकाउंट निलंबन के खिलाफ अपील से जुड़ी थीं।

कंपनी ने कहा, स्थिति की बारीकियों की समीक्षा करने के बाद हमने इनमें से एक अकाउंट के निलंबन को पलट दिया। शेष रिपोर्ट किए गए अकाउंट निलंबित रहेंगे। इसमें कहा गया है, हमें इस रिपोर्टिंग अवधि के दौरान ट्विटर खातों के बारे में सामान्य प्रश्नों से संबंधित 14 अनुरोध प्राप्त हुए। भारत से अधिकांश शिकायतें दुर्व्यवहार/उत्पीड़न (1,783) के बारे में थीं। इसके बाद घृणित आचरण (54), गोपनीयता का उल्लंघन (48), और बाल यौन शोषण (46) थीं।

नए आईटी नियम 2021 के तहत 50 लाख से अधिक यूजरों वाले बड़े डिजिटल और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को मासिक अनुपालन रिपोर्ट प्रकाशित करनी होगी।

सार संक्षेप

बोंडाडा इंजीनियरिंग का आईपीओ 18 अगस्त को खुलेगा

नई दिल्ली। बुनियादी ढांचा कंपनी बोंडाडा इंजीनियरिंग लिमिटेड का एसएमई प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 18 अगस्त को खुलेगा। इसके तहत कंपनी 427 करोड़ रुपये जुटाना चाहती है। टेलिकॉम में ग्राहकों को इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण सेवाएं और संचालन एवं रखरखाव सेवाएं प्रदान करने वाली हैदराबाद की इस कंपनी ने आज वर्चुअल संवाददाता सम्मेलन में यह घोषणा करते हुये कहा कि इस आईपीओ के लिए 10 रुपये अंकित मूल्य वाले शेयर का निर्गम मूल्य 75 रुपये निर्धारित किया गया है। 22 अगस्त को बंद होने वाले इस आईपीओ में निवेशक न्यूनतम 1600 शेयरों के लिए और उसके बाद 1600 शेयरों के गुणांकों में बोली लगा सकते हैं।

होंडा की नयी सीडी 110 ड्रीम डीलक्स लाँच

नई दिल्ली। दोपहिया वाहन बनाने वाली प्रमुख कंपनी होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया (एचएमएसआई) ने आज नई सीडी110 ड्रीम डीलक्स के लॉन्च की घोषणा की जिसकी दिल्ली में एक्स शोरूम कीमत 73400 रुपये है। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि भारत में होंडा की सबसे किफ़ायती मोटरसाइकिल की अगली पीढ़ी के रूप में यह नया मॉडल आधुनिक टेक्नोलॉजी, आरामदायक फीचरों और आकर्षक स्टाइलिंग के साथ मोटरसाइकिल सेगमेन्ट को नया आयाम देने के लिए तैयार है। उसने कहा कि नई ओबीडी2 कम्पलायन्ट सीडी 110 ड्रीम डीलक्स के लॉन्च के साथ भारतीय मोटरसाइकिल बाज़ार में कीमत और परफोर्मेन्स को नया आयाम देने के लिए वह तैयार है। अगली पीढ़ी की यह मोटरसाइकिल, आराम, सुविधा और विश्वसनीयता के साथ उपभोक्ताओं को बेजोड़ मूल्य प्रदान करने की एचएमएसआई की प्रतिबद्धता की पुष्टि करती है। सीडी110 ड्रीम डीलक्स होंडा के आधुनिक एन्हान्स्ड स्मार्ट पावर (ईएसपी) से युक्त ओबीडी2 कम्प्लायन्ट पीजीएम एफआई इंजन के साथ आती है।

ऑयल पाम की खेती के लिए तेलंगाना ने लोहिया समूह को दी 82,000 एकड़ जमीन

हैदराबाद। तेलंगाना सरकार ने ऑयल पाम की खेती और ऑयल पाम प्रसंस्करण इकाइयां स्थापित करने के लिए तेल प्रमुख कंपनी लोहिया ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज को 82,000 एकड़ जमीन आवंटित की है। कृषि और सहकारिता विभाग ने करीमनगर और जगित्याल जिलों में भूमि आवंटित की है। लोहिया उद्योग समूह के प्रबंध निदेशक महावीर लोहिया ने इस पहल के लिए सरकार की सराहना करते हुए कहा कि इससे कच्चे पाम तेल के आयात पर भारत की निर्भरता कम हो जाएगी और देश भर के उद्योगों की जरूरतों को पूरा किया जा सकेगा। उन्होंने कहा, उद्योग में हमारी विशेषज्ञता और विश्व स्तरीय मानकों को पिछले कुछ दशकों में मान्यता मिली है और सरकार की पहल का हिस्सा बनने के लिए चुने जाने पर हम सम्मानित महसूस कर रहे हैं।

शेयर बाजार लुढ़का

मुंबई 11 अगस्त (वार्ता) वैश्विक बाजार की गिरावट के बीच स्थानीय स्तर पर हेल्थकेयर, वित्तीय सेवाएं, बैंकिंग और धातु समेत पंद्रह समूहों में हुई बिकवाली से आज शेयर बाजार लगातार दूसरे दिन भी लुढ़क गया। बीएसई का संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 365.53 अंक की गिरावट लेकर 65322.65 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 119.90 अंक का गोता लगाकर 19423.20 अंक पर आ गया। इसी तरह बीएसई का मिडकैप 0.13 प्रतिशत टूटकर 30,429.56 अंक और स्मॉलकैप 0.31 प्रतिशत उतरकर 35,290.61 अंक पर रहा।

इस दौरान बीएसई में कुल 3724 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 2049 में बिकवाली जबकि 1523 में लिवाली हुई वहीं 152 में कोई बदलाव नहीं हुआ। इसी तरह निफ्टी की 39 कंपनियां लाल जबकि 11 हरे निशान पर रही वहीं एक के भाव स्थिर रहे।

बीएसई के 15 समूहों पर बिकवाली का दबाव रहा। इस दौरान कमोडिटीज 0.19, सीडी 0.53, ऊर्जा 0.22, एफएमसीजी 0.72, वित्तीय सेवाएं 0.77, हेल्थकेयर 1.27, आईटी 0.29, दूरसंचार 0.13, यूटिलिटीज 0.27, ऑटो 0.70, बैंकिंग 0.73, धातु 0.52, तेल एवं गैस 0.47, रियल्टी 0.33 और टेक समूह के शेयर 0.35 प्रतिशत गिर गए।

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर गिरावट का रुख रहा। इस दौरान ब्रिटेन का एफटीएसई 1.08, जर्मनी का डैक्स 0.49, हांगकांग का हैंगसेंग 0.90 और चीन का शंघाई कंपोजिट 2.01 प्रतिशत लुढ़क गया जबकि जापान के निक्केई में 0.84 प्रतिशत की तेजी रही।

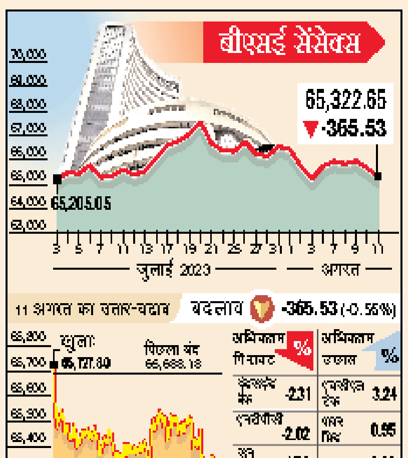

कारोबार की शुरूआत में सेंसेक्स 40 अंक की बढ़त लेकर 65,727.80 अंक पर खुला और यही इसका दिवस का उच्चतम स्तर भी रहा। वहीं, लिवाली के दबाव में यह कारोबार के अंतिम चरण में 65,274.61 अंक के निचले स्तर तक लुढ़क गया। अंत में पिछले दिवस के 65,688.18 अंक के मुकाबले 0.56 प्रतिशत का गोता लगाकर 65,322.65 अंक पर रहा।

इसी तरह निफ्टी भी 11 अंक बढ़कर 19,554.25 अंक पर खुला और सत्र के दौरान 19,557.75 अंक के उच्चतम जबकि 19,412.75 अंक के निचले स्तर पर भी रहा। अंत में पिछले सत्र के 19,543.10 अंक की तुलना में 0.59 प्रतिशत टूटकर 19,428.30 अंक पर आ गया।

इस दौरान सेंसेक्स की 21 कंपनियों पर बिकवाली हावी रही। इससे इंडसइंड के शेयरों ने सबसे अधिक 2.31 प्रतिशत का नुकसान उठाया। साथ ही गिरावट पर रहने वाली प्रमुख कंपनियों में एनटीपीसी 2.02, सन फार्मा 1.59, हिंदुस्तान यूनीलीवर 1.39, जेएसडब्ल्यूएस स्टील 1.32, टेक महिंद्रा 1.30, विप्रो 1.28, इंफोसिस 1.23, आईसीआईसीआई बैंक 1.22, एचडीएफसी बैंक 1.05, टाटा मोटर्स 1.04, भारती एयरटेल 0.46, मारुति 0.45, एक्सिस बैंक 0.30 और एलटी 0.22 प्रतिशत गिर गया।

वहीं, एचसीएल टेक 3.24, पावर ग्रिड 0.95, टाइटन 0.88, रिलायंस 0.49, अल्ट्रासिम्को 0.30, टाटा स्टील 0.25, टीसीएस 0.17, एसबीआई 0.11 और महिंद्रा एंड महिंद्रा ने 0.04 प्रतिशत का मुनाफा कमाया।

खाद्य तेलों में टिकाव, चावल और गुड़ महंगा

नई दिल्ली, 11 अगस्त (एजेंसियां)। विदेशी बाजारों के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर उठाव सुस्त रहने से आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेलों के साथ ही दाल-दलहन में टिकाव रहा वहीं चावल और गुड़ महंगा हो गया।

तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में अगस्त का पाम ऑयल वायदा 25 रिंगिट फिसलकर 3715 रिंगिट प्रति टन पर आ गया गया। वहीं, अगस्त का अमेरिकी सोया तेल वायदा भी 0.31 सेंट की तेजी लेकर 60.79 सेंट प्रति पौंड बोला गया। इस दौरान घरेलू बाजार में खाद्य तेलों में टिकाव रहा। सरसों तेल, मूंगफली तेल, सूरजमुखी तेल, सोया रिफाइंड, पाम ऑयल और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ।

गुड़-चीनी : मीठे के बाजार में मिलाजुला रुख रहा। इस दौरान गुड़ 200 रुपये प्रति क्विंटल महंगा हो गया जबकि चीनी के भाव पुराने स्तर पर पड़े रहे।

दाल-दलहन : दाल-दलहन बाजार में स्थिरता रही। इस दौरान चना, दाल चना, मसूर दाल, मूंग दाल उड़द दाल और अरहर दाल के दाम स्थिर रहे।

अनाज : अनाज मंडी में मिश्रित रुझान रहा। इस दौरान चावल 100 रुपये प्रति क्विंटल चढ़ गया जबकि गेहूं के भाव पुराने स्तर पर पड़े रहे।

दाल-दलहन : चना 5400-5500, दाल चना 6400-6500, मसूर काली 7500-7600, मूंग दाल 9100-9200, उड़द दाल 10900-11000, अरहर दाल 10500-10600 रुपये प्रति क्विंटल रहे।

अनाज : (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2550-2650 रुपये और **चावल :** 3000-3100 रुपये प्रति क्विंटल रहा।

चीनी-गुड़ : चीनी एस 3640-3740, चीनी एम. 3900-4000, मिल डिलीवरी 3520-3620 और गुड़ 4000-4100 रुपये प्रति क्विंटल बोले गये।

खाद्य तेल : सरसों तेल 12308 रुपये, मूंगफली तेल 20512 रुपये, सूरजमुखी तेल 13407 रुपये, सोया रिफाइंड 11721 रुपये, पाम ऑयल 8933 रुपये और वनस्पति तेल 11000 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा है।

जुलाई में कच्चे तेल के दाम 16 फीसदी बढ़े

नई दिल्ली, 11 अगस्त (एजेंसियां)। मोतीलाल ओसवाल एसेट मैनेजमेंट कंपनी की एक रिपोर्ट के अनुसार, जुलाई में तेल बाजार में कीमतों में 16 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई, जो जनवरी 2022 के बाद सबसे अधिक है। चांदी और सोने की कीमतों में भी क्रमशः आठ फीसदी और तीन फीसदी की बढ़ोतरी हुई।

क्रिप्टो बाजार अपवाद था, क्योंकि सबसे बड़े वैश्विक क्रिप्टोकरेंसी एक्सचेंजों में से एक एफटीएक्स के पतन के बाद बिटक्वाइन और एथेरियम में चार प्रतिशत की गिरावट आई। शेयरों के मामले में उभरते और विकसित दोनों बाजारों ने सकारात्मक प्रदर्शन किया, जिसमें दक्षिण अफ्रीका 13 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि के साथ एक असाधारण प्रदर्शनकर्ता के रूप में उभरा। अमेरिकी बाजार में, नैस्डेक 100 और एसएंडपी 500 सूचकांकों ने क्रमश: चार प्रतिशत और तीन प्रतिशत की बढ़त दर्ज की। रिपोर्ट में कहा गया है कि एसएंडपी 500 की बढ़त में आईटी सेक्टर का दबदबा रहा।

निफ्टी स्मॉलकैप 250 ने सभी प्रमुख सूचकांकों से बेहतर प्रदर्शन करते हुए 7.69 फीसदी का रिटर्न दिया। इसके बाद निफ्टी मिडकैप 150 में 5.51 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई। रियल्टी, धातु और ऊर्जा ने नौ प्रतिशत की बढ़त हासिल की। दूसरी ओर, आईटी एक प्रतिशत की मामूली वृद्धि के साथ पिछड़ गया।

डायवर्सिफाइड सेक्टर को छोड़कर सभी क्षेत्रों ने निफ्टी 500 रिटर्न में सकारात्मक योगदान दिया, जिसमें वित्तीय सेवा क्षेत्र ने सबसे अधिक प्रभाव डाला।

ब्रिटेन की साइबर सुरक्षा कंपनी एनसीसी ग्रुप और अधिक कर्मचारियों की करेगा छंटनी

लंदन, 11 अगस्त (एजेंसियां)। ब्रिटेन स्थित साइबर सुरक्षा दिग्गज एनसीसी ग्रुप ने पुष्टि की है कि वह अपने कार्यबल में सात प्रतिशत की कटौती करने के कुछ ही महीनों बाद और अधिक कर्मचारियों की छंटनी करेगा।

हालांकि इससे कितने कर्मचारी प्रभावित होंगे इसकी पुष्टि नहीं हुई है। सूत्रों के हवाले से टेकक्रंच के मुताबिक, कंपनी महज छह महीने में छंटनी के दूसरे दौर से गुजर रही है।

एनसीसी के एक प्रवक्ता के हवाले से कहा गया था, जैसा कि इस वर्ष की शुरुआत में निर्धारित किया गया था, बाजार की बदलती गतिशीलता और ग्राहकों की मांगों के जवाब में हमारे पास एक नई वैश्विक रणनीति है। ये वृहद ताकतें समग्र रूप से उद्योग को प्रभावित कर रही हैं, यही कारण है कि हमें भविष्य के लिए मजबूत नींव स्थापित करनी चाहिए।

- कंपनी महज छह महीने में छंटनी के दूसरे दौर में पहुंची
- नौकरी में कटौती के फैसले से अमेरिका, कनाडा, यूके, नीदरलैंड और अन्य देशों सहित वैश्विक स्तर पर कर्मचारी प्रभावित होंगे

यह छंटनी एनसीसी की फरवरी में यूके और उत्तरी अमेरिका में 125 कर्मचारियों की छंटनी की योजना की घोषणा के बाद हुई है।

एनसीसी ग्रुप उन कई साइबर सुरक्षा कंपनियों में से एक है, जिन्होंने हाल के महीनों में कर्मचारियों की छंटनी की है। इस सप्ताह की शुरुआत में, साइबर सुरक्षा कंपनी रैपिड7 ने लगभग 470 कर्मचारियों या अपने कार्यबल के 18 प्रतिशत को नौकरी से निकालने की घोषणा की।

अमेरिकी प्रतिभूति और विनिमय आयोग के साथ एक फाइलिंग में, रैपिड7 ने कहा कि वह पुनर्गठन योजना के हिस्से के रूप में कर्मचारियों की छंटनी कर रहा है। पुनर्गठन योजना के संबंध में, कंपनी कुछ कार्यालय स्थानों को स्थायी रूप से बंद करने की योजना बना रही है।

इस महीने की शुरुआत में, अमेरिका स्थित बग बाउंटी और पैठ परीक्षण प्लेटफॉर्म हैकरवन ने अपने लगभग 12 प्रतिशत कार्यबल को हटाने की घोषणा की। नौकरी में कटौती के फैसले से अमेरिका, कनाडा, यूके, नीदरलैंड और अन्य देशों सहित वैश्विक स्तर पर कर्मचारी प्रभावित होंगे।

खेल जगत

मरे पेट की चोट के कारण कैनेडियन ओपन से हटे

टोरंटो (कनाडा), 11 अगस्त (एजेंसियां)। तीन बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन एंडी मरे पेट की चोट के कारण यानिक सिनर के खिलाफ 16वें राउंड के मुकाबले से पहले कैनेडियन ओपन से हट गए हैं। लोरेंजो सोनेगो और मैक्स परसेल के खिलाफ अपनी शुरुआती जीत के दौरान कोर्ट पर लगभग पांच घंटे बिताने के बाद, मरे को सिनर का सामना करना था, लेकिन वह हट गए। मरे ने स्टेडियम की भीड़ को संबोधित करते हुए कहा, मेरे पेट (मांसपेशियों) में समस्या है इसलिए दुर्भाग्य से मैं आज शाम नहीं खेल पाऊंगा। मुझे वास्तव में खेद है। उन्होंने कहा, मुझे ऐसा लगता है जैसे मैंने आपको निराश किया है। मैं अपने करियर में शायद ही कभी इस स्थिति में रहा हूं और मुझे बहुत बुरा लग रहा है। मरे ने अपने लंबे करियर में सातवीं बार वॉकओवर दिया है। कनाडा में एटीपी मास्टर्स 1000 (2009, 2010, 2015) में तीन बार का चैंपियन, 36 वर्षीय खिलाड़ी विशेष रूप से परेशान थे।

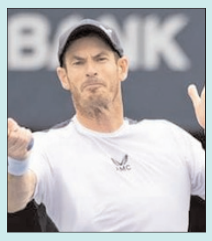

बराबरी के लिए भारत को बल्ले से प्रदर्शन जारी रखना होगा

लॉडरहिल, 11 अगस्त (एजेंसियां)। वेस्टइंडीज से पहले दो टी-20 मैच हारने के बाद, भारत ने उप-कप्तान सूर्यकुमार यादव और तिलक वर्मा के शानदार प्रयासों की बदौलत तीसरे गेम में सात विकेट की शानदार जीत के साथ पांच मैचों की श्रृंखला को जीवित रखा। अब श्रृंखला की कार्रवाई अंतिम दो मैचों के लिए फ्लोरिडा, यूएसए के लॉडरहिल में स्थानांतरित होने के साथ, भारत उम्मीद कर रहा होगा कि अन्य बल्लेबाज शनिवार को होने वाले चौथे टी20 में महत्वपूर्ण योगदान देंगे।

वेस्टइंडीज अभी भी सीरीज में 2-1 से आगे है। हालांकि सूर्यकुमार ने तीसरे टी20 में अपनी लय वापस पा ली, लेकिन भारत को यशस्वी जयसवाल, शुभमन गिल, कप्तान हार्दिक पांड्या और निचले क्रम के बाकी बल्लेबाजों से आवश्यकता होगी कि वे आगे बढ़ें और रन बनाने में बड़ी भूमिका निभाएं। गिल तीनों पारियों में एकल अंक पर आउट हुए हैं और श्रृंखला में अब तक दोहरे अंक तक नहीं पहुंच पाए हैं। ईशान किशन की जगह शीर्ष पर लाए गए जायसवाल अपने पहले टी20 मैच में सस्ते में आउट हो गए।

चूंकि हार्दिक ने अभी तक बल्ले से अपना चरम फॉर्म हासिल नहीं किया है और भारत की टीम आठवें नंबर से शुरुआत कर रही है, इसलिए समय की मांग है कि बल्लेबाजी विभाग एकजुट होकर बड़ा योगदान दे। गेंदबाजी विभाग में, कुलदीप यादव, अक्षर पटेल और युजवेंद्र चहल स्पिन टीम के रूप में प्रभावशाली रहे हैं, जबकि अर्शदीप सिंह और मुकेश कुमार अच्छा काम कर रहे हैं। वेस्टइंडीज के लिए, अगले साल घरेलू मैदान पर होने वाले टी20 विश्व कप की तैयारी में, अगर वे शनिवार को भारत को हराने में कामयाब होते हैं, तो उनके लिए 2017 के बाद पहली बार लगातार टी20 श्रृंखला जीतने का मौका है।

भारत की तरह, वेस्टइंडीज के बल्लेबाज भी एकजुट होकर प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं, निकोलस पूरन शानदार फॉर्म में हैं और कप्तान रोवमैन पॉवेल कुछ हद तक बड़े हिट प्रदान कर रहे हैं। अगर वेस्टइंडीज को भारत के सामने कड़ी चुनौती पेश करनी है तो काइल मेयर्स, शिमरोन हेटमायर और ब्रैंडन किंग को बल्ले से बेहतर करने की जरूरत है। दोपहर में कुछ बारिश होने का अनुमान है क्योंकि तीन सप्ताह तक एमएलसी का भव्य आयोजन देखने के बाद अमेरिका भारत की कुछ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट गतिविधियों को देखने के लिए खुद को तैयार कर रहा है।

दोनों टीमों ने लॉडरहिल में अपने आमने-सामने छह टी20 मैच खेले हैं, जिनमें से भारत ने चार मैच जीते हैं, वेस्टइंडीज ने सिर्फ एक बार, जबकि एक अन्य मैच बारिश की भेंट चढ़ गया।

टीमें : **भारत:** इशान किशन (विकेटकीपर), शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल, तिलक वर्मा, सूर्यकुमार यादव (उपकप्तान), संजू सैमसन (विकेटकीपर), हार्दिक पांड्या (कप्तान), अक्षर पटेल, युजवेंद्र चहल, कुलदीप यादव, रवि बिश्नोई, अर्शदीप सिंह, उमरान मलिक, आवेश खान, मुकेश कुमार

वेस्टइंडीज : रोवमैन पॉवेल (कप्तान), काइल मेयर्स (उप-कप्तान), जॉनसन चार्ल्स, रोस्टन चेज़, शिमरॉन हेटमायर, जेसन होल्डर, शाई होप, अकील होसेन, अल्ज़ारी जोसेफ, ब्रैंडन किंग, ओबेड मैकॉय, निकोलस पूरन (विकेटकीपर), रोमारियो शेफर्ड , ओडियन स्मिथ, ओशेन थॉमस

जडेजा के बारे में कोई क्यों नहीं पूछता : रोहित शर्मा

मुंबई। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने वेस्टइंडीज के खिलाफ सफेद गेंद की सीरीज से अपनी और सीनियर बल्लेबाज विराट कोहली की अनुपस्थिति को वर्क लोड मैनेजमेंट बताया है। वेस्टइंडीज दौरे पर गई टीम इंडिया लगातार चर्चा में बनी हुई है। हालांकि इसकी वजह उनका शानदार खेल नहीं बल्कि टीम कॉम्बिनेशन को लेकर प्रयोग है। वेस्टइंडीज के खिलाफ लिमिटेड ओवर की सीरीज से रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे सीनियर्स गायब हैं। उनकी जगह युवा खिलाड़ियों और एशिया कप के साथ ही विश्व कप के लिए बैकअप प्लेयर्स को लगातार आजमाया जा रहा है। रोहित शर्मा ने पहला वनडे खेला लेकिन अगले दो मैचों और उसके बाद वेस्टइंडीज में टी-20 सीरीज में नहीं खेल रहे। उनके आराम के साथ, हार्दिक पांड्या ने श्रृंखला के अगले दो एकदिवसीय मैचों में टीम का नेतृत्व किया, जिसे भारत ने 2-1 से जीता और वर्तमान में पांच मैचों की टी20 श्रृंखला में टीम की कप्तानी कर रहे हैं, जिसमें मेन इन ब्लू 2-1 से पीछे है। रोहित ने अब इस पर खुलकर बात की है और कहा है कि श्रृंखला से उनकी अनुपस्थिति रणनीति का हिस्सा थी क्योंकि उन्होंने 2022 में टी-20 विश्व कप से पहले भी यही किया था। रोहित ने कहा कि वे सफेद गेंद की श्रृंखला से बाहर बैठे हैं क्योंकि वे टी-20 में युवा खिलाड़ियों को मौका देना चाहते थे और उन दोनों ने पिछले साल ऑस्ट्रेलिया में टी-20 विश्व कप के बाद से टी-20 प्रारूप नहीं खेला है। पिछले साल भी हमने यही किया था। वो साल टी-20 विश्व कप था, इसलिए हमने वनडे क्रिकेट नहीं खेला। रोहित ने कहा, अब भी हम वही कर रहे हैं, वनडे विश्व कप है, इसलिए हम टी20 नहीं खेल रहे हैं।

जापान को हराकर सेमीफाइनल में पहुंचा स्वीडन

ऑकलैंड, 11 अगस्त (एजेंसियां)। स्वीडन ने फीफा महिला विश्वकप 2023 के एकतरफा क्वार्टरफाइनल में पूर्व विश्व विजेता जापान को 2-1 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। ईडन पार्क पर खेले गये दूसरे क्वार्टरफाइनल में अमांडा इलेस्टेड (32वां मिनट) और फिलिपा एंजलडेल (51वां मिनट) के गोलों से स्वीडन ने 2-0 की मज़बूत बढ़त बना ली। होनोका हयाशी ने 87वें मिनट में जापान का खाता खोला, हालांकि इससे सिर्फ एशियाई टीम की हार का अंतर ही कम हो सका। सेमीफाइनल में स्वीडन का सामना स्पेन से होगा।

प्री-क्वार्टरफाइनल में मौजूदा चैंपियन अमेरिका को पछाड़ने के बाद स्वीडन पूरे आत्मविश्वास के साथ मैदान पर उतरा। स्टिना ब्लैकस्टेनियस ने पहले हाफ में यूरोपीय टीम के लिये खेल की पहली वास्तविक शुरुआत की, लेकिन उनकी कोशिश गोल से चूक गयी। स्वीडन को कुछ ही क्षण बाद सफलता मिली और डिफेंडर इलेस्टेड ने पेनल्टी-बॉक्स में कुछ क्षणों के संघर्ष के बाद टूर्नामेंट में अपना चौथा गोल किया। स्वीडन हाफ टाइम से पहले इस बढ़त को दोगुना कर सकता था लेकिन अयाका यामाशिता ने कोसोवरे असलानी के कॉर्नर को रोककर यह खतरा टाल दिया। हाफ टाइम के छह मिनट बाद जापान के बॉक्स में एक डिफेंडर के हाथ में गेंद लगने के कारण स्वीडन को पेनल्टी स्ट्रोक मिला। एंजलडेल ने इस बार पेनल्टी को गोल में बदलकर स्वीडन की बढ़त दोगुनी कर दी। जापान को इसके बाद वापसी की दो मौके मिले। मैच के 76वें मिनट में मिले पेनल्टी स्ट्रोक पर रिको यूकी का प्रयास क्रॉसबार से लगकर छिटक गया, जबकि कुछ देर बाद मिली फ्री-किक पर आओबा फुजीनो भी गोल नहीं कर सकीं। हयाशी ने निर्धारित समय खत्म होने से तीन मिनट पहले फील्ड गोल किया लेकिन वह जापान को जीत दिलाने के लिये नाकाफी रहा।

जापान के कोच फुटोशी इकेडा ने हार के बाद कहा, जब हमने उन पर दबाव बनाने की कोशिश की, तो वे पीछे हटे या अपने कद का इस्तेमाल किया। हम उनके मजबूत पक्ष जानते थे, लेकिन हम हमला करने के लिये और अधिक समय चाहते थे। हमने दूसरे हाफ में लड़ने की भावना दिखाई और एक गोल किया। मुझे हार न मानने और अंत तक लड़ने के लिये खिलाड़ियों पर गर्व है।

एशिया कप, विश्व कप में शाकिब करेंगे बंगलादेश की कप्तानी

ढाका, 11 अगस्त (एजेंसियां)। शाकिब अल हसन सितंबर में होने वाले एशिया कप और उसके बाद अक्टूबर-नवंबर में होने वाले विश्व कप के लिये वनडे क्रिकेट में बंगलादेश की कप्तानी करेंगे। बंगलादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के अध्यक्ष नजमुल हसन ने शुक्रवार को इसकी पुष्टि की। नजमुल ने अपने आवास पर संवाददाताओं से कहा, हमने शाकिब को एशिया कप और विश्व कप के लिये कप्तान नियुक्त किया है। विश्व कप और एशिया कप टीम की घोषणा कल की जायेगी। चयनकर्ता 17 सदस्यों की टीम चुनेंगे।

गौरतलब है कि तीन अगस्त को तमीम इक़बाल के कप्तानी छोड़ने के बाद से यह पद खाली पड़ा है। नजमुल ने इससे पहले कहा था कि बोर्ड शाकिब को कप्तान नियुक्त करने से पहले उनकी उपलब्धता पर स्पष्ट होना चाहता है। उन्होंने आज संवाददाताओं से कहा कि शाकिब को पूर्णकालिक कप्तान बनाने पर अभी फैसला नहीं किया गया है।

नजमुल ने कहा, हमने उनसे लंबी अवधि की कप्तानी के संबंध में बात नहीं की है और हम उनके (लंका प्रीमियर लीग से) आने के बाद इस बारे में कह सकते हैं क्योंकि हमें उनकी उपलब्धता के बारे में स्पष्टता चाहिये होगी। तीनों प्रारूपों में कप्तानी करना उनके लिये दबाव भरा हो सकता है इसलिए हमें उनसे बात करनी होगी।

उन्होंने कहा, अभी वह देश से दूर हैं और एक टीम के लिये (एलपीएल में) खेल रहे हैं। हम उन्हें परेशान नहीं करना चाहते थे क्योंकि आज उनका मैच भी है। हमने जो फैसला किया है वह विश्व कप तक है जहां वह खेल रहे हैं। उस समय तक शाकिब ही कप्तान हैं। नजमुल ने पुष्टि की कि लिटन दास उप-कप्तान बने रहेंगे और शाकिब की अनुपस्थिति टीम की कमान संभालेंगे।

चीन को हराकर पाकिस्तान ने हासिल किया पांचवां स्थान

चेन्नई, 11 अगस्त (एजेंसियां) पाकिस्तान ने एशियाई चैंपियन्स ट्रॉफी 2023 में पांचवें स्थान के लिये खेले गये मुकाबले में शुक्रवार को चीन को 6-1 से रौंदकर अपने अभियान का विजयी अंत किया। मेयर राधाकृष्णन स्टेडियम पर पाकिस्तान के लिये मोहम्मद सुफयान खान (11वां, 12वां मिनट) और मोहम्मद अम्माद (10वां, 52वां मिनट) ने दो-दो गोल किये, जबकि अब्दुल शाहिद (15वां मिनट) और अब्दुल राणा (55वां मिनट) ने एक-एक गोल का योगदान दिया। चीन का सांत्वना गोल चेन बेन्हाई ने 35वें मिनट में किया।

सुफयान और अम्माद ने पहले क्वार्टर में चार गोल जमाकर पाकिस्तान की जीत की राह आसान की। पाकिस्तानी फॉरवर्ड पंक्ति ने चीन के डिफेंस पर लगातार हमले किये, जबकि सुफयान और अम्माद ने दबाव बनाकर अर्जित किये गये पेनल्टी कॉर्नरों को भुनाने में कोई चूक नहीं की। अम्माद ने अपना पहला गोल 10वें मिनट में एहतिशाम असलम की मदद से किया। अहतिशाम ने दाहिने फ्लैंक से गेंद को गोल की तरफ खेला। चीनी डिफेंडर कायू वांग ने गेंद को रोकना चाहा लेकिन मोहम्मद अम्माद ने सही समय पर गेंद को नेट में धकेल दिया। सुफयान ने अपनी ड्रैग फ्लिक की धाक जमाते हुए अगले दो मिनटों में दो गोल और दागे। क्वार्टर के आखिरी क्षणों में राणा ने चीनी सर्किल के बाईं ओर खड़े अम्माद को गेंद पास की। अम्माद ने कुशलता के साथ शाहिद तक गेंद को पहुंचाया और गोल के ठीक सामने खड़े शाहिद ने पाकिस्तान का स्कोर 4-0 कर दिया। दूसरे क्वार्टर में भी पाकिस्तान ने अपना आक्रामक रवैया जारी रखा, हालांकि इस दौरान चीन ने अपने सर्किल में डिफेंस पर ज़ोर दिया और हाफ टाइम तक स्कोर में कोई बदलाव नहीं आया। तीसरे क्वार्टर में चीन ने अधिक एकजुटता दिखाई। चीन ने कई मौकों पर गेंद को पाकिस्तानी अर्द्ध में पहुंचाकर विपक्षी टीम पर दबाव बनाया। चीन ने 35वें मिनट में सर्किल के अंदर सुफयान की गलती का फायदा उठाते हुए पेनल्टी कॉर्नर अर्जित किया, जिसे चेन ने गोल में तब्दील कर दिया।

यह हालांकि मुकाबले में चीन का एकमात्र गोल साबित हुआ। तीसरा क्वार्टर समाप्त होने से पहले चैंगलियांग लिन ने गेंद को दाहिनी ओर से खेलते हुए चेन को गोल करने का मौका दिया लेकिन उनके हवाई शॉट को रेफरी ने अवैध करार दिया। पाकिस्तान ने अंततः 52वें मिनट में चीन की लय तोड़ते हुए पेनल्टी कॉर्नर अर्जित की, जिसे अम्माद ने गोल में बदलकर अपनी टीम को पुनः चार गोल की बढ़त दिलाई।

सार संक्षेप

एशियाई खेलों से पहले प्रशिक्षण के लिए रोमानिया रवाना हुए भारतीय पहलवान

नई दिल्ली। एशियाई खेलों के लिये जाने वाले छह पहलवान केन्द्रीय खेल मंत्रालय की एनएसएफ सहायता योजना के तहत तीन सहायक स्टाफ सदस्यों के साथ एक विशेष प्रशिक्षण शिविर के लिये रोमानिया रवाना हो गये हैं। मंत्रालय ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। रोमानिया यात्रा के दौरान टीम 18 से 20 अगस्त तक इओन कॉर्नियानू और लैडिस्लाऊ साइमन कार्यक्रम में भी भाग लेगी। मंत्रालय ने बताया कि यह अंतरराष्ट्रीय दौरा 15 दिनों की अवधि तक चलेगा, जिसमें मंत्रालय प्रशिक्षण लागत, हवाई किराया, वीजा लागत और जेब से बाहर के भत्ते (ओपीए) सहित अन्य खर्चों को पूरा करेगा। रोमानिया गये छह ग्रीको-रोमन पहलवान = ज्ञानेन्द्र (60 किग्रा), नीरज (67 किग्रा), विकास (77 किग्रा), सुनील कुमार (87 किग्रा), नरिंदर चीमा (97 किग्रा), नवीन (130 किग्रा)

विलियमसन विश्व कप के लिए कीवी टीम में होने को लेकर पूरी तरह आश्वस्त

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियमसन इस साल अक्टूबर-नवंबर में भारत में होने वाले एकदिवसीय विश्व कप के लिए फिट होने को लेकर आशान्वित हैं। घुटने की चोट से उबर रहे विलियमसन ने शुक्रवार को न्यूजीलैंड के प्रशंसकों को यह बताकर कुछ उम्मीद जगाई कि उनकी रिकवरी तय समय से पहले हो गई है और अगले महीने विश्व कप टीम के चयन के लिए चयन की राह पर हैं। माउंट मौंगानुई में बे ओवल में अन्य ब्लैक कैप्स के साथ नेट सत्र के बाद विलियमसन ने शुक्रवार को आगे कहा, अगर घुटना उस स्तर पर है जहां यह वास्तविकता हो सकती है, तो यह बहुत अच्छा है, लेकिन यह इसे ठीक करने और यह सुनिश्चित करने के बारे में है कि जब भी वह समय आए - वह जाने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा, आपके पास कुछ अच्छे दिन हैं, फिर आपके पास कुछ परिवर्तनशील दिन भी हैं। न्यूजीलैंड मीडिया ने विलियमसन के हवाले से कहा, यह सब यात्रा का हिस्सा है, अपने आप से बहुत आगे निकलना कठिन है क्योंकि आप एक ही स्थान पर वास्तव में कुछ अच्छा देखते हैं, लेकिन आप अभी भी जानते हैं कि बहुत काम करना बाकी है। विलियमसन को मार्च के अंत में इंडियन प्रीमियर लीग के शुरुआती गेम में क्षेत्ररक्षण करते समय उनके दाहिने घुटने में चोट लग गई थी। ब्लैक कैप्स के मुख्य कोच गैरी स्टीड ने कुछ दिन पहले कहा था कि केन विलियमसन के चयन पर विचार किया जाएगा, भले ही वह शुरुआती ग्रुप मैच खेलने के लिए तैयार न हों।

सलमा के गोल से सेमीफाइनल में स्पेन

वेलिंगटन, 11 अगस्त (एजेंसियां)। स्पेन ने अतिरिक्त समय में सलमा पैरालुएलो के निर्णायक गोल की बदौलत फीफा महिला विश्व कप 2023 के क्वार्टरफाइनल में नीदरलैंड को 2-1 से हराकर पहली बार टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बना ली। वेलिंगटन रीजनल स्टेडियम पर खेले गये मुकाबले में मारियोना काल्डेंटी ने 81वें मिनट में पेनल्टी पर स्पेन का पहला गोल किया, लेकिन स्टेफनी वैन डर ग्रैट (90+1वां मिनट) ने नीदरलैंड के लिये गोल जमाकर मुकाबले को अतिरिक्त समय में पहुंचा दिया। अंततः, सलमा ने 111वें मिनट में फील्ड गोल दागकर स्पेन को सेमीफाइनल में पहुंचाया, जहां उसका सामना स्वीडन से होगा। टूर्नामेंट के पहले क्वार्टरफाइनल में स्पेन और नीदरलैंड के बीच कांटे की टक्कर होने की उम्मीद थी, हालांकि स्पेन ने 80 मिनट तक मैच पर दबदबा बनाकर रखा। अगर स्पेन ने नीदरलैंड के अर्द्ध में गलतियां न करता तो पहले हाफ में ही मज़बूत बढ़त बना सकता था।

निर्धारित समय समाप्त होने से 10 मिनट पहले वैन डर ग्रैट का हाथ गेंद से लगने के कारण स्पेन को अपना पहला गोल करने का मौका मिला। काल्डेंटी ने इस मौके का फायदा उठाया और पेनल्टी को गोल में बदलने में कोई गलती नहीं की। वैन डर ग्रैट ने इसके बाद सेंटर बैक की जगह फॉरवर्ड पंक्ति में जगह ली और जल्द ही अपनी गलती को सुधारते हुए नीदरलैंड के लिये स्कोर बराबर कर दिया। स्टॉपेज टाइम में वैन डर ग्रैट के गोल के कारण नीदरलैंड को एक जीवनदान मिला, हालांकि सलमा स्पेन को एक बार फिर बढ़त दिलाने में कामयाब रहीं। नीदरलैंड ने अतिरिक्त समय में अधिक आत्मविश्वास दिखाया और लिनेथ बीरेन्स्टेन की बदौलत कई मौके भी बनाये। बढ़त हासिल करने की कोशिश में हालांकि नीदरलैंड का डिफेंस कमज़ोर पड़ गया और सलमा ने बाईं ओर से डच गोल की ओर जगह बनाते हुए निर्णायक गोल किया।

स्पेन के कोच जॉर्ज विल्डा ने कहा, आप हमेशा ऐसे पल का सपना देखते हैं। हम पहली बार सेमीफाइनल में पहुंचे हैं। हम दुनिया की चार सर्वश्रेष्ठ टीमों में से हैं, लेकिन हम रुकने वाले नहीं। आज, हम ज़रूर जश्न मनाएंगे, लेकिन कल हम सेमीफाइनल की तैयारी करेंगे क्योंकि हम फाइनल खेलना चाहते हैं।

हैरी केन बायर्न म्यूनिख में जल्द हो सकते हैं शामिल : रिपोर्ट

लंदन, 11 अगस्त (एजेंसियां)। इंग्लैंड और टॉटनहम हॉटस्पर के स्ट्राइकर हैरी केन कथित तौर पर जर्मन चैंपियन बायर्न म्यूनिख के साथ चार साल के अनुबंध पर सहमत हो गए हैं और शुक्रवार को मेडिकल के लिए जर्मनी जाएंगे। कई हफ्तों की लंबी बातचीत के बाद, बायर्न और स्पर्स ने स्टार स्ट्राइकर के लिए 100 मिलियन यूरो से अधिक के सौदे पर सहमति व्यक्त की। यूरोस्पोर्ट की रिपोर्ट के अनुसार, केन कथित तौर पर उत्तरी लंदन में रहने के इच्छुक थे, लेकिन अब एक बड़ी रकम मिलने के बाद बायर्न म्यूनिख में शामिल होने के लिए सहमत हो गए हैं और बायर्न एफसी के साथ चार साल का करार किया है। 30 वर्षीय यह खिलाड़ी चाहता था कि उसका भविष्य रविवार को ब्रेंटफोर्ड में स्पर के सीज़न-ओपनिंग प्रीमियर लीग गेम से पहले तय हो जाए। केन पूरी गर्मियों में जर्मन चैंपियन के प्रमुख लक्ष्य रहे हैं और गुरुवार को एक समझौते पर पहुंचने से पहले उनकी कई बोलियां खारिज कर दी गई थीं। उम्मीद है कि स्ट्राइकर नंबर-9 जर्सी पहनेगा। इससे पहले यह नंबर, रॉबर्ट लेवांडोवस्की का था जो अब बार्सिलोना का हिस्सा हैं। यह खिलाड़ी 435 मैचों में 280 गोल के साथ टोटेनहम का टॉप स्कोरर है। 320 प्रीमियर लीग मैचों में 213 गोल के साथ, वह वर्तमान में प्रीमियर लीग के इतिहास में सर्वोच्च स्कोरर के रूप में एलन शियरर के रिकॉर्ड को तोड़ने से 48 गोल दूर हैं।

सरदार सिंह लड़कों व रानी भारत की सब जूनियर राष्ट्रीय हॉकी टीम के कोच की जिम्मेदारी संभालेंगे

■ सत्येन्द्र पाल सिंह

चेन्नै, 11 अगस्त (देशबन्धु)। भारत में जमीनी स्तर पर हॉकी को मजबूत करने के लिए पूर्व हॉकी ओलंपियन और कप्तान सेंटर हाफ सरदार सिंह को हॉकी इंडिया ने भारत के लड़कों की सब जूनियर (अंडर 16) लड़कों और पूर्व कप्तान रानी रामपाल को सब जूनियर (अंडर 16) लड़कियों का कोच नियुक्त किया है। सरदार सिंह के साथ सब जूनियर लड़कों को प्रशिक्षित करने के लिए लाजारूस बारला को हॉकी इंडिया ने जोड़ा ही है पूर्व ड्रैग फ्लिकर रूपिंदर पाल सिंह भी ओडिशा में जूनियर बच्चों को ड्रैग फ्लिक लगाने की कोचिंग दे रहे हैं।। सरदार सिंह सीनियर राष्ट्रीय चयनकर्ता की भी जिम्मेदारी पहले की तरह संभालते रहेंगे। वही सब जूनियर लड़कियों की कोच के लिए रानी रामपाल के साथ असुंता लाकरा और लिलिमा मिंज को भी जोड़ा है। यह घोषणा हॉकी इंडिया के अध्यक्ष डॉ. दिलीप टिर्की और महासचिव भोला नाथ सिंह ने संयुक्त रूप से संबोधित करते हुए दी। दिलीप तिर्की और भोला नाथ ने कहा कि उन्होंने सरदार और रानी को यह जिम्मेदारी इन दोनों से बात करने के बाद उनकी सहमति से दी। रानी रामपाल और सरदार सिंह फिलहाल सब जूनियर लड़कों और लड़कियों के राउरकेला में लगने वाले शिविर में संभालेंगे। फिलहाल सरदार सिंह और रानी रामपाल 45 दिन के लिए सब जूनियर राष्ट्रीय कोच की जिम्मेदारी संभालेंगे। सब जूनियर लड़कों और सब जूनियर लड़कियों का राष्ट्रीय शिविर सरदार और रानी रामपाल की देखरेख में 21 अगस्त से राउरकेला में शुरू होगा। दिलीप तिर्की और भोला नाथ सिंह ने कहा कि एक सुर में कहा कि वे सरदार सिंह और वे इन दोनों को तीन बरस तक के लिए यह जिम्मेदारी देना चाहते हैं।

दिलीप टिर्की ने कहा, पहली बार अंडर 17 टीम बनाने जा रहे हैं। हमारी कोशिश अपने खिलाडियों को सब जूनियर स्तर से एक ही पद्धति से खिलाने में है जिससे कि उन्हें आगे मौका मिले और उन्हें खुद को इसके मुताबिक ढालने में कोई दिकक्त न हो। हमारी कोशिश मजबूत सब जूनियर राष्ट्रीय टीम तैयार करे की।सब जूनियर बच्चों को अच्छा कार्यक्रम और एक्सपोजर हमारा यह सब जूनियर कार्यक्रम अंडर 17 से अंडर 21 बरस के लड़कों के लिए होगा। हमारा मकसद सब जूनियर

■ **तिर्की बोले, मजबूत सब जू. राष्ट्रीय टीम तैयार करने की कोशिश**

स्तर से बेहतर ढंग से सुविधाओं । हॉकी इंडिया चाह रहा पूर्व अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाडि़यों आने वाली पीढी के नए खिलाडि़यों के तैयार करने के लिए कोच की जिम्मेदारी सभाले। हमारी कोशिश देश म अपने कोच तैयार कर विदेशी खिलाडि़यों पर अपनरी निर्भरता कम करने की है। 13 से 17 बरस दरअसल सब जूनियर लड़के में खेल कर भीड़ में खो जाता था। लड़कों और लड़कियों की ओडिशा में सब जूनियर राष्ट्रीय चैंपियनशिप के बाद हमने 40-40 लड़कियों भारतीय सब जूनियर लड़को और लड़कियों के शिविर के लिए चुना है। हमारी अपनी सब जूनियर लड़कों और लड़कियों की टीमों को विदेशी एक्सपोजर के लिए नीदरलैंड, बेल्जियम और दक्षिण में खेलने भेजने के लिए बात चल रही है। हमारी एक और कोशिश देश में सब जूनियर स्तर से ड्रैग फ्लिकरों और गोलरक्षकों को तैयार करने की है। हम सब जूनियर खिलाडि़यों को सीनियर खिलाडि़यों की तरह की सुविधाएं उपलब्ध कराएंगे।

सरदार सिंह ने कहा, हमारी कोशिश बहुत कम उम्र से खिलाडि़यों को सीनियर खिलाडि़यों के खेलने के सिस्टम से खिलाने की है। हमारे बच्चे यदि मान ले यदि 13 बरस से खेलना शुरू कर देंगे तो यदि हमें सब जूनियर या फिर जूनियर और सीनियर वर्ग में राष्ट्रीय टीम के लिए खिलाड़ी की जरूरत पड़ती है तो हमारे पास इसके लिए पर्याप्त विकल्प जमीनी या निचले स्तर से उपलब्ध होंगे।